दैनिक विनय उजाला

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, आलीराजपुर, ठाणे, मुंबई, नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

मूल्य ₹ 3.00

RNI. Reg. MPHIN/2019/78560

आलीराजपुर
गुरुवार, 16 जुलाई 2026
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-02
वर्ष : 07 | अंक : 229
कुल पृष्ठ : 12

अक्षर पटेल टॉप-10 में ...10

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

फर्स्ट कॉलम

भारत के न्यूक्लियर पावर प्लांट का डेटा लीक

चेन्नई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम से जुड़े हजारों दस्तावेज लीक हो गए हैं। हैकर्स ग्रुप 'वर्ल्ड लीक्स' ने डार्क वेब पर इन दस्तावेजों को अपलोड करने का दावा किया है। इनमें पॉवर प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की लिस्ट, कंट्रोल रूम और अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक किए गए। सर्वर मई में हैक हुआ था, जून में दस्तावेज लीक का दावा किया गया। जानकारी अब सामने आई है। तमिलनाडु के कुडनकुलम प्रोजेक्ट पर काम कर रहे अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने माना है कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा का सर्वर हैक किया गया। इसकी जानकारी सरकार को दे दी गई है। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर यूनिट-3 और यूनिट-4 प्रोजेक्ट का ठेकेदार है। डेटा थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा के सर्वर पर मौजूद था।

अवैध रूप से आई बांग्लादेशी युवती गिरफ्तार

अजमेर, एजेंसी। अजमेर पुलिस ने अवैध रूप से सीमा पार कर भारत में प्रवेश करने वाली एक बांग्लादेशी युवती को गिरफ्तार किया है। सीआईडी जोन पुलिस ने उसे क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र स्थित एक होटल से हिरासत में लेकर डिटेंशन सेंटर भेज दिया है। जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल ने बताया कि बांग्लादेश के ढाका संभाग के किशोरगंज जिले के पांकुदिया थाना क्षेत्र स्थित चंडीपाशा पोस्ट ऑफिस, कोदालिया निवासी मीम अख्तर पुत्री अब्दुल सत्तार को गिरफ्तार किया गया है। युवती ने बताया कि वह अवैध रूप से बांग्लादेश सीमा पार कर भारत में दाखिल हुई थी। एक दिन पहले ही अजमेर पहुंची। इससे पूर्व वह जयपुर-ब्यावर में काम की तलाश में रह चुकी है।

मातृशक्ति से संवाद करेंगे भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत देश की मातृशक्ति के साथ 'मातृत्व विमर्श' विषय पर विस्तृत संवाद करेंगे। 24 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय आंबेडकर सेंटर में विश्वमांगल्य सभा द्वारा आयोजित होने वाले इस संवाद में देशभर से 700 प्रतिनिधि मौजूद रहेंगी। विश्वमांगल्य सभा की राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. वृषाली जोशी ने बतायायुगानुकूल मातृत्व विषय पर भागवत का महिलाओं के साथ संवाद आयोजित होने जा रहा है।

यूको बैंक मामले में चार राज्यों में सीबीआई ने की छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को यूको बैंक को 47.37 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में दर्ज बैंक धोखाधड़ी मामले में कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु में कई स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मेसर्स जुपिटर बायो साइंसेज लिमिटेड, उसके प्रबंध निदेशक, निदेशकों तथा अज्ञात लोकसेवकों और निजी व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज मामले में की गई। मामला यूको बैंक, हैदराबाद की शिकायत पर दर्ज किया। तेलंगाना उच्च न्यायालय के 5 मार्च और 24 अप्रैल के आदेशों के अनुपालन में एजेंसी ने 29 जून को प्राथमिकी दर्ज की थी। कंपनी और उससे जुड़े लोगों ने बैंक से ऋण सुविधाएं हासिल करने के लिए फर्जी एवं मनगढ़ंत प्रोफार्मा इनवॉइस प्रस्तुत किए और गिरवी संपत्तियों के बढ़े हुए मूल्यांकन संबंधी दस्तावेज जमा किए। इससे 47.37 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

Cartoon Corner

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर से किया राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव का शुभारंभ, बोले-

पूरे मध्यप्रदेश में तेजी से स्थापित हो रही हैं फूड प्रोसेसिंग इकाइयां

विनय उजाला

आलीराजपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को इंदौर में राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव का शुभारंभ करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में समर्पित किया है।

इस उद्देश्य से कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, एमएसएमई, राजस्व, ऊर्जा सहित 16 विभागों को एक साथ लाकर किसानों के समग्र विकास का अभियान प्रारंभ किया गया है और किसानों की आय बढ़ाने के लिये रोडमैप तैयार किया गया है। अभियान के तहत प्रदेश के सभी 55 जिलों में आगामी 13 नवम्बर तक अनेक आयोजन होंगे और खेती-किसानी पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के सर्वांगीण विकास का संकल्प लेकर सरकार आगे बढ़ रही है।

पिछले वर्ष सरकार ने उद्योग एवं रोजगार वर्ष मनाया था, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश धरातल पर उतर रहे हैं। अब उसी प्रकार वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाते हुए कृषि क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन लाया जा रहा है।

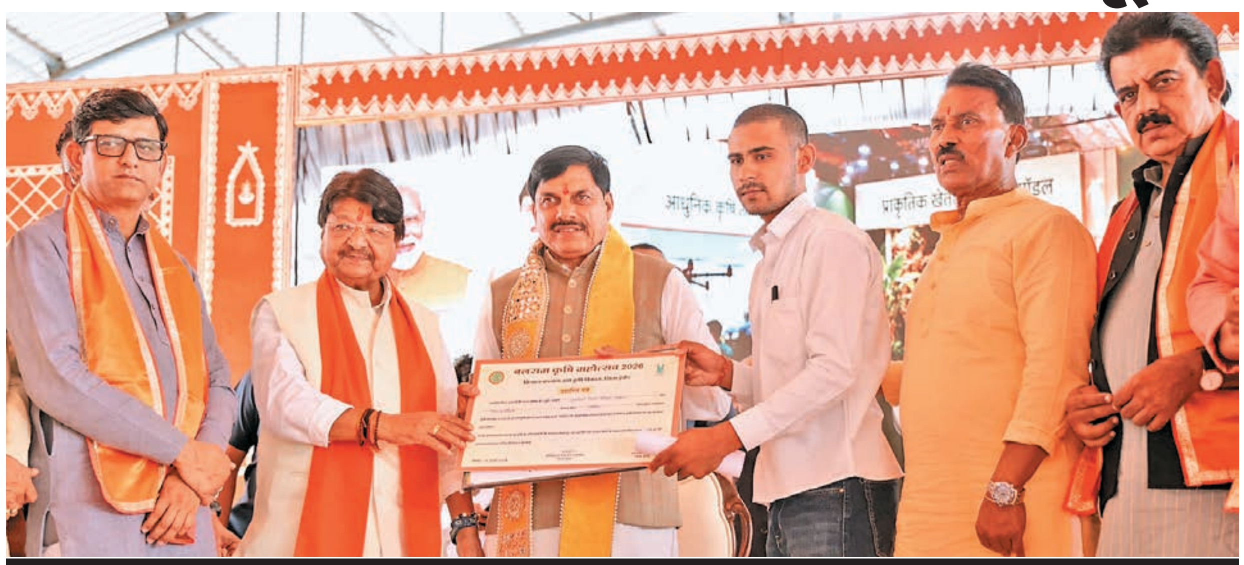

डॉ. यादव ने खेती के हित, किसानों के कल्याण के लिए की महत्वपूर्ण घोषणाएं

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष ओम जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय, विधायक मधु वर्मा, मालिनी गौड़, गोलू शुक्ला, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा, श्रवण चावड़ा, कपिल यार्दे सहित अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान की समृद्धि का आधार पानी, बिजली और सड़क है। इन तीनों क्षेत्रों में सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि किसानों को अब रात्रि के बजाय दिन में कृषि बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी और खेती करना अधिक सुविधाजनक होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना

प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस योजना प्रारंभ की जाएगी, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वर्तमान में मध्यप्रदेश देश के कुल दुग्ध उत्पादन में लगभग 12 प्रतिशत योगदान देता है।

नदी जोड़ो परियोजनाओं से 13 जिलों को मिलेगा लाभ

डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के समय परिकल्पित केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना मध्यप्रदेश के जल इतिहास को बदल देंगी। 13 जिलों को सिंचाई एवं पेयजल का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार खेती को केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि 'खेत से कारखाने और कारखाने से बाजार' तक संपूर्ण कृषि अर्थव्यवस्था विकसित की जा रही है। प्रदेश में तेजी से फूड प्रोसेसिंग इकाइयाँ स्थापित हो रही हैं। हाल ही में उज्जैन में 1250 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित आलू प्रसंस्करण इकाई प्रदेश के 32 जिलों से आलू खरीदेगी, जिससे किसानों को स्थायी बाजार मिलेगा। इसी प्रकार इंदौर, आगर, उज्जैन सहित अनेक जिलों में कृषि आधारित उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं-

- इंदौर की वर्तमान कृषि उपज मंडी को स्थानांतरित कर आधुनिक एवं विशाल कृषि उपज मंडी विकसित की जाएगी।
- संबंधित क्षेत्र में देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।
- मंडी क्षेत्र के प्रभावित परिवारों को वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराने की घोषणा।
- किसानों को दिन में कृषि बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था लागू की जाएगी।
- 40 लाख रुपये तक की डेयरी स्थापना पर 10 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा।
- गौशाला संचालन के लिए प्रति गौवंश 40 रुपये प्रतिदिन अनुदान जारी रहेगा।
- किसानों की आय बढ़ाने के लिए फूड प्रोसेसिंग, डेयरी, मत्स्य पालन और कृषि आधारित उद्योगों का व्यापक विस्तार किया जाएगा।
- फसलों को नुकसान पहुंचाने वाली नीलगाय एवं अन्य वन्य पशुओं के प्रबंधन के लिए विशेष योजना लागू होगी। हेलिकॉप्टर से नीलगाय एवं अन्य वन्य पशुओं के नियंत्रण की योजना बनेगी।

एक मंच पर सभी विभागों की जानकारी

बलराम कृषि महोत्सव में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, एमएसएमई, ऊर्जा, राजस्व सहित विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, ड्रोन तकनीक, कृषि यंत्रीकरण, उद्यानिकी, डेयरी, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि ऋण, बीमा, विपणन, मूल्य संवर्धन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को विभागीय विशेषज्ञों से सीधे संवाद करने तथा विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने का अवसर भी उपलब्ध कराया गया।

किसानों को कर रहे जागरूक : विजयवर्गीय

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को प्राकृतिक खेती, आधुनिक खेती और ऑर्गेनिक खेती के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार कार्यशालाएं आयोजित कर रही है।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा विकास : सिलावट

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांव, मातृशक्ति, युवा शक्ति तथा समाज के अंतिम व्यक्ति के समग्र विकास के लिए हमारी सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

राहुल गांधी को राहत, निगरानी याचिका खारिज, मजिस्ट्रेट के आदेश में हस्तक्षेप से किया इनकार

सुल्तानपुर, एजेंसी। गृहमंत्री अमित शाह पर कथित विवादित टिप्पणी से जुड़े मानहानि के मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को एमपी-एमएलए कोर्ट से राहत मिली है। स्पेशल जज राकेश यादव की अदालत ने भाजपा नेता विजय मिश्र की निगरानी याचिका खारिज कर दी। अदालत ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार किया। इस फैसले से स्पेशल मजिस्ट्रेट की अदालत में लंबित मानहानि मुकदमे की सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। अब मामले में 18 जुलाई को सुनवाई होगी। स्पेशल जज ने अपने आदेश में कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट में लंबित अंतिम बहस की कार्यवाही को रोकना उचित नहीं था। अदालत ने माना कि परिवादी की ओर से दायर निगरानी याचिका स्वीकार करने योग्य नहीं है। यह मामला भाजपा नेता विजय मिश्र ने वर्ष 2018 में दायर किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने अमित शाह के संबंध में विवादित टिप्पणी की थी। मुकदमे की सुनवाई के दौरान विजय मिश्र ने 12 मार्च को राहुल गांधी की आवाज का नमूना जांच कराने की मांग की थी। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने 2 मई को यह अर्जी खारिज कर दी थी।

दो अदालतों से नहीं मिली राहत : राहुल गांधी की आवाज के नमूने की जांच कराने की मांग पहले स्पेशल मजिस्ट्रेट कोर्ट ने खारिज की थी। अब उसी आदेश के खिलाफ दाखिल निगरानी याचिका भी एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने निरस्त कर दी। लगातार दो अदालतों से राहत नहीं मिलने के बाद परिवादी को कानूनी झटका माना जा रहा है।

राम मंदिर मामले में एसआईटी को मिलीं कई गंभीर खामियां

आज आ सकती है फाइनल रिपोर्ट

अयोध्या, एजेंसी

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में जांच अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) 24 से 48 घंटों के भीतर अपनी अंतिम रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार को सौंप सकती है। सरकार ने 1 जुलाई को एसआईटी को 15 दिनों का अतिरिक्त समय दिया था, जिसकी समयसीमा खत्म हो रही है, इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

एसआईटी की शुरुआती जांच रिपोर्ट में मंदिर परिसर के भीतर सुरक्षा और प्रबंधन की गंभीर कमियां सामने आई हैं। 27 अप्रैल से 5 जून 2026 के बीच सीसीटीवी कैमरों में करीब 70 ऐसी संदिग्ध घटनाएं कैद हुईं, जहां दान के पैसे गिनने वाले कर्मचारी नोटों की गड्डियां छिपाते नजर आए। पैसे गिनने वाले कमरे में आने-जाने वालों की कोई तलाशी (फ्रिस्किंग) नहीं ली जाती थी। कर्मचारियों के निजी सामान पर भी कोई नियंत्रण नहीं था। रिपोर्ट में बताया गया, कई दान पेटियों के कैश को एक साथ मिलाकर गिना जाता था, जिससे हेरफेर करना आसान हो गया। जांच शुरू होने से पहले ही कुछ कर्मचारियों से 78.94 लाख रुपये बरामद किए जा चुके थे। इसके अलावा, 4 जून 2026 को पैसे गिनने वाले कमरे से जुड़े बाथरूम से 2.25 लाख रुपये लावारिस हालत में मिले थे।

रथयात्रा आज...

सिंहद्वार तक पहुंचे तीनों रथ

भुवनेश्वर, एजेंसी। श्रीजगन्नाथ रथयात्रा से एक दिन पूर्व बुधवार को पुरी श्रीमंदिर में अंतिम चरण के पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। मंगलवार को नवयौवन दर्शन के बाद 'उभा यात्रा' की महत्वपूर्ण नीति के तहत तीनों रथों को रथखला से श्रीमंदिर के सिंहद्वार तक लाया गया। मंदिर परंपरा के अनुसार, प्रात :काल महाप्रभु श्रीजगन्नाथ, महाप्रभु बलभद्र, देवी सुभद्रा और श्रीसुदर्शन की नियमित नीतियां संपन्न होंगी। इसके बाद गोपाल बल्लभ एवं सकाल धूप की नीतियों का संपादन किया गया। इसके उपरांत सेवायत पारंपरिक शोभायात्रा के माध्यम से महाप्रभु की ओर से 'आज्ञामाला' (दैवीय अनुमति की माला) तीनों रथों तक लेकर आये। इस अनुष्ठान को आज्ञामाला बीजे कहा जाता है।

अमृतसर में आतंकी साजिश नाकाम

आईएसआई का गुर्गा हैंड ग्रेनेड और पिस्तौल के साथ गिरफ्तार

चंडीगढ़। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक व्यक्ति को हैंड ग्रेनेड, 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार कर आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि रूपनगर के गांव सुखसाल का रहने वाला सुमित कुमार उर्फ पंडित (24) इस समय अमृतसर के पंडोरी वड़ैच में रह रहा था। वह इंस्टाग्राम के जरिए सीमा पार के आईएसआई हैंडलरों के संपर्क में था और उसे कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए पुलिस संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों को निशाना बनाने के निर्देश दिए गए थे।

स्कूटी चार्जिंग के दौरान धमाके से आग लगी

नोएडा में चार मंजिला बिल्डिंग में आग, दो जिंदा जले

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में बुधवार सुबह 11 बजे 4 मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में 2 लोग जिंदा जल गए। एक बच्चा और एक युवती गंभीर रूप से झुलस गए। फायर ब्रिगेड ने सीढ़ियों के सहारे 50 परिवारों का रेस्क्यू किया। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि बिल्डिंग के बेसमेंट में इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी। इसी दौरान उसमें धमाका हुआ और आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। 30 से 40 बाइकें जलकर राख हो गईं। धुआं देख आसपास रहने वाले सैकड़ों लोग सड़क पर आ गए। बिल्डिंग के निचले हिस्से में फंसे लोग बाहर निकल गए, लेकिन ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले लोग फंस गए। सूचना पर फायर ब्रिगेड की 7 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन भीड़ और संकरी गलियों के चलते वे बिल्डिंग तक नहीं पहुंच सकीं। ऐसे में गाड़ियों को सड़क पर ही खड़ा करना पड़ा। इसके बाद पाइप जोड़कर आग पर काबू पाया गया। इसमें करीब 3 घंटे लगे।

मप्र के सिवनी के युवकी मौत... फायर ब्रिगेड कर्मियों ने जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, उसकी छत से सामने वाली बिल्डिंग तक सीढ़ियां लगाकर पुल बनाया। उसके सहारे लोगों को दूसरी बिल्डिंग में सुरक्षित पहुंचाया। हादसे में जान गंवाने वाली लड़की स्नेहा श्रीवास्तव (22) बिहार की रहने वाली थी। वहीं युवक ऋषभ कुमार मध्यप्रदेश के सिवनी का रहने वाला था।

नए वर्सन में अधिक रोमांचक होंगे मुकाबले

आईसीसी ने बदले विश्व कप और टी-20 विश्व कप के प्रारूप

एडिनबर्ग, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने प्रमुख पुरुष टूर्नामेंटों के प्रारूप में बड़े बदलावों को मंजूरी दे दी है। आईसीसी बोर्ड की वार्षिक बैठक में पुरुष क्रिकेट विश्व कप और टी-20 विश्व कप के नए प्रारूप को स्वीकृति मिली।

परिषद का उद्देश्य टूर्नामेंटों को अधिक प्रतिस्पर्धी, रोमांचक और हर मैच को अधिक महत्वपूर्ण बनाना है। इसके साथ ही आईसीसी ने वर्ष 2028 के पुरुष टी-20 विश्व कप की नई क्वालीफिकेशन प्रणाली को भी मंजूरी दी है। इसके अलावा सहयोगी (एसोसिएट) देशों के लिए 16 टीमों वाले एक नए वैश्विक टूर्नामेंट का भी प्रस्ताव रखा गया है।

विश्व कप में अब होगा 'सुपर सीरीज' और 'सुपर-7' चरण : आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में अब भी 14 टीमें हिस्सा लेंगी, लेकिन टूर्नामेंट का प्रारूप पूरी तरह बदल दिया गया है। नए प्रारूप में प्रतियोगिता तीन चरणों में खेली जाएगी। पहले चरण में निचली रैंकिंग की तीन टीमें सुपर सीरीज खेलेंगी, जिसमें शीर्ष टीम अगले दौर में पहुंचेगी। दूसरे चरण में दो समूहों में छह-छह टीमें होंगी। इसके बाद सुपर-7 चरण खेला जाएगा, जिसमें सात टीमें राउंड-रॉबिन मुकाबले खेलेंगी। सुपर-7 की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

टी-20 विश्व कप में अब सुपर-10 और एलिमिनेटर मुकाबले

पुरुष टी-20 विश्व कप में भी बड़ा बदलाव किया गया है। अब 20 टीमें पांच समूहों में विभाजित होंगी, जिनमें प्रत्येक समूह में चार-चार टीमें रहेंगी। हर समूह से दो टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी। इसके बाद सुपर-10 चरण खेला जाएगा, जिसमें दो समूहों में पांच-पांच टीमें होंगी। प्रत्येक समूह की शीर्ष टीम सीधे सेमीफाइनल में पहुंचेगी। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर मुकाबले खेलेंगी। एलिमिनेटर के विजेता सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। आईसीसी का कहना है कि एलिमिनेटर की शुरुआत से सुपर-10 चरण के अंतिम मुकाबलों तक रोमांच और प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी।

2028 टी-20 विश्व कप के लिए नई क्वालीफिकेशन प्रणाली

आईसीसी ने 2028 टी-20 विश्व कप के लिए नई क्वालीफिकेशन प्रणाली भी तय कर दी है। स्कॉटलैंड सीधे यूरोप रीजनल फाइनल में पहुंचेगा। 2026 टी-20 विश्व कप खेलने वाली लेकिन सीधे क्वालीफाई नहीं करने वाली टीमें ग्लोबल क्वालीफायर में उतरेंगी।

एसोसिएट सदस्यों के लिए नए प्रस्ताव... आईसीसी बोर्ड ने एसोसिएट सदस्य देशों के लिए 16 टीमों वाले नए वैश्विक टूर्नामेंट के प्रस्ताव को भी समर्थन दिया है। यह प्रतियोगिता टी-20 विश्व कप से पहले आयोजित की जाएगी, जिससे उभरती क्रिकेट टीमों को अधिक अंतरराष्ट्रीय मुकाबले और उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलेगा।

महापौर द्वारा झोन क्रमांक-11 की वार्ड समिति कि समीक्षा बैठक संपन्न

झोन हमारे काम की आत्मा है, जोनल कार्यालय पर आने वाले नागरिकों को अच्छा रिस्पांस मिले : महापौर

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में आज नगर निगम के झोन क्रमांक-11 की वार्ड समिति बैठक आयोजित की गई। बैठक में झोन अध्यक्ष एवं पार्षद श्री महेश बसवाल, पार्षद श्रीमती विजयालक्ष्मी गौहर, श्रीमती पंखुड़ी जैन डोसी, पार्षद प्रतिनिधिगण, महापौर प्रतिनिधि श्री भावेश दवे, झोनल अधिकारी श्री गीतेश तिवारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि नगर निगम की कार्यप्रणाली में झोन कार्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। झोन ही नगर निगम की सेवाओं का सबसे प्रभावी माध्यम हैं और इन्हीं के माध्यम से नागरिकों को त्वरित एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को जन्म से लेकर जीवन के प्रत्येक चरण तक आवश्यक नागरिक सुविधाएं सहजता से उपलब्ध कराना है।

महापौर ने कहा कि नगर निगम लगातार डिजिटल सेवाओं का विस्तार कर रहा है ताकि नागरिकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए निगम मुख्यालय अथवा झोन कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। नागरिक घर बैठे मोबाइल एवं डिजिटल माध्यमों से विभिन्न निगम सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकें, यही हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद यदि किसी कारणवश कोई नागरिक झोन कार्यालय पहुंचता है तो उसे सम्मानजनक व्यवहार, सकारात्मक वातावरण तथा समाधान मिलना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक के साथ संवेदनशीलता, आत्मीयता और जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करें। नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनें, उनके कार्यों का नियमानुसार एवं सुविधाजनक समाधान सुनिश्चित करें तथा किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी से बचें। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही नगर निगम की सबसे बड़ी पहचान है और जो अधिकारी एवं कर्मचारी लोगों की मदद करते हैं, उन्हें नागरिक हमेशा सम्मान और विश्वास के साथ याद रखते हैं। इसलिए प्रत्येक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को सेवा भाव के साथ निभाए।

बैठक में वार्ड समिति के एजेंडा बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों में संपादित विकास कार्यों की जानकारी प्रस्तुत करते हुए विभिन्न निर्माण कार्यों, आधारभूत सुविधाओं एवं नागरिक समस्याओं से संबंधित विषयों पर अपने सुझाव रखे। साथ ही उन्होंने झोन स्तर सड़क निर्माण, बेक लाइन निर्माण, अन्य विकास कार्यों सहित रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के संबंध में भी झोन स्तर से किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की।

जनहित से जुड़े किसी भी कार्य में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा : महापौर

बैठक के दौरान महापौर श्री भार्गव ने परिषद के वर्तमान कार्यकाल के शेष महीनों में विकास कार्यों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस अवधि में स्वीकृत एवं प्रगतिरत सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन विकास कार्यों की स्वीकृति मिल चुकी है लेकिन किसी कारणवश अभी तक प्रारंभ नहीं हो सके हैं, उन्हें तत्काल शुरू कराया जाए। वहीं जो कार्य वर्तमान में प्रगति पर हैं, उनकी गति बढ़ाकर समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित की जाए। महापौर ने कहा कि प्रत्येक विकास कार्य की नियमित समीक्षा एवं मॉनिटरिंग की जाए ताकि किसी भी प्रकार की प्रशासनिक, तकनीकी अथवा अन्य बाधा को समय रहते दूर किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े किसी भी कार्य में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करें।

संक्षिप्त समाचार

अभिलेष ठक्कर बने अखिल औदीच्य ब्राह्मण महासभा की युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष

इंदौर (विनय उजाला)। अखिल औदीच्य ब्राह्मण महासभा ने इंदौर निवासी अभिलेष ठक्कर को युवा इकाई का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। ठक्कर को प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट का करीबी और श्रवण सिंह जी चावड़ा जिला अध्यक्ष माना जाता है और वे लंबे समय से सामाजिक एवं जनसंपर्क गतिविधियों में सक्रिय हैं। महासभा द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार उन्हें समाज के संगठन विस्तार, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा समाज सेवा के कार्यों का दायित्व सौंपा गया है। संस्था ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में युवा इकाई समाजहित के कार्यों को नई गति देगी। नियुक्ति पर समाजजनों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जिला कोषालय इन्दौर में समस्या निवारण शिविर 16 एवं 17 जुलाई को

इंदौर, (विनय उजाला)। शासकीय कार्यालयों में अकाउंट संबंधी पोर्टल में आने वाली तकनीकी और अन्य समस्याओं के समाधान के लिए जिला कोषालय में 16 एवं 17 जुलाई को विशेष शिविर आयोजित किया गया है। अकाउंट संबंधी पोर्टल IFMIS में आ रही तकनीकी समस्याओं का समाधान इस शिविर में किया जाएगा। यह शिविर 16 एवं 17 जुलाई 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कलेक्टोरेट कार्यालय के कक्ष क्रमांक जी-2 में आयोजित किया जा रहा है। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी सुश्री मोनिका कटारे ने कहा कि IFMIS CARES शिविर में पूर्व से लंबित तकनीकी समस्याओं के निराकरण (स्ठ) का त्वरित निराकरण करने तथा इससे संबंधी निराकृत स्ठ, प्रचलित स्ठ एवं स्ठ के लंबित प्रकरण तथा पूर्ण अभिलेख विवरण सहित सहित उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। सुश्री कटारे ने कहा है कि समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों शिविर का लाभ अवश्य उठाये।

एमपीपीएससी प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की नि :शुल्क कोचिंग हेतु आवेदन आमंत्रित

इन्दौर, नप्र। शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग संचालित की जा रही है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रशिक्षण केन्द्र की सहायक आयुक्त एवं प्राचार्य श्रीमती आशा चौहान ने बताया कि पात्र अभ्यर्थी प्रशिक्षण केन्द्र से आवेदन पत्र प्राप्त कर उसे पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित शीघ्र संस्थान में जमा करें तथा नि:शुल्क कोचिंग का लाभ प्राप्त करें। लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग हेतु प्रवेश के लिए आवेदक का मध्यप्रदेश का अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति वर्ग का निवासी होना आवश्यक है। आवेदक के परिवार की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 6 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। अभ्यर्थी की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच तथा स्नातक में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी रहेगा।

हिंदी और भारतीय भाषाओं का आधार हैं डेढ़ हजार से अधिक बोलियां : डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा

देवनागरी के समक्ष मौजूद रोमन लिपि की चुनौती को लेकर जागरूकता आवश्यक : हरेराम बाजपेयी

विनय उजाला

उज्जैन। देश की जानी-मानी संस्था राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना उज्जैन के तत्वावधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी का विषय वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिंदी एवं नागरी लिपि था। मुख्य वक्ता के रूप में अपना मंतव्य देते हुए डॉ. शैलेंद्र कुमार शर्मा, कुलानुशासक एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन ने कहा — हिंदी और भारतीय भाषाओं का आधार भारत में बोली जाने वाली डेढ़ हजार से अधिक भाषाएँ और बोलियाँ हैं। कोई भी भाषा तब तक भाषा नहीं बनती जब तक उसका बोलियों के साथ संबंध नहीं बनता। जनपदीय भाषाएँ राष्ट्रभाषा हिंदी की शिराओं में संचार करती हैं। हिंदी का भविष्य जनपदीय भाषाओं और देवनागरी लिपि के सशक्त आधार पर ही निर्मित होगा।

डॉ. हरिसिंह पाल, महामंत्री, नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली ने कहा कि शैक्षिक संस्थानों और भारत सरकार के प्रयासों से हिंदी दिवस, हिंदी पखवाड़ा और हिंदी माह जैसे आयोजन अब नियमित रूप से होते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नागरी लिपि विश्व लिपि बनेगी और हिंदी भाषा संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। श्री हरेराम वाजपेयी, प्रचार मंत्री, मध्य भारत हिंदी समिति एवं संस्थापक हिंदी परिवार इंदौर ने कहा कि 1942 की वीणा पत्रिका में रोमन लिपि के विस्तार पर चिंता व्यक्त की गई थी, जो आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कविता भी सुनाई। इस अवसर पर डॉ हरिसिंह पाल, नई दिल्ली और हरेराम वाजपेयी,इंदौर के जन्मदिवस के अवसर पर उन का सारस्वत सम्मान किया गया। डॉ. बी. के. शर्मा, संरक्षक राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना ने कहा कि तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत की नई पीढ़ी को भी हिंदी पढ़ने की व्यवस्था होनी चाहिए। डॉ. शहनाज शेख, राष्ट्रीय सचिव, महाराष्ट्र ने कहा कि तकनीकी और डिजिटल युग में भी देवनागरी लिपि खरी उतरती है। श्रीमती सुवर्णा जाधव, राष्ट्रीय संयोजक, पुणे ने भाषा की शुद्धता पर बल दिया। डॉ. रणजीत सिंह अरोड़ा पुणे ने देवनागरी को वैज्ञानिक लिपि बताया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मि चौबे, राष्ट्रीय प्रवक्ता, गाजियाबाद ने किया। सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्वागत भाषण डॉ. श्वेता मिश्रा ने दिया, प्रस्तावना डॉ. शहनाज शेख ने प्रस्तुत की और आभार डॉ. रश्मि चौबे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. अरुणा सराफ, प्रतिभा येरेकर, महाराष्ट्र, डॉ. गोकुलेश्वर द्विवेदी, प्रयागराज, डॉ. बाबला गरेहवाल, डॉ रजिया शेख, डॉ मुमताज पठान, महाराष्ट्र डॉ. मुक्ता कान्हा कौशिक, रायपुर डॉ. झरेंद्र, सोनू कुमार पटना सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

विश्व लिपि बनेगी नागरी लिपि : डॉ. हरिसिंह पाल

आज शाम समावेशन और जागरूकता का संदेश देगा एक विशेष आयोजन, 'अनहद 26 क्षमताओं का उत्सव'

इंदौर, (विनय उजाला)। अरुणाभ (Institute for Holistic Development for the Differently Abled) द्वारा आयोजित 'अनहद 26 - क्षमताओं का उत्सव' का आयोजन आज, 16 जुलाई (गुरुवार) शाम 6:00 बजे आनंद मोहन माथुर सभागार में किया जाएगा। 'अनहद' केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगता के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने और समावेशी समाज के निर्माण का एक जन-अभियान है। संस्था के आशीष कट्टी,प्रचार प्रमुख शैलेन्द्र महाजन ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य यह संदेश देना है,कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चे भी समाज की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें समान अवसर, सम्मान तथा स्वीकार्यता मिलनी चाहिए। कार्यक्रम में अरुणाभ के विशेष बच्चों के साथ कला क्षेत्र से जुड़े व्यावसायिक कलाकारों की समावेशी प्रस्तुति है, समाज में समावेश को प्रोत्साह देने के लिये नृत्य, संगीत, नाट्य एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जाएगा।

त्रिवेदी प्रदेश महामंत्री नियुक्त

शाजापुर, निप्र। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी की सहमति एवं संजय कामले संगठन महामंत्री के अनुमोदन से प्रदेश प्रभारी विभाग एवं समस्त प्रकोष्ठ मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी डॉक्टर महेंद्र सिंह चौहान ने युवा नेता एवं पूर्व पार्षद संजीव त्रिवेदी को मध्य प्रदेश कांग्रेस नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री के पद पर नियुक्त किया है। त्रिवेदी की नियुक्ति से जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

उप मुख्यमंत्री ने नंदनी गौशेड का किया लोकार्पण

गौ सेवा और प्राकृतिक खेती से ही सबका कल्याण होगा : उप मुख्यमंत्री

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने गंगेव विकासखण्ड के हिनौती गौधाम में नंदनी गौशेड तथा प्राकृतिक खेती पर आधारित बायो इनपुट प्लांट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हिनौती गौधाम और बसामन मामा गौ अभ्यारण्य निराश्रित गायों को आश्रय देने के साथ-साथ प्राकृतिक खेती के केन्द्र के रूप में विकसित किए जा रहे हैं।

हमें स्वयं को स्वस्थ रखने और भावी पीढ़ी का जीवन सुरक्षित रखने के लिए गौपालन और प्राकृतिक खेती को अपनाना अनिवार्य है। समय आ गया है कि हम सब खेती में रासायनिक खाद और कीटनाशकों का उपयोग सीमित करके जैविक विधि से विषमुक्त खेती को अपनाएं। सभी किसान कम से कम अपने परिवार के उपयोग का अनाज जैविक विधि से उत्पादित करें। हिनौती और बसामन मामा में निराश्रित गायों का संरक्षण सबके सहयोग से किया जा रहा है। गौ माता और संतों के आशीर्वाद से रीवा ही नहीं पूरे विन्ध्य में विकास के कार्य सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं। आज हम सबको ईश्वर की विशेष कृपा से संत शिरोमणि महाराज राघवाचार्य जी का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ है। हिनौती गौधाम को विकसित करने में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और आमजनों ने बहुत अच्छा सहयोग दिया है।

समारोह में श्री राघवाचार्य जी महाराज ने कहा कि ईश्वर की विशेष कृपा होने पर ही गौ सेवा का अवसर मिलता है। हिनौती गौधाम गौ सेवा और प्राकृतिक खेती का केन्द्र बनने के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए गौ सेवा का प्रेरणास्त्रोत भी बनेगा। श्रीअन्न यानी मोटा अनाज हमारे सनातन परंपरा के अनाज हैं। इनकी खेती को अपनाकर हम सनातन की ही सेवा करेंगे। गाय ही हम सबकी माता और विश्व का पोषण करने वाली है। इसकी सेवा करना हम सबका धर्म है।

समारोह में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि गौसेवा के लिए हृदय में माँ की करूणा और पिता की तरह अनुशासन होना आवश्यक है। संतों और ईश्वर के आशीर्वाद से रीवा में गौ सेवा के कई कार्य किए जा रहे हैं। गौ अभ्यारण्य और गौधाम में हजारों बेसहारा गायों को आश्रय मिला है। सभी किसान भाई गौपालन और प्राकृतिक खेती को अपनाएं। इस वर्ष अनियमित वर्षा को देखते हुए कोदो, ज्वार और मूंग की अधिक से अधिक क्षेत्र में खेती करें। इससे जैविक अनाज प्राप्त होगा।

पदोन्नति मिलने पर अधिकारियों- कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति जताया आभार, किया स्वागत

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। पदोन्नति मिलने पर इंदौर में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार जताया और उनका स्वागत किया। राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर राजपत्रित अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष श्री जितेन्द्र सिंह तथा सहायक संचालक कृषि अधिकारी संघ के संभागीय अध्यक्ष श्री संदीप यादव ने प्रदेश के अधिकारी-कर्मचारियों की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर उप संचालक कृषि श्री सी.एल. केवड़ा तथा श्रीमती शर्ली थामस सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे। अधिकारियों-कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय अधिकारी-कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा तथा प्रशासनिक कार्यों में और अधिक दक्षता आएगी।

स्कूल में बच्चों के बीमार होने की घटना के बाद जिला प्रशासन सख्त

शिशुकुंज एजुकेशनल सोसायटी को सुधार सूचना पत्र जारी, कमियां दूर करने के निर्देश

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। हाल ही में एक निजी विद्यालय में भोजन ग्रहण करने के उपरांत बच्चों के अस्वस्थ होने की घटना को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में जिले के स्कूलों एवं शैक्षणिक संस्थानों में संचालित मेस एवं कैंटीनों की सघन जांच लगातार की जा रही है।

इसी क्रम में विगत 22 जून 2026 को खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा शिशुकुंज एजुकेशनल सोसायटी बायपास रोड झलारिया इंदौर का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों से संबंधित कई गंभीर कमियां पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के अंतर्गत संस्थान को सुधार सूचना पत्र जारी किया गया है।

निरीक्षण में पाया गया कि खाद्य निर्माण क्षेत्र की खिड़कियां उचित रूप से कवर नहीं थीं, जिससे कीट एवं अन्य पेस्ट के प्रवेश की संभावना बनी हुई थी। रॉ-मैटेरियल का भंडारण अव्यवस्थित था तथा एक्सपायरी खाद्य पदार्थ भी संग्रहित पाए गए, जिससे FIFO एवं FEFO प्रणाली का पालन नहीं होना स्पष्ट हुआ। खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी तथा खाद्य निर्माण में प्रयुक्त कुछ बर्तन फूड ग्रेड सामग्री के स्थान पर एल्यूमिनियम के पाए गए। इसके अतिरिक्त उपयोग किया हुआ कुकिंग ऑयल किचन में ही संग्रहित पाया गया। डीप फ्रीजर में तापमान नियंत्रण प्रणाली एवं तापमान प्रदर्शित करने वाला डिस्प्ले उपलब्ध नहीं था। फूड हैंडलर्स केवल कैप का उपयोग करते पाए गए, जबकि एप्रन एवं ग्लव्स का उपयोग नहीं किया जा रहा था। निर्माण में प्रयुक्त पानी की नवीनतम NABL लैब (IS:10500) जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी तथा पेस्ट कंट्रोल का रिकॉर्ड भी अपूर्ण पाया गया।

निरीक्षण के दौरान लिए गए कुल 23 खाद्य नमूनों में से ड्रिंकिंग वाटर, सोयाबीन तेल, ब्रीओ नमकीन, तुअर दाल एवं अमूल स्ट्रॉबेरी आइसक्रीम के नमूने निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। इन मामलों में संबंधित वैधानिक कार्रवाई भी प्रचलन में है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा संस्थान को निर्देशित किया गया है कि 14 दिवस के भीतर निरीक्षण के दौरान पाई गई सभी कमियों का निराकरण कर आवश्यक दस्तावेजों सहित अनुपालन प्रतिवेदन कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में संतोषजनक अनुपालन प्रस्तुत नहीं किए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अनुसार लाइसेंस/पंजीयन के निलंबन सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा है कि विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं खाद्य सुरक्षा मानकों से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि यदि संबंधित प्रतिष्ठान 14 दिवस के भीतर अथवा उससे पूर्व सभी कमियों का निराकरण कर देता है, तो जिला प्रशासन द्वारा गठित संयुक्त दल पुन: संस्थान का निरीक्षण करेगा।

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, आलीराजपुर, ठाणे, मुंबई, नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

दैनिक विनय उजाला

गुरुवार, 16 जुलाई 2026
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-02

पीएम के साथ होना शरद पवार के लिए ...05

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

फर्स्ट कॉलम

जेल में छह साल से बंद उमर खालिद को राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली दंगा मामले में आरोपी उमर खालिद को राहत देते हुए कड़कड़डूमा कोर्ट ने उन्हें सप्ताह में

दो बार परिवार से वीडियो कॉल (ई-मुलाकात) की अनुमति दे दी है। इससे पहले उनकी यह सुविधा घटाकर एक बार कर दी गई थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी की अदालत ने यह आदेश खालिद की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। अदालत ने कहा कि खालिद पिछले 6 सालों से सप्ताह में दो बार ई-मुलाकात की सुविधा ले रहा था और इस दौरान उसने जेल के किसी नियम का उल्लंघन नहीं किया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि खालिद को अपनी मां और अन्य परिवार के सदस्यों से बातचीत के लिए सप्ताह में दो बार ई-मुलाकात की अनुमति दी जाती है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर वाजपेयी ने कहा, 'खालिद 6 साल से इस सुविधा का लाभ ले रहा है और इस दौरान उसने जेल के किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया है। इसलिए उसे अपनी मां और परिवार के अन्य सदस्यों से बात करने के लिए सप्ताह में दो ई-मुलाकात की अनुमति दी जाती है।'

पीएम मोदी के चंडीगढ़ दौरे से पहले ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को चंडीगढ़ का दौरा करेंगे। पीएम मोदी के प्रस्तावित चंडीगढ़ दौरे को देखते हुए चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने आम जनता के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने लोगों से निर्धारित मार्गों पर अनावश्यक आवाजाही से बचने और वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करने की अपील की है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, 17 जुलाई को चंडीगढ़ बैरियर से पीईसी लाइट प्वाइंट होते हुए सेक्टर 2/3/10-11 चौक तक यातायात को वीवीआईपी मूवमेंट के मद्देनजर डायवर्ट या प्रतिबंधित किया जा सकता है। आम नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे दोपहर 3 बजे तक इस मार्ग का उपयोग करने से बचें। पुलिस ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान शहर के अन्य कुछ प्रमुख मार्गों पर भी आवश्यकता अनुसार यातायात को अस्थायी रूप से रोका या डायवर्ट किया जा सकता है।

पाक की खुराफात... नाकेबंदी हुई तो कराची जा रहे ईरानी जहाज

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच एक ऐसी खबर आई है, जिसने पाकिस्तान को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। ईरान से करीब दस लाख बैरल कच्चा तेल लेकर जा रहे दो जहाजों ने अपनी लोकेशन को कराची की तरफ कर दिया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब पाकिस्तान आधिकारिक रूप से करीब एक दशक से ईरान से कोई तेल नहीं खरीदता है। हालांकि, जमीनी बॉर्डर के रास्ते बड़ी मात्रा में ईरानी तेल पाकिस्तान आता है। इन दो जहाजों के कराची की तरफ मुड़ने के बाद विशेषज्ञ इस बात पर नजर गड़ाए बैठे हैं कि क्या ईरान अपने तेल को पाकिस्तान में उतारेगा या फिर इसे किसी दूसरे जहाज पर लोड किया जाएगा। अगर पाकिस्तान इस तेल को उतारता है, तो उस पर संक्शन्स लगने का खतरा बढ़ जाएगा।

ब्रिटेन में 40 साल पुराने राममंदिर की जमीन को लेकर बढ़ा विवाद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के पीटरबरो शहर मस्थित करीब 40 साल पुराने राममंदिर की जमीन को लेकर विवाद अब हाई कोर्ट पहुंच गया है। पीटरबरो सिटी काउंसिल द्वारा मंदिर परिसर को यूके इस्लामिक मिशन को बेचने के फैसले के खिलाफ हिंदू संगठन, भारत हिंदू समाज (बीएचएस) ने न्यायिक समीक्षा की मांग की है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सोमवार को हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान पीटरबरो सिटी काउंसिल की ओर से पेश अधिवक्ता कैथरीन रोलैंड्स ने दलील दी कि मंदिर परिसर को यूके इस्लामिक मिशन को बेचने का फैसला कानून के दायरे में है और इसे गैरकानूनी नहीं माना जा सकता।

सेमीकॉन 2.0, मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और यूरिया नीति को दी मंजूरी : 2.19 लाख करोड़ होंगे खर्च

कैबिनेट ने 2.19 लाख करोड़ की सात परियोजनाओं-फैसलों पर लगाई मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 2.19 लाख करोड़ की सात बड़ी परियोजनाओं और नीतिगत फैसलों को मंजूरी दी।

पीटीआई न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इनमें सेमीकॉन 2.0, मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (एमपीएमएस), राष्ट्रीय निवेश नीति-यूरिया 2026, वाराणसी के लिए दो बड़े एलिवेटेड कॉरिडोर और रेलवे की अहम परियोजनाएं शामिल हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इन फैसलों की जानकारी दी।

भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण केंद्र बनाने की दिशा में सरकार ने सेमीकॉन 2.0 के लिए 1,27,500 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इसके साथ ही मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (एमपीएमएस) के लिए 62,500 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। सरकार का मानना है कि इन योजनाओं से घरेलू विनिर्माण, निवेश, रोजगार और हाई-टेक उद्योगों को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा।

काशी को मिले दो आधुनिक एलिवेटेड कॉरिडोर

कैबिनेट ने वाराणसी में ट्रैफिक और कनेक्टिविटी सुधारने के लिए दो बड़े एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी दी है।

गंगा नदी के किनारे छह लेन का कॉरिडोर

एनएच-19 और वाराणसी रिंग रोड के बीच यात्रा को आसान बनाने के लिए 14,447.64 करोड़ रुपये (लगभग 14,448 करोड़ रुपये) की लागत से बनने वाले 6 लेन के ग्रीनफील्ड एलिवेटेड कॉरिडोर को हरी झंडी दी गई है।

वरुणा नदी के किनारे कॉरिडोर

स्थानीय कनेक्टिविटी को सुधारने के लिए वरुणा नदी के किनारे 6 और 4 लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिसके लिए 10,998 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

यूरिया उत्पादन में आत्मनिर्भरता पर जोर

कैबिनेट ने राष्ट्रीय निवेश नीति-यूरिया 2026 को भी मंजूरी दी है। इस नीति का उद्देश्य भारत को यूरिया उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना और आयात पर निर्भरता कम करना है। हालांकि यह एक नीतिगत फैसला है और इसके लिए अलग से वित्तीय आवंटन घोषित नहीं किया गया है।

दो रेलवे परियोजनाओं को भी मिली मंजूरी

रेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए सरकार ने पारादीप-हरिदासपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण पर 2,542 करोड़ रुपये और डांगोआपोसी-राजखरसावां के बीच चौथी रेलवे लाइन के निर्माण पर 1,365 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। केंद्र सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं से माल परिवहन क्षमता बढ़ेगी, उद्योगों को फायदा मिलेगा और देश के बुनियादी ढांचे को नई मजबूती मिलेगी।

ईरान पर नहीं होगा कोई रहम, पुल-पावर प्लांट होंगे निशाने पर : ट्रंप

व्हाइट हाउस की उच्चस्तरीय बैठक में अगले हफ्ते का टारगेट पहले ही किया सेट

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि अगले कुछ दिनों में ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान और तेज किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान बातचीत के लिए तैयार नहीं हुआ तो उसके पावर प्लांट और पुलों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जाएगा।

व्हाइट हाउस की उच्चस्तरीय बैठक में होर्मुज जलडमरूमध्य, ईरान के परमाणु कार्यक्रम और बड़े सैन्य हमलों की रणनीति पर चर्चा हुई। दूसरी ओर, ईरान भी अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है, जिससे पूरे पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया है।

होर्मुज से आगे बढ़ेगा अमेरिकी अभियान : यह बैठक ऐसे समय में हुई, जब अमेरिकी सेना ने लगातार चौथे दिन होर्मुज़ जलडमरू मध्य और ईरान के दक्षिणी तट पर स्थित ईरानी वायु रक्षा प्रणालियों, रडार प्रतिष्ठानों, एंटी-शिप मिसाइल ठिकानों और ड्रोन लॉन्च साइटों को निशाना बनाकर हमले किए।

ट्रंप ने बड़े युद्ध का संकेत दिया : बैठक से पहले ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा कि आने वाले दिनों में सैन्य अभियान और तेज होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान बातचीत से इनकार करता है तो उस पर पहले से कहीं बड़े हमले किए जाएंगे। अमेरिकी सेना अगले तीन दिनों में ईरान पर जोरदार हमला करने जा रही है। इसके बाद उन्होंने संकेत दिया कि यह अभियान और भी व्यापक हो सकता है।

सिचुएशन रूम की बैठक में ये थे शामिल : उच्चस्तरीय बैठक में ट्रंप के साथ उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन, सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ, व्हाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और अन्य वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी शामिल थे।

तेहरान पर दबाव बढ़ाने की रणनीति : खबरों के अनुसार, बैठक का मुख्य फोकस बड़े पैमाने पर सैन्य हमलों के विकल्पों पर था। इसका उद्देश्य तेहरान पर इतना दबाव बनाना है कि वह होर्मुज़ जलडमरूमध्य को पूरी तरह खुला रखने के साथ-साथ अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका की प्रमुख मांगों को भी स्वीकार करे।

ईरान पर अमेरिकी हमले में 30 लोगों की मौत

ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया हाल के अमेरिकी हवाई हमलों में 30 की मौत हुई, वहीं 260 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता हुसैन केरमनपौर के अनुसार, घायलों में कम से कम तीन महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 222 घायलों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। केरमनपौर ने कहा कि ये सभी लोग ईरान पर हाल में हुए अमेरिकी हमलों की ताजा लहर में घायल हुए हैं। हालांकि, उन्होंने हमलों की सटीक समयावधि का उल्लेख नहीं किया। इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है।

पिकएक्स माउंटेन पर अमेरिका की नजर

ट्रंप ने यह भी कहा कि वाशिंगटन 'पिकएक्स माउंटेन' पर होने वाली गतिविधियों पर लगातार नजर रखे हुए है। यह जमीन के काफी नीचे स्थित एक ऐसा परिसर बताया जाता है, जिसके बारे में अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों का मानना है कि इसका इस्तेमाल ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े कार्यों के लिए किया जा सकता है।

सात घंटे तक ईरान पर बम बरसाए

अमेरिका ने मंगलवार रात लगातार चौथे दिन ईरान पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, करीब सात घंटे तक चले ऑपरेशन में होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों, नौसैनिक संसाधनों और कोस्टल डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया गया।

ईरान ने कही जवाबी कार्रवाई की बात

उधर, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने जवाबी अभियान शुरू करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। उसने बहरीन के अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बेस और जॉर्डन के अजराक एयरबेस को निशाना बनाने का भी दावा किया। ईरानी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे दो व्यापारिक जहाजों पर हमला किया।

समंदर में भारत से जुड़े 11 जहाज फंसे

विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत से जुड़े 11 जहाज और 148 भारतीय नाविक फिलहाल फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। ये सभी जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने का इंतजार कर रहे हैं।

होर्मुज में जहाजों की आवाजाही सबसे कम : होर्मुज स्ट्रेट मंगलवार को सिर्फ 4 जहाज गुजरे। 17 जून को अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन के बाद यह सबसे कम शिपिंग ट्रैफिक है।

भारत पर 100% टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर कार्रवाई की तैयारी, संसद में बिल पेश, पांच देश निशाने पर

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंधों से जुड़ा एक संशोधित बिल पेश किया गया है। इसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया है।

बिल के मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100% टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया जा रहा है। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके। इसके तहत रूस के अधिकारियों, शैडो टैंकर बेड़े, केंद्रीय बैंक और सरकारी ऊर्जा परियोजनाओं पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। पहले बिल के शुरुआती मसौदे में 500% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसे घटाकर 100% कर दिया गया। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो अमेरिका पहली बार किसी देश पर सिर्फ इसलिए टैरिफ लगाएगा, क्योंकि वह रूस से तेल खरीदकर उसकी कमाई बढ़ा रहा है।

भारत ने पिछले महीने आधे से ज्यादा तेल रूस से खरीदा

भारत ने जून 2026 में रूस से रिकॉर्ड 26.1 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा, जो देश के कुल तेल आयात का 52.4% था। यानी पिछले महीने भारत में आयात होने वाले हर दो बैरल तेल में एक से ज्यादा बैरल रूस से आया। रूस लगातार भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना हुआ है। मई के मुकाबले जून में रूस से तेल आयात में करीब 39% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

यूरोपीय देशों को टैरिफ में राहत देगा अमेरिका

रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले चीन, फ्रांस, जापान, हंगरी और बेल्जियम को भी इसके दायरे में रखा गया है। हालांकि, जो देश रूस की कुल गैस निर्यात का 15% से कम आयात करते हैं और अपनी निर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं, उन्हें छूट मिल सकती है। बिल के तहत 15 यूरोपीय देशों को प्रस्तावित 100% टैरिफ से छूट दी गई है। राहत इसलिए दी, क्योंकि ये रूस से 15% से कम प्राकृतिक गैस खरीदते हैं।

आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी पर चलेगा बुलडोजर, 40 में से 38 कमरे तोड़ने का आदेश

रामपुर, एजेंसी

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और वर्तमान में जेल में बंद मोहम्मद आजम खान के ड्रीम प्रोजेक्ट जौहर यूनिवर्सिटी पर बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई हुई है। रामपुर विकास प्राधिकरण ने यूनिवर्सिटी परिसर में बने 40 भवनों में से 38 भवनों को बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्मित अवैध निर्माण मानते हुए उनके ध्वस्तीकरण का आदेश जारी कर दिया है। प्राधिकरण ने संस्थान को 15 दिन का समय दिया है कि वह इन भवनों को स्वयं हटा ले। यदि तय समय में ऐसा नहीं किया जाता है तो रामपुर विकास प्राधिकरण नियमानुसार कार्रवाई करेगा

रामपुर विकास प्राधिकरण के अनुसार,

जौहर यूनिवर्सिटी रामपुर सदर तहसील के ग्राम सिंगनखेड़ा में स्थित है। साल 2024 से यह क्षेत्र रामपुर विकास प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में शामिल है। इसके बाद प्राधिकरण ने यूनिवर्सिटी से भवनों के स्वीकृत मानचित्र से संबंधित जानकारी मांगी थी। प्राधिकरण का कहना है कि नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था, लेकिन संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने के बाद विस्तृत सुनवाई की गई।

वतन या कफन... पाकिस्तान के खिलाफ पीओके में बगावत

जेएएसी ने किया अलग देश बनाने का ऐलान

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के खिलाफ जनाक्रोश तेजी से बढ़ रहा है। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के प्रमुख नेता सरदार अमन कश्मीरी ने एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए अलग स्वतंत्र देश बनाने की मांग को जोरदार तरीके से दोहराया। मुजफ्फराबाद की ओर प्रस्तावित 'लॉन्ग मार्च' से ठीक पहले दिए गए इस भाषण में अमन कश्मीरी ने साफ कहा कि यह आंदोलन अब हर हाल में जारी रहेगा और जेएएसी की

मूल मांग 'हमारा अपना वतन' है।

जेएएसी नेता ने आरोप लगाया कि आंदोलनकारियों को लगातार जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि कई साथियों के सिरों पर इनाम रख दिया गया है। अमन कश्मीरी ने कहा कि वे हमें डराने की कोशिश कर रहे हैं। कहते हैं कि वे हमें नहीं छोड़ेंगे। लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे।

जनसमर्थन से गदगद अमन कश्मीरी... अमन कश्मीरी ने आंदोलन को मिल रहे व्यापक जनसमर्थन का जिक्र करते हुए कहा कि मांएं, बच्चे और आने वाली पीढ़ियां इस संघर्ष के साथ खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि हमारे साथ मांओं की दुआएं हैं, बच्चों की उम्मीदें हैं और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य दांव पर लगा है। यह सिर्फ हमारा नहीं, पूरे पीओके का संघर्ष है। उन्होंने रैली में शामिल बच्चों द्वारा पहने गए हेडबैंड का विशेष उल्लेख किया।

क्या तुम मुसलमान हो... पूछकर मारे 15 बार चाकू

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के यूटा राज्य के वैली फेयर मॉल में एक एक भारतीय कियोस्क कर्मचारी (48) पर उसके मुस्लिम होने की वजह से जानलेवा हमला कर दिया। हमलावर ने पीड़ित से उसके धर्म के बारे में पूछा और 'हां' सुनते ही चाकू से 15 बार वार कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी पीटर माइकल लार्सन ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसने सोहेल नामक भारतीय युवक को जानबूझकर निशाना बनाया क्योंकि वह मुस्लिम था। लार्सन का कथित इरादा मुस्लिमों को नुकसान पहुंचाना था। बताया जा रहा है कि यह घटना सोमवार को हुई। पुलिस के मुताबिक, लार्सन मॉल में सोहेल के पास पहुंचा, उससे बातचीत शुरू की और अचानक पूछा कि क्या तुम मुसलमान हो? सोहेल के हां कहने पर लार्सन ने चाकू निकालकर हमला बोल दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी शुभकामनाएं...

डरबन में हजारों श्रद्धालुओं ने 27 बार किया हनुमान चालीसा का पाठ

डरबन, एजेंसी

आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संगठन चिन्मय मिशन ने अपनी 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दक्षिण अफ्रीका के डरबन स्थित चैट्सवर्थ स्टेडियम में 'मैन टू हनुमान' कार्यक्रम के तहत विशाल हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित किया, जिसमें 17,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने 27 बार सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। 4.5 लाख से अधिक सामूहिक पाठ हुए।

पाठ के बाद भगवान हनुमान के लिए आटे, घी, चीनी से बनी पारंपरिक मिठाई 'रोट' को हर भक्त को प्रसाद के रूप में बांटा गया। यह कार्यक्रम चिन्मय मिशन साउथ अफ्रीका द्वारा चिन्मय आंदोलन के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित वैश्विक 'चिन्मय अमृत महोत्सव' के हिस्से के तौर पर किया गया था। स्टेडियम केसरिया रंग, भक्ति और एकता के सागर में बदल गया। यह कार्यक्रम भक्ति, एकता, सेवा और सांस्कृतिक गौरव का एक शानदार उत्सव बन गया। जब 17,000 से ज़्यादा भक्त केसरिया झंडों के बीच एक साथ खड़े होकर हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे, तब चिन्मय मिशन ने अफ्रीका के इतिहास और सनातन धर्म पर वैश्विक चर्चा में एक यादगार पल रचा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि दक्षिण अफ्रीका में चिन्मय मिशन के अमृत महोत्सव के बारे में जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। यह ऐतिहासिक उत्सव हमारे चिन्मय मिशन की शाश्वत आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण के लिए साढ़े सात दशकों की समर्पित सेवा को दर्शाता है।

मैं एक गर्वित हिंदू हूं... के झंडे लहराए

कार्यक्रम के दौरान हर भक्त भगवान हनुमान की तस्वीर और 'मैं एक गर्वित हिंदू हूँ' लिखे केसरिया झंडे लहराते हुए खड़ा था। जब स्वामी अभेदानंद खुद सभा के सामने झंडा लहराते हुए खड़े हुए, तो हज़ारों लोगों ने भी एकसाथ ऐसा ही किया। कार्यक्रम में क्वाजुलु-नताल के प्रीमियर थामी न्तुली ने हिस्सा लिया। भक्तों के साथ मिलकर केसरिया झंडा लहराया और हनुमान चालीसा की पुस्तिका से पाठ करने और गाने की कोशिश भी की। उन्होंने चिनमय मिशन वर्ल्डवाइड को 75 वर्षों की समर्पित सेवा पूरी करने पर बधाई दी। लगभग दो हफ़्तों तक चिनमय मिशन दक्षिण अफ्रीका के स्वयंसेवकों ने कई मंदिरों और सामुदायिक संगठनों के सदस्यों के साथ मिलकर चिन्मय अन्नपूर्णा आश्रम की बड़ी रसोई में रोजाना काम किया। उन्होंने भगवान हनुमान के लिए आटे, घी और चीनी से बनी पारंपरिक पवित्र मिठाई 'रोट' तैयार की। कार्यक्रम के दौरान यह विशाल भोग लगाया गया और फिर 'रोट' को हर भक्त को प्रसाद के रूप में बांटा गया।

सम्पादकीय

महंगाई फिर रफ्तार पर

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था तभी सुदृढ़ मानी जाती है, जब विकास के साथ-साथ महंगाई भी नियंत्रण में रहे। अगर आवश्यक वस्तुओं के दाम अनियंत्रित तरीके से बढ़ते जाएं, तो आम जनता की बचत कम होने से उसकी क्रय शक्ति भी घट जाती है। इससे निवेश और बाजार की मांग प्रभावित होती है, जिसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यानी कीमतों में स्थिरता के बिना लंबे समय तक समावेशी और संतुलित विकास हासिल नहीं किया जा सकता। देश में महंगाई के मोर्चे पर जो तस्वीर सामने आ रही है, वह इसी स्थिति की ओर इशारा करती है। सरकार की ओर से बीते सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य वस्तुओं के दामों में लगातार बढ़ोतरी से जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 फीसद पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 3.93 फीसद थी। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महंगाई दर को चार फीसद तक सीमित रखने का लक्ष्य तय किया है, लेकिन मौजूदा आंकड़ा इससे आगे निकल गया है। सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि महंगाई नियंत्रण में है और आवश्यक वस्तुओं के दाम आम आदमी की पहुंच में हैं। मगर, वर्तमान परिस्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या महंगाई को नियंत्रित करने की सरकार की नीतियां कारगर साबित नहीं हो पा रही हैं या फिर कीमतों को काबू करने की डोर को जान-बूझकर ढीला छोड़ देने की कोशिश की जा रही है? खाद्य महंगाई का मई में 4.78 फीसद से बढ़कर जून में 5.32 फीसद पर पहुंच जाना वास्तव में चिंताजनक है। जब आरबीआई ने खुद महंगाई को चार फीसद के आसपास रखने का लक्ष्य निर्धारित किया है, तो फिर क्या वजह है कि यह आंकड़ा तेजी से ऊपर की ओर जा रहा है। कारण चाहे जो भी हो, लेकिन इसका खमियाजा आम आदमी को अपनी जरूरतों और खर्च में कटौती के रूप में भुगतना पड़ रहा है। सरकार को इस बात पर गंभीरता से गौर करना चाहिए कि महंगाई की सबसे ज्यादा मार समाज के उस कमजोर तबके पर पड़ती है, जो दिनभर कड़ी मेहनत के बावजूद बमुश्किल अपने परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा कर पाता है।

सुविचार

अपने विचारों को ऊंचा रखो, कर्म अपने आप महान बनेंगे।
श्रेष्ठ सोच का प्रत्येक बीज, उज्जवल भविष्य बनकर खिलता है।
– टीना कश्यप, मुंबई

जिस प्रकार वृक्ष की खूबसूरती उसके फूल, पतों में होती है...
ठीक उसी प्रकार, इंसान की खूबसूरती,
उसके आचरण ,व्यवहार और अच्छे कर्मों में होती है।
– ताहिर अली, भोपाल

जो प्रयास करना ही नहीं जानते,
उन्हें हर समस्या बड़ी लगती है...
– रश्मि तिवारी, इंदौर

अपनी अज्ञानता का अहसास होना
ज्ञान की दिशा में एक बहुत बडा कदम है।
– नरेश वर्मा, महू

प्रत्येक अनुभव से शक्ति
साहस और अनुभव बढ़ता है
– सोमनाथ तिवारी, मांडव

कष्ट और तकलीफों को देखकर अपने
'सपनो' को अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए
क्योंकि ये तो कामयाबी की सीढ़ी होती हैं।
– हरिशंकर पाटीदार, लिम्बोदा देवास

इतिहास के पन्नों में 16 जुलाई... आज ही के दिन विधवा पुनर्विवाह को मिली कानूनी मान्यता

भारतीय समाज सुधार के इतिहास में 16 जुलाई का दिन बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। वर्ष 1856 में इसी दिन हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम लागू हुआ, जिसके बाद पहली बार हिंदू समाज, विशेषकर ऊंची जातियों की विधवाओं को दोबारा विवाह करने का

कानूनी अधिकार मिला। यह कानून भारतीय समाज में महिलाओं के अधिकारों और सामाजिक सुधार की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हुआ। उस समय समाज में ऊंची जातियों की विधवाओं के पुनर्विवाह पर कठोर सामाजिक और धार्मिक प्रतिबंध थे। कम उम्र में विधवा हो जाने वाली महिलाओं को जीवनभर सामाजिक उपेक्षा और कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था। ऐसे दौर में महान समाज सुधारक ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने इस कुरीति के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। विद्यासागर ने धर्मग्रंथों का अध्ययन कर यह साबित करने का प्रयास किया कि विधवा विवाह हिंदू धर्म के विरुद्ध नहीं है। उन्होंने हजारों लोगों के हस्ताक्षर के साथ तत्कालीन ब्रिटिश सरकार को ज्ञापन सौंपा और विधवा पुनर्विवाह को कानूनी मान्यता दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए।

विशेष सम-सामयिक

बिश्नोई नेटवर्क पर यह भी आरोप है कि उसने पंजाबी गायक सिद्धू मूसावाला की हत्या की, गायक गिप्पी ग्रेवाल को धमकी दी और 2023 व 2026 के बीच एक्टर सलमान खान पर हमले की योजनाएं बनायीं। यह सब हरकतें उस समय हुई हैं, जब बिश्नोई अहमदाबाद के उच्च-सुरक्षा जेल में बंद है, जिससे मालूम होता है कि वह जेल में रहते हुए भी अपने गैंग को चला रहा है।

अमेरिका ने निज्जर की हत्या का आरोप

लॉरेंस बिश्नोई पर क्यों लगाया..?

– विजय कपूर
(लेखक सम-सामयिक विषयों के विश्लेषक हैं)
इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

अमेरिका के न्याय विभाग ने 8 जुलाई 2026 को पंजाब से जुड़े तीन अंतर्देशीय संगठित अपराध सिंडिकेटों के खिलाफ़ आरोपपत्र की घोषणा की जो भारत, कनाडा, अमेरिका व यूरोप में सक्रिय हैं। सबसे गंभीर आरोप यह है कि पंजाब में जन्मा 33-वर्षीय गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके सहयोगी सतिंदरजीत सिंह उर्फ़ गोल्डी बरार ने खालिस्तान-समर्थक एक्टिविस्ट हरदीप सिंह निज्जर की हत्या करायी थी, साल 2023 में सर्रे, ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा में। बिश्नोई इस समय अहमदाबाद, गुजरात की उच्च-सुरक्षा जेल में बंद है, बरार अमेरिका में वांछित भगोड़ा है, जबकि निज्जर को भारत सरकार ने आतंकवादी घोषित किया हुआ था। इस जांच के दौरान जहां अनेक गिरफ्तारियां हुई हैं, वहीं बड़ी मात्रा में ड्रग्स भी बरामद हुईं, फ़िरौती, जबरन वसूली, भाड़े पर हत्याएं और ड्रग तस्करी के मामले भी दर्ज हुए हैं। अमेरिकी विभाग का कहना है अभी तक 37 लोगों के खिलाफ़ आरोपपत्र दाखिल हुए हैं। उसके अनुसार, भारत-आधारित तीनों सिंडिकेट के 24 आरोपियों को अमेरिका, कनाडा व स्पेन में गिरफ्तार किया जा चुका है। अब 10 भगोड़ों की तलाश है- 7 अमेरिका में, 2 भारत में व एक यूरोप में।

अमेरिका में दायर केस के केंद्र में लॉरेंस बिश्नोई संगठित अपराध गुट (ओसीजी) है। वकीलों के अनुसार यह अंतर्देशीय अपराध गिरोह है, जिसका मुख्यालय भारत में है, लेकिन वह कनाडा, अमेरिका, इंग्लैंड, यूरोप व ऑस्ट्रेलिया में अधिक सक्रिय है। आरोपपत्र के मुताबिक़ इस गिरोह का संस्थापक व संचालक बिश्नोई है, जो जेल में रहते हुए भी गिरोह को चला रहा है। बरार उत्तरी अमेरिका में गिरोह का प्रबंधन करता था, जबकि रोहित गोदारा यूरोप में गतिविधियों को देखता था। दूसरा सिंडिकेट का सरगना 38-वर्षीय जगतार सिंह उर्फ़ जग्गू भगवानपुरिया है, जो असम की सिलचर जेल में बंद है। अमेरिका के अनुसार यह अलग अंतर्देशीय अपराध गिरोह है जो मुख्यत: भारत, कनाडा, अमेरिका व अन्य देशों में सक्रिय है। वकीलों के मुताबिक़ इस नेटवर्क के दुनियाभर में 1,000 से अधिक सदस्य व सहयोगी हैं। यह बिश्नोई गिरोह के प्रतिद्वंदी के रूप में उभरा और फिर इसने अपना ही अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित कर लिया। भगवानपुरिया बिश्नोई का पूर्व साथी है। तीसरे मुख्य सिंडिकेट का संबंध 57-वर्षीय रविन्द्र सिंह ढांडा से है, जो कनाडा-स्थित है और विशाल क्रॉस-बॉर्डर नारकोटिक्स ऑपरेशन चलाता है। इस गिरोह का मुख्य फोकस बड़े पैमाने पर ड्रग्स एक देश से दूसरे देश में पहुंचाना है, विशेषकर अमेरिका व कनाडा में।

रिकार्ड्स से मालूम होता है कि बिश्नोई गैंग के खिलाफ़ आरोपपत्र फरवरी 2026 में अमेरिका के केलिफोर्निया अदालत में दाखिल किया गया था। अमेरिका के न्याय विभाग का कहना है कि बिश्नोई ने सोशल मीडिया पोस्ट्स व न्यूज़ आर्गेनाइजेशंस में इंटरव्यू के माध्यम से अपने आपको 'देशभक्त', 'राष्ट्रवादी' व 'अत्यधिक धार्मिक व्यक्ति' के रूप में प्रस्तुत किया और फिर इस सार्वजनिक छवि का प्रयोग अपनी अपराध सिंडिकेट के लिए भारत, अमेरिका व अन्य जगहों पर सदस्य व सहयोगी रिक्रूट करने के लिए किया। अमेरिका के न्याय विभाग ने बिश्नोई नेटवर्क पर टारगेट हत्याओं, शूटिंग, अपहरण, हमले करना और धमकियां देने के आरोप लगाये हैं, जिससे व्यापारियों, सेलिब्रिटीज व भारतीय आप्रवासियों में भय का वातावरण व्याप्त हुआ। बिश्नोई नेटवर्क पर यह भी आरोप है कि उसने पंजाबी गायक सिद्धू मूसावाला की हत्या की, गायक गिप्पी ग्रेवाल को धमकी दी और 2023 व 2026 के बीच एक्टर सलमान खान पर हमले की योजनाएं बनायीं। यह सब हरकतें उस समय हुई हैं, जब बिश्नोई अहमदाबाद के उच्च-सुरक्षा जेल में बंद है, जिससे मालूम होता है कि वह जेल में रहते हुए भी अपने गैंग को चला रहा है। इन सब हरकतों का उद्देश्य, जांचकर्ताओं के अनुसार, फ़िरौती की रकम वसूल करना और गैंग के दबदबे में वृद्धि करना है। आरोपपत्र में यह भी कहा गया है कि बिश्नोई नेटवर्क उत्तरी अमेरिका में कोकीन व मेथाम्पेथामाइन ट्रांसपोर्ट करने में भी शामिल था और उसने प्रतिद्वंदी तस्करी गुटों के नारकोटिक्स शिपमेंट्स की भी चोरी की। आरोपपत्र में यह भी कहा गया है कि जो लोग बिश्नोई गैंग के लिए रिक्रूटमेंट करते हैं वह 'भारत में गरीब नाबालिगों को गैंग ज्वाइन करने के लुभावने ऑफर देते हैं, जिनमें अन्य चीज़ों के अतिरिक्त पैसा, बदनामी व सुरक्षा' भी शामिल हैं। भारत में बिश्नोई गैंग में जो नये सदस्य शामिल होते हैं, उन्हें नेटवर्क के लिए अपराध करने पर बहुत मामूली पैसे ही दिये जाते हैं। बिश्नोई गैंग अपने वफ़ादार सदस्यों को अमेरिका व कनाडा सहित अन्य देशों में छात्र व वर्क वीज़ा पर भेजता है, जो गलत सूचनाएं देकर हासिल किये जाते हैं, ताकि उन देशों में सिंडिकेट के आपराधिक ऑपरेशनों में मदद की जा सके।

दूसरी ओर वकील रजनी खत्री का कहना है कि बिश्नोई साबरमती जेल में 2023 से एकांत कारावास में है और उस पर 24/7 सीसीटीवी निगरानी रहती है। गृह मंत्रालय ने उस पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता,2023 की धारा 303 लगायी हुई है, जिसका अर्थ है कि वह जेल से बाहर नहीं जा सकता। वह अदालती सुनवायी में भी वीडियो कांफ्रेंस के ज़रिये हिस्सा लेता है और अगर राज्य से बाहर की पुलिस को उससे पूछताछ करनी होती है, तो उसे जेल में ही आना होता है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2022 में बिश्नोई व अन्यों के खिलाफ़ जो आरोपपत्र दाखिल किया था, उसके अनुसार, दिल्ली, चंडीगढ़, राजस्थान व पंजाब में उसके खिलाफ़ 84 केस दर्ज हैं, जिनमें से पहला केस 2010 में दर्ज हुआ था। रजनी खत्री का कहना है कि बिश्नोई 40 अन्य केसों में बरी हो चुका है। एनआईए का आरोपपत्र अमेरिका के न्याय विभाग के आरोपपत्र जैसा ही प्रतीत होता है कि बिश्नोई अपना नेटवर्क जेल से ही चला रहा है। एनआईए का कहना है, वह जेल के अंदर से ऑपरेट करने में इतना माहिर हो गया है कि उसने अनेक वर्षों से एक भी केस में ज़मानत की याचिका नहीं लगायी है। अगर बिश्नोई जेल से ही अपना गैंग अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चला रहा है, जैसा कि एनआईए व अमेरिकी न्याय विभाग का कहना है, तो यह बहुत गंभीर मामला है, जिससे मालूम होता है कि जेल अधिकारी उससे मिले हुए हैं या किन्हीं कारणों से सरकार ने उसे छूट दी हुई है। ज़मानत न लेने की एक वजह यह भी हो सकती है कि उसे अपनी जान का खतरा हो, अपने दुश्मनों से। वैसे रजनी खत्री का कहना है कि उसकी ज़मानत लेने के लिए कोई आगे नहीं आ रहा है, इसलिए उसने ज़मानत की कोशिश नहीं की है। एनआईए ने बिश्नोई की तुलना भगोड़े डॉन दाउद इब्राहीम से करते हुए आरोप लगाया है कि वह खालिस्तान-समर्थक अतिवादियों की गतिविधियों को फण्ड करता है। अगर यह बात सही है तो फिर खालिस्तान-समर्थक निज्जर की हत्या का आरोप उस पर क्यों है? दाल में कहीं कुछ काला है या पूरी दाल ही काली है।

बहरहाल, अमरीकी न्याय विभाग ने बिश्नोई नेटवर्क पर निज्जर की हत्या का जो आरोप लगाया है, उससे यह गैंग भारत व कनाडा के बीच जो सबसे संवेदनशील राजनयिक विवाद है, उसके केंद्र में आ जाता है। कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार ने तो निज्जर की हत्या में 'भारत सरकार के एजेंट्स' के शामिल होने के आरोप लगाये थे और जांच में भारतीय डिप्लोमेट्स को 'पर्सन्स ऑफ़ इंटरेस्ट' कहा था। इस बीच रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस भी दक्षिण एशियाई संगठित अपराध की समानांतर जांच कर रही है।

शून्य होती संवेदनाएं

हम और हमारा समाज केवल आर्थिक विकास, आधुनिक तकनीकों से मजबूत नहीं बनता, किसी भी सभ्य समाज की असली पहचान उसके मानवीय मूल्यों, आपसी प्रेम, सहयोग और संवेदनशीलता से होती है,जिस तेजी से हमारी जीवनशैली बदल चुकी हैं,उसी तेजी से हम लोगों के भीतर संवेदनाएं भी कमज़ोर होती जा रही है। हमारी भारतीय संस्कृति सर्वे भवन्तु सुखिन: की विचारधारा पर आधारित है, लेकिन वर्तमान में हम व्यक्तिवाद की ओर अग्रसर है। हम की जगह मैं के पद के अनुगामी होते जा रहे हैं अति आधुनिकता और सोशल मीडिया ने हमें भौतिक रुप से करीब, लेकिन भावनात्मक रूप से एक दूसरे से पृथक कर दिया है वर्तमान परिस्थितियों ने हमें संस्कारों ,भावनाओं से दूर कर नश्वर भौतिक संसाधनों का आदी बना दिया है ,जो हमें संवेदन शून्यता की ओर ले जा रही है। क्या यही हमारी आर्यावर्त की संस्कृति रही है? क्या यही हमारे वो परिवार है जहां संस्कार सिखाए जाते हैं? शायद नहीं विगत कुछ समय से भारत में होने वाली घटनाओं ने हमारी पारिवारिक मूल्यों,वैवाहिक संबंधों पर प्रश्न चिन्ह लगाया है। पति द्वारा पत्नी/प्रेमिका की हत्या ,पत्नी द्वारा पति/प्रेमी की हत्या, माता-पिता की हत्या, ऐसे ही कई अनगिनत जघन्य हत्याकांड जो वर्तमान समय में हमारे समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं, मानव इतना निर्दयी हो चुका उसकी संवेदनाएं कहां गुम हो गई। आज हम लाइक, शेयर स्टेटस के जरिए आभासी समाज में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने के प्रति चिंतित हैं जिसके कारण हमारे सामाजिक संबंधों में पारिवारिक मूल्यों में संवेदनाशून्यता और संवादहीनता की स्थिति निर्मित हुई है ,जो समाज में प्रेम के स्थान पर घृणा की स्थिति निर्मित कर रही है। परिवार जो हमें परिवारिक, मानवीय मूल्यों की समझ और सिख देता है, हमारे लिए ऐसा प्रथम स्थान जो सहिष्णुता और करूणा सिखाता है। जहां हमें अपने व्यक्तित्व विकास का अवसर प्राप्त होता है। हमें एक संवेदनशील मानव बनाता है।

लेकिन वर्तमान की इन घटनाओं को देखते हुए हमारे परिवार भी प्रश्नवाचक स्थिति में है। क्या हमारे पास एक दूसरे के लिए समय ही नहीं रहा ,आपसी संवाद हम स्थापित ही नहीं कर पा रहे हैं ,बच्चों को करियर ओरिएंटेड शिक्षा दे रहे परन्तु उनके चरित्र निर्माण के बारे में भी हम बात नहीं कर पा रहे हैं। परिवार केवल एक सामाजिक इकाई नहीं, यह हमारे मानवीय मूल्यों की आत्मा की शरण स्थली भी है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए परिवार वह प्रथम स्थान है, जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा सिखता है। जीवन एक प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि सहअस्तित्व है, वर्तमान में जो घटनाएं हमारे सामने परिलक्षित हो रही है, उनकी एक बहुत बड़ी वजह परिवारों के सदस्यों के बीच संवाद स्थापित ना होना भी है,हम सभी अपने व्यस्ततम समय का बहाना बनाकर अपने ही परिवार से दूर होते जा रहे हैं।,जब संवाद ही नहीं होगा, तो हम भावनात्मक रूप से एक दूसरे से जुड़े नहीं पाएंगे और यही से संवेदनहीनता की स्थिति निर्मित होती है।

।, जहां हमें सोशल मीडिया ने हमें हमारे परिवारों से दूर कर दिया है। हमारी अतिव्यस्त जीवनशैली में हम परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय व्यतीत नहीं कर पा रहे। परिवार के सदस्यों की व्यक्तिगत समस्या , भावनात्मक अवसाद को अनुभव ही नहीं कर पाते तो उनको समझेंगे कैसे और उनको समझाएंगे कैसे ? परिवार का सदस्य अपनी समस्याओं में खुद ही घुटता रहता है। और अंत में वह ऐसे रास्ते पर चल पड़ता है जो अपराध की ओर जाता है। परिवार ? में चाहे वह लड़का हो या लड़की उन्हें रिश्ते में ना कहने और ना सुनने को स्वीकार करना सिखाएं ताकि कोई भी भावनात्मक लगाव किसी ऐसे मोड़ पर जाने से बचें जो अपराध को बढ़ावा दे। पति पत्नी अपने गृहस्थ जीवन में एक दूसरे के आत्म सम्मान का पुरा ध्यान रखें। और अगर गलतफहमियां बढ़ने लगे, और उनका कोई उपाय ना निकले तो ससम्मान अपने साथी से अलग हों प्रेम मानव जीवन का सबसे खूबसूरत और पवित्र अहसास है, उसे किसी भी वज़ह से विकृत ना करें। एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। ना कहने और ना सुनने को स्वीकारे।

आपसी सहमति और समझदारी से हर समस्या से निजात पाई जा सकती हैं। परिवार में मोबाइल और सोशल मीडिया से समय निकालकर आपस में बातचीत करें, एक दूसरे की बात ध्यानपूर्वक सुनें ताकि कोई समस्या हो तो उसका समाधान निकाला जा सके। यही हमारी पारिवारिक आवश्यकता और जिम्मेदारी है, परिवार में संवाद होगा तो संवेदनाएं पुनर्जीवित होगी जो कही छिप सी गई है। परिवार में संस्कार, मर्यादाओं का वातावरण निर्मित करें। परिवार जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, जो संघर्षों में सबल और गिरते हुए को आशा की अंतिम किरण प्रदान करता है, जो हमें सहिष्णुता, प्रेम सहानुभूति , जैसी संवेदनाएं और मानवता का पाठ पढ़ाता है। हम सभी का यह दायित्व है कि भीतर छिपी संवेदना और संवाद को बचाए रखें और मानवता के भविष्य को सुरक्षित रखें।

दैनिक विनय उजाला

– सुश्री माया कनासे
सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र।
स्वामी अमूर्तानंद शासकीय
महाविद्यालय अंजड जिला बड़वानी

वृक्षारोपण हेतु सही वृक्ष का चयन : भारतीय पर्यावरण-दृष्टि और सतत् जीवन का आधार

आज सम्पूर्ण विश्व जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण, भूजल के ह्रास, नदियों के सूखने तथा बढ़ते प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। इन समस्याओं के समाधान के लिए केवल अधिक से अधिक वृक्ष लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि सही स्थान पर सही वृक्ष का चयन करना अत्यंत आवश्यक है। यदि स्थानीय जलवायु, मिट्टी, जल उपलब्धता तथा जैविक तंत्र के अनुरूप वृक्ष लगाए जाएँ, तभी वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी माध्यम बन सकता है। भारतीय संस्कृति में वृक्ष केवल वनस्पति नहीं, बल्कि जीवन, धर्म, चिकित्सा, संस्कृति और प्रकृति के संतुलन के प्रतीक माने गए हैं। हमारे ऋषियों ने हजारों वर्ष पूर्व ही समझ लिया था कि मानव और वृक्ष एक-दूसरे के पूरक हैं।

भारतीय परम्परा में वृक्षों का स्थान

अथर्ववेद में पृथ्वी को माता कहा गया है—

'माता भूमि : पुत्रोऽहं पृथिव्या :।'

(अथर्ववेद 12.1.12)

अर्थ— यह पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं।

जब पृथ्वी माता है, तब उसके वृक्ष उसके प्राण हैं। अत: वृक्षों की रक्षा करना केवल पर्यावरणीय दायित्व नहीं, बल्कि मातृऋण का निर्वहन भी है।

एक प्रसिद्ध संस्कृत सुभाषित में कहा गया है-

'दशकूपसमावापी दशवापीसमो ह्रद :।
दशह्रदसम : पुत्रो दशपुत्रसमो द्रुम :॥'

अर्थात् दस कुओं के बराबर एक बावड़ी, दस बावड़ियों के बराबर एक सरोवर, दस सरोवरों के बराबर एक पुत्र और दस पुत्रों के समान एक वृक्ष का महत्व बताया गया है। यह उपमा भारतीय संस्कृति में वृक्षों की सर्वोच्च उपयोगिता को स्पष्ट करती है।

केवल वृक्षारोपण नहीं, उचित वृक्ष का चयन आवश्यक...

आज अनेक स्थानों पर वृक्षारोपण केवल संख्या बढ़ाने का अभियान बनकर रह गया है। विदेशी अथवा अनुपयुक्त प्रजातियाँ लगाकर सफलता का दावा कर लिया जाता है, जबकि वे स्थानीय पारिस्थितिकी को हानि पहुँचा सकती हैं।

स्कन्दपुराण की दृष्टि से आदर्श वृक्षारोपण... भारतीय ऋषियों ने केवल वृक्षारोपण का ही संदेश नहीं दिया, बल्कि यह भी बताया कि कौन-से वृक्ष मानव, समाज और प्रकृति के लिए विशेष रूप से हितकारी हैं। स्कन्दपुराण में एक प्रसिद्ध श्लोक मिलता है—

अश्वत्थमेकं पिचुमन्दमेकं
न्यग्रोधमेकं दश चिञ्चिणीका :।
कपित्थबिल्वामलकत्रयं च
पञ्चाम्रमुप्त्वा नरकं न पश्येत्॥

अर्थात् जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, एक वटवृक्ष, दस इमली, एक कपित्थ (कैठ), एक बेल, तीन आँवले तथा पाँच आम के वृक्ष लगाकर उनका संरक्षण करता है, उसे नरक का दर्शन नहीं करना पड़ता। यहाँ 'नरक' केवल मृत्यु के बाद की अवधारणा नहीं, बल्कि प्रदूषण, जल-संकट, भूमि-क्षरण, रोग और पर्यावरणीय असंतुलन से उत्पन्न जीवन की विषम परिस्थितियों का भी प्रतीक माना जा सकता है।

भारतीय परम्परा में इन वृक्षों का चयन अत्यंत विचारपूर्वक किया गया था। पीपल, वट और नीम जैसे दीर्घायु वृक्ष स्थानीय जैव विविधता को आश्रय देते हैं; बेल, आँवला और आम औषधीय तथा पोषण की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं; इमली और कपित्थ अनेक पक्षियों एवं वन्यजीवों के लिए भोजन का स्रोत हैं। इस प्रकार यह श्लोक हमें केवल धार्मिक प्रेरणा नहीं देता, बल्कि स्थानीय, उपयोगी और पर्यावरण-अनुकूल वृक्षों के वैज्ञानिक चयन का भी संदेश देता है।

इसी संदर्भ में यह भी आवश्यक है कि वृक्षारोपण करते समय विदेशी अथवा आक्रामक प्रजातियों के अंधानुकरण से बचा जाए। उदाहरणत: यूकेलिप्टस (नीलगिरी) कुछ विशेष परिस्थितियों, जैसे जलभराव वाले क्षेत्रों या वाणिज्यिक वानिकी के लिए उपयोगी हो सकता है, परंतु प्रत्येक क्षेत्र में इसका व्यापक रोपण उपयुक्त नहीं माना जाता। अत: वृक्षों का चयन स्थानीय जलवायु, मिट्टी, वर्षा, भूजल, जैव विविधता और पारिस्थितिक आवश्यकताओं के अनुसार ही किया जाना चाहिए। यही भारतीय पर्यावरण-दर्शन का मूल सिद्धांत है।

सही वृक्ष का चयन निम्न आधारों पर होना चाहिए-

- स्थानीय (Native) प्रजातियाँ
- वर्षा एवं जलवायु के अनुरूप वृक्ष
- स्थानीय पक्षियों एवं जीवों के लिए उपयोगी वृक्ष
- कम जल में विकसित होने वाली प्रजातियाँ
- मिट्टी संरक्षण करने वाले वृक्ष
- फल, छाया एवं औषधीय गुणों वाले वृक्ष

नीम, पीपल, बरगद, अर्जुन, शीशम, जामुन, करंज, बेल, आँवला, इमली तथा पलाश जैसे वृक्ष भारतीय पारिस्थितिकी के स्वाभाविक अंग हैं।

परिवेश (Ecosystem) निर्मिति रे वृक्ष की महत्वपूर्ण भूमिका है।प्राकृतिक परिवेश केवल मिट्टी, जल और वायु का समूह नहीं है। यह असंख्य जीवों का साझा घर है। एक विकसित वृक्ष अपने भीतर एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को आश्रय देता है।एक परिपक्व वृक्ष पर सैकड़ों पक्षी आश्रय लेते हैं।अनेक कीट-पतंगे जीवनचक्र पूरा करते हैं।मधुमक्खियाँ परागण करती हैं।कवक एवं सूक्ष्मजीव मिट्टी को उर्वर बनाते हैं।गिलहरी, बंदर तथा अन्य जीव भोजन प्राप्त करते हैं।इस प्रकार एक वृक्ष स्वयं में एक जीवित जैविक नगर (Living Ecosystem) होता है। जैविकी के अनुसार वृक्ष पृथ्वी के सबसे प्रभावी कार्बन भंडार हैं। वे प्रकाश संश्लेषण द्वारा कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन छोड़ते हैं।वृक्ष वातावरण का तापमान कम करते हैं।वायु में आर्द्रता बनाए रखते हैं। धूल एवं विषैली गैसों को रोकते हैं।मिट्टी के कटाव को रोकते हैं।सूक्ष्मजीवों के जीवन को सुरक्षित रखते हैं।खाद्य श्रृंखला को संतुलित रखते हैं।इस प्रकार वृक्ष पृथ्वी के जैविक संतुलन के मुख्य नियामक हैं।

नदियाँ भी अनेक स्तरों पर वृक्षों से प्रभावित होती हैं भारतीय सभ्यता सदैव नदी सभ्यता रही है। गंगा, नर्मदा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, यमुना जैसी नदियों के तट सदैव वृक्षों से आच्छादित रहे।नर्मदा नदी के सदानीरा एवं औषधीय जल का कारण सतपुड़ा के वे घने जंगल थे जो अब विरल होते जा रहे हैं। नदी किनारे लगे वृक्ष मिट्टी का कटाव रोकते हैं।वर्षाजल को भूमि में पहुँचाते हैं।भूजल पुनर्भरण करते हैं।नदी का तापमान नियंत्रित रखते हैं।जलचर जीवों के लिए अनुकूल वातावरण बनाते हैं।जब नदी तटों से वृक्ष हटते हैं तो वर्षाजल सीधे मिट्टी बहाकर नदी में गाद जमा देता है। परिणामस्वरूप नदियाँ उथली होती जाती हैं और उनका प्रवाह कमजोर पड़ जाता है।

भारतीय चिंतन में 'नीर' अथवा 'नीरा' केवल जल नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। वृक्ष वर्षा की प्रत्येक बूंद को रोकते हैं। उनकी जड़ें जल को भूमि के भीतर पहुँचाती हैं। इससे नदियाँ सदानीरा होती हैं।कुएँ पुनर्जीवित होते हैं। झरने जीवित रहते हैं।भूजल स्तर बढ़ता है।सूखे की संभावना घटती है।

एक विशाल वृक्ष अपने आसपास हजारों लीटर जल को भूमि में समाहित कराने में सहायक होता है।इसलिए वृक्ष वास्तव में प्राकृतिक जल-संरक्षक हैं।

भारतीय संस्कृति में पूजनीय वृक्ष

भारतीय परम्परा ने जिन वृक्षों को पूजनीय माना, उनके पीछे गहन वैज्ञानिक आधार भी है, जैसे

पीपल- सर्वाधिक ऑक्सीजन प्रदान करने वाले प्रमुख वृक्षों में एक।
बरगद- विशाल जैव विविधता का आश्रय।
नीम- प्राकृतिक औषधि एवं वायु शोधक।
बेल- धार्मिक एवं आयुर्वेदिक महत्व।
आँवला- पोषण एवं औषधीय गुणों का भंडार।

स्पष्ट है कि भारतीय संस्कृति में श्रद्धा और विज्ञान परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक रहे हैं।

इस प्रकार पर्यावरण संरक्षण का भारतीय मॉडल तैयार होता है।यदि प्रत्येक ग्राम, नगर तथा संस्था निम्न सिद्धान्त अपनाए तो वास्तविक पर्यावरण संरक्षण सम्भव है—

स्थानीय प्रजातियों का चयन।
नदी किनारों पर प्राकृतिक वन विकसित करना।
प्रत्येक तालाब के चारों ओर वृक्ष पट्टी बनाना।
औषधीय एवं फलदार वृक्षों को प्राथमिकता देना।
विद्यालयों में 'एक विद्यार्थी—एक स्थानीय वृक्ष' अभियान चलाना।
पाँच वर्ष तक वृक्षों का संरक्षण सुनिश्चित करना।

वृक्षारोपण केवल एक दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व है। भारतीय संस्कृति हमें वृक्ष को देवता, मित्र, औषधि, अन्नदाता और जीवनदाता के रूप में देखने की प्रेरणा देती है।

जब हम सही स्थान पर सही वृक्ष लगाते हैं, तब केवल हरियाली नहीं बढ़ती; नदियाँ जीवित रहती हैं, मिट्टी सुरक्षित रहती है, जैव विविधता समृद्ध होती है, जलवायु संतुलित होती है और मानव सभ्यता का भविष्य सुरक्षित होता है।

महाभारत में कहा गया है—

'वृक्षा : रक्षन्ति रक्षिता :।'

अर्थात् जिन वृक्षों की रक्षा की जाती है, वही वृक्ष हमारी रक्षा करते हैं।

आज आवश्यकता केवल वृक्ष लगाने की नहीं, बल्कि वृक्षों को समझने, सही वृक्ष चुनने और उन्हें पीढ़ियों तक सुरक्षित रखने की है। यही भारतीय पर्यावरण-दर्शन का सार है और यही पृथ्वी के सतत् भविष्य का सबसे सशक्त मार्ग भी।

दैनिक विनय उजाला

रचनाकार - डॉ आरती दुबे
दर्शन शास्त्र व्याख्याता एवं साहित्यकार

इस विशाल पथ पर...

द्रौपदी मुर्मु

दैनिक विनय उजाला

बचपन से मुझे श्रीजगन्नाथ जी की अनेक प्रार्थनाएँ और भजन याद हैं। स्कूल और कॉलेज में पढ़ते समय मैं गीत गाया करती थी। जगन्नाथ जी का भजन गाकर मैं खुश होती थी। महाप्रभु को अपने निकट पाती थी। अब गीत नहीं गाती। किंतु साँझ-सबेरे महाप्रभु का स्मरण करके उनके भजन गुनगुना लेती हूँ। मुझे लगता है कि महाप्रभु हर वक़्त मेरे आस-पास ही रहते हैं। विपदा-आपदा में मेरी मदद करते हैं। भक्तकवि मधुसूदन राव का गीत आज भी मैं मन ही मन गाती हूँ:

'मेरे पास दिन-रात रहते
हैं महाप्रभु परमेश्वर,
यह बात याद कर हृदय
में पूजूँगा उन्हें निरंतर।'

मैं कुछ समझने-बूझने की उम्र में पहुंचने तक जगन्नाथ जी को जानने लगी थी। हमारे घर मेंअक्सर जगन्नाथ जी की चर्चा होती थी। गाँव के हर टोले में उनकी महिमा का बखान होता था।जब मैं गाँव के स्कूल में पढ़ती थी, भक्त सालबेग की 'आहे नीड़ो शोइड़ो' प्रार्थना गाई जाती थी। स्कूल के शिक्षक जगन्नाथजी के बारे में तरह-तरह की बातें कहा करते थे। पुरी में बड़ा मंदिर है, इतना बड़ा मंदिर और कहीं नहीं है! मंदिर में श्रीजगन्नाथ जी अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ पूजे जाते हैं। जगन्नाथ जी का रंग काला है, उनकी आँखें गोल-गोल हैं। सुभद्रा जी का रंग पीला है, बलभद्र है चाँदनी फूल की तरह सफेद।वह छविएक बार देख लेने के बाद फिर भुलाए नहीं भूलती। सर यह भी कहते थे, जगन्नाथ हैं 'महाप्रभु', उनका प्रसाद 'महाप्रसाद' है, उनका मंदिर 'बड़ा मंदिर' है, उनका पथ 'विशाल पथ' (बोड़ो दांडो) है, और उनका समुद्र 'महोदधि' है। मयूरभंज के उपरबेड़ा गाँव से पुरुषोत्तम क्षेत्र पुरी की दूरी बहुत थी! भला देखने का अवसर मुझे कहाँ मिलता। किंतु मैं भुवनेश्वर गई और मैंने यूनिट-2 के गर्ल्स हाईस्कूल में नाम लिखवाया। हॉस्टल में रहने लगी। उसके बाद मैंने पुरी, भुवनेश्वर और कोणार्क देखा। पहली बार जगन्नाथ दर्शन की स्मृति मेरे मन से मिटी नहीं है। बहुत बड़ा मंदिर, बड़े-बड़े देवता! भला ये सब भुलाए जा सकते हैं?

क्या भुलाई जा सकती है उनकी रथयात्रा? बारह महीने में तेरह पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं श्रीक्षेत्र में। लेकिन रथयात्रा की छटा तो निरालीहोती है। पूरे वर्ष भक्तगण यहाँ आकर महाप्रभु का दर्शन करते हैं मंदिर के अंदर जाकर। किंतु वर्ष में एक बार महाप्रभु अपने भव्य मंदिर से बाहर 'विशाल पथ' (बोड़ो दांडो) पर आते हैं। भक्तों को दर्शन देते हैं। तीन रथ पर तीन ठाकुर बैठकर चक्रराज सुदर्शन के साथ गुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा करते हैं। वहाँ सात दिनों तक रहकर वापस लौट आते हैं। महाप्रभु का यह महापर्व अतुलनीय है।

बचपन से मैं जगन्नाथ जी की भक्त हूँ। वे सर्वदा मेरे परम आराध्य हैं। मेरे जीवन के उत्थान और पतन के वे नियंता हैं। मेरे दुख-सुख के कर्ता-धर्ता हैं। जीवन में मैंने बहुत कष्ट भी सहे हैं। उन सब दारुण दुखों से उबारा है मुझे महाबाहु ने। मैं उनकी बेटी जो हूँ!

राष्ट्रपति पद के लिए मुझे उम्मीदवार बनाने की घोषणा होते ही मैंने महाप्रभु का स्मरण किया। इतनी ऊँचाई पर मुझे ले जा रहे हो प्रभु, पग-पग पर मुझे सहारा देना, सदा मेरे पास रहना - यह मेरी प्रार्थना थी। उन्होंने मेरी प्रार्थना सुनी, सुन भी रहे हैं। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान रथयात्रा का महापर्व आया। परंतु पुरी जाना संभव नहीं था। रथयात्रा के दिन बड़े भोर

मेंदिल्ली के हौजखास मेंबनेजगन्नाथ मंदिर जाकर मैंने महाप्रभु के दर्शन किए। आनंद से भर गया मन। उनका आशीष मुझ पर बरस गया। बड़े आत्मविश्वास से मैंने अपना नामांकन-पत्र दाखिल किया। अत्यंत उत्साह से चुनाव कैंपेन में भाग लिया। 25 जुलाई, 2022 को पार्लियामेंट के सेंट्रल हॉल में शपथ लेने जाते समय मैं जगन्नाथ जी से प्रार्थना करते-करते जा रही थी। उनके आशीर्वाद से मेरा शपथ-पाठ खूब अच्छी तरह संपन्न हुआ। राष्ट्रपति के रूप में मेरे प्रथम भाषण के समय मानो वे मेरे साथ ही थे।

पुरी जाकर महाप्रभु के दर्शन केलिए मेरा मन व्याकुल हो उठा। दिन बीतते चले गए, लेकिन मैं पुरी नहीं जा सकी। मुझे लगा कि बिना उनके बुलावे के कोई कैसे उनके पास जा सकता है! मैंने मन ही मन उनसे कहा, मेरा कोई दोष हो तो क्षमा करो प्रभु, मुझे पुरी बुलाओ, दर्शन दो। वे 'भाव' के ठाकुर हैं। मेरा 'भाव' कैसे नहीं समझते? कुछ ही दिनों में पुरी जाने का कार्यक्रम तय हो गया। उस दिन 10 नवंबर, 2022 था। पुरी में अवतरण करने के बाद कार-केड चल पड़ा श्रीमंदिर की ओर। कार-केड पुरी के प्रशस्त पावन-पथ पर पहुँचते ही मेरे अंदर एक अपूर्व भावना का संचार हुआ। यह विशाल-पथ महाप्रभु जगन्नाथ का ही है। यहाँ क्या आवश्यकता है प्रोटोकॉल की? पुरी तो क्षेत्रराज के रूप में प्रसिद्ध है। महाप्रभु देवाधिदेव हैं। और अधिक कुछ सोचने से पहले मैंने गाड़ीरुकवाई। मेरी गाड़ी रुकने पर पीछे आ रही सारी गाड़ियाँ रुक गईं। किसी के कुछ समझने से पहले मैंने पावन-पथ पर नंगे पैर चलना शुरू कर दिया। श्रीमंदिर लगभग दो किलोमीटर दूर था। मंदिर के नीलचक्र और पतित पावन-ध्वज को देखतेहुए मैं आगे बढ़ती चली गई।

पथ के दोनों किनारों पर खड़े बच्चों, महिलाओं, युवा-छात्रों औरबुजुर्गों को नमस्कार भी करती जा रही थी। मेरा ध्यान था जगन्नाथ जी के पास। श्रीमंदिर के सिंहद्वार के पास पहुंचते ही मैं स्थिर नहींरह पाई। तब तक मैं खुद को भूल चुकी थी। पावन-पथ की धूल में साष्टांग लेटकर मैंने महाप्रभु को प्रणाम किया। उसके बाद मंदिर में प्रवेश।गर्भगृह में पहुंचकर चतुर्धा मूर्तियों का दर्शन करते ही मैं आनंद से अभिभूत हो गई। महाप्रभु जगत के नाथ हैं, अनाथों के नाथ हैं। जगत के लोगों का दु:ख दूर करने के लिए वे सदा तत्पर रहते हैं। इसलिए उनकी गोल-गोल आँखों की पलकें कभी नहीं झपकतीं। उनके लिए छोटा-बड़ा कोई नहीं है। वे सबको सामान दृष्टि से देखते हैं, समता के मंत्र से सबको अभिमंत्रित करते हैं। उनकी करुणा पाकर ही मैंने समाज के हर वर्ग की सेवा में स्वयं को समर्पित किया है। गोल-गोल आँखों वाले की ओर देखते हुए करबद्ध होकर बोली, आपके आशीर्वाद से मेरा यह समर्पण भाव हमेशा बना रहे, हे महाबाहु।देश-दुनिया पर अपनी छत्र-छाया बनाये रखें, हे कृपानिधि! यह कहते हुए मैं भक्तिभाव से विह्वल हो उठी।

[लेखिका- भारत की राष्ट्रपति, नई दिल्ली।]

संक्षिप्त समाचार

सोनम वांगचुक मामले में भड़के अनुराग कश्यप

मुंबई, एजेंसी। सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल के सपोर्ट में अनुराग कश्यप ने सरकार पर भड़ास निकाली है। उन्होंने सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब हद हो रही है। बुधवार को सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल को 18वां दिन हो गया है। सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल पर कई बॉलीवुड सेलेब्स ने अपनी राय सामने रखी है। अब अनुराग कश्यप ने भी उनकी भूख हड़ताल का सपोर्ट किया है और सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाया है। अनुराग कश्यप ने सोनम की भूख हड़ताल से जुड़ी कुछ स्टोरीज अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

उन्होंने इस भूख हड़ताल को लेकर एक पोस्ट भी लिखा है। अनुराग कश्यप ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा- एक वक्त था जब भूख हड़ताल के कुछ मायने होते थे। लोग ऐसे ही भूख हड़ताल नहीं करते हैं। ये सचमुच में बहुत परेशानी की बात होती है जब सिस्टम लोगों के जीवन को लेकर इतना उदासीन हो जाता है। एक ऐसा व्यक्ति जो दूसरों के दुख-दर्द को समझने और न्याय व सच में विश्वास रखता हो, वही ऐसा कर सकता है। मेरे अंदर वो करने की हिम्मत नहीं है जो सोनम वांगचुक कर रहे हैं। लेकिन सरकार की चुप्पी इतनी गहरी है कि ये उनके गुनहगार और जान लेने की नीयत का सबूत है। मैं सोनम वांगुचुक जैसे मजबूत इंसान के साथ खड़ा हूं। इस पोस्ट के तुरंत बाद अनुराग ने सोनम वांगचुक की एक वीडियो शेयर की है जिसमें वो भूख हड़ताल पर लेटे नजर आ रहे हैं। अपने पोस्ट के बाद उन्होंने कई पोस्ट सोनम वांगचुक के सम्मान और उनकी हालत को लेकर शेयर किए हैं। सोनम वांगचुक के बारे में लगातार पोस्ट शेयर करते हुए अनुराग ने लिखा- अब हद हो रही है। अनुराग ने अब हद हो रही है वाला पोस्ट अपने इंस्टाग्राम के अलावा ग्रिड पर शेयर किया। इस पोस्ट के साथ अनुराग ने कैप्शन लिखा- बहरे भी इतने बहरे नहीं होते और अंधे भी इतने अंधे नहीं होते।

राजनीति में मर्यादा बेहद जरूरी : पूर्णिमा साहू

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने राजनीतिक दलों और सोशल मीडिया पर बढ़ रही अमर्यादित और अभद्र टिप्पणियों पर गहरी चिंता व्यक्त की है. जेएनएसी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के क्रम में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन इसके लिए एक तय मर्यादा का पालन होना बेहद जरूरी है. विधायक सरयू राय के पोस्टर पर थूकने की हालिया घटना पर ऐतराज जताते हुए पूर्णिमा साहू ने कहा कि किसी भी दल के कार्यकर्ता द्वारा इस तरह की हरकत करना पूरी तरह से अशोभनीय है. उन्होंने ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है. विधायक ने कहा कि कांग्रेस आज जिस राजनीतिक पतन की ओर जा रही है. उसकी मुख्य वजह यही है कि उन्होंने दूसरों को सम्मान देना नहीं सीखा है. उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि हम उस पार्टी और विचारधारा के कार्यकर्ता हैं. जहां हमें सदन से लेकर जनता के बीच तक, हमेशा मर्यादा में रहकर अपनी बात रखने की शिक्षा दी गयी है. उन्होंने कहा कि यदि किसी को किसी के कार्यों से आपत्ति है, तो उसे लोकतांत्रिक और मर्यादित तरीके से अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए.

भगवान के नाम पर राजनीति कर रही सरकार : दलीप

मंडी, एजेंसी। सरकाघाट के विधायक दलीप ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए भगवान श्रीराम के नाम पर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को राम मंदिर पर बयानबाजी करने के बजाय प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर श्वेत पत्र जारी कर बढ़ते कर्ज और वित्तीय हालात का ब्योरा जनता के सामने रखना चाहिए। मंडी से जारी बयान में दलीप ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस चुनावी दस गारंटियों को भूल चुकी है। उन्होंने महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह, युवाओं को रोजगार और कर्मचारियों, किसानों और पेंशनरों से किए गए वादों का उल्लेख करते हुए पूछा कि इन्हें कब पूरा किया जाएगा। उनका आरोप है कि सरकार इन मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। विधायक ने कहा कि श्रीराम करोड़ों लोगों की आस्था के प्रतीक हैं और इस विषय पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सरकार से दस गारंटियों की प्रगति रिपोर्ट भी सार्वजनिक करने की मांग की।

कंधे की सर्जरी के बाद डिस्चार्ज हुए पवन कल्याण

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण को बुधवार को मुंबई के अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उनके दाएं कंधे की सर्जरी हुई थी। उपमुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, वह अब हैदराबाद पहुंचेंगे और अपने घर पर आराम करेंगे। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने 12 जुलाई को अस्पताल पहुंचकर पवन कल्याण से मुलाकात की थी और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की थी। नायडू ने कहा था, डॉक्टरों ने उन्हें तीन सप्ताह आराम करने और उसके बाद फिजियोथेरेपी कराने की सलाह दी है। उनके दूसरे कंधे में भी समस्या है, जिसके लिए डॉक्टर फिलहाल फिजियोथेरेपी की सलाह दे रहे हैं। छह महीने बाद उसकी स्थिति का फिर से आकलन किया जाएगा और आगे के इलाज पर फैसला लिया जाएगा। अस्पताल की ओर से जारी स्वास्थ्य बुलेटिन में बताया गया था कि पवन कल्याण के दाएं कंधे में रोटेटर कफ इंजरी पाई गई थी।

क्या अब लोगों के खानपान पर भी नियंत्रण करेगी भाजपा : सुरेंद्र राजपूत

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने भाजपा पर देश में हिंदू-मुस्लिम की सियासत करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी पसंद का भोजन करने और पहनावा चुनने की स्वतंत्रता देता है लेकिन भाजपा इस पर राजनीति कर रही है। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि क्या अब लोगों के खान-पान पर भी सरकार या भाजपा नियंत्रण करेगी। हिंदू समाज में भी वैष्णव शाकाहारी होते हैं जबकि भगवान शिव के अनेक अनुयायी मांसाहारी हैं। ऐसे में किसी पर भी भोजन संबंधी प्रतिबंध थोपना उचित नहीं है। बता दें कि किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने सभी हॉस्टल मेस और कैंटीन में नॉनवेज खाना बनाने और परोसने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है।

भारी बयानबाजी के बीच आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा...

पीएम मोदी के साथ खड़ा होना शरद पवार के लिए उचित फैसला होगा

मुंबई, एजेंसी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने की अटकलों के बीच राजनीतिक हलकों में बयानबाजी तेज हो गई है।

विभिन्न दलों के नेताओं के लगातार आ रहे बयानों ने महाराष्ट्र की राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। हालांकि, अब तक शरद पवार या उनकी पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में आध्यात्मिक गुरु आचार्य प्रमोद कृष्णम ने इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मेरे मन में शरद पवार के लिए गहरा सम्मान है। पवार को देश का वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं, और जीवन के इस पड़ाव पर उन्हें ऐसा निर्णय लेना चाहिए जो राष्ट्रहित में हो।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने अपनी व्यक्तिगत राय व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा होना शरद पवार के लिए उचित फैसला होगा।

एनसीपी नेता अनिल भाईदास पाटिल ने एनसीपी के दोनों गुटों के एक होने और एनडीए में शामिल होने की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, राजनीतिक गलियारों में इस तरह की चर्चाएं समय-समय पर सामने आती रहती हैं, लेकिन यदि भविष्य में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के बीच किसी प्रकार का एकीकरण होता है, तो उसका अंतिम निर्णय पार्टी कार्यकर्ता नहीं बल्कि पवार परिवार करेगा।

पाटिल ने कहा, महाराष्ट्र के कार्यकर्ताओं में पवार परिवार के प्रति गहरा सम्मान है और परिवार द्वारा लिया गया निर्णय सभी के लिए स्वीकार्य होगा। सुनेत्रा पवार जो भी फैसला लेंगी, उसे पार्टी के कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ स्वीकार करेंगे।

सुप्रिया बोलीं- हर मुलाकात में साजिश न खोजिए

एनसीपी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने बुधवार को उन तमाम अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि पार्टी प्रमुख शरद पवार ने पिछले सप्ताह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यालय में अपने विधायकों के साथ कोई राजनीतिक बैठक की थी। उन्होंने कहा कि यह पूरी घटना महज़ एक इत्तेफ़ाक थी। सुले ने लोगों से अपील की कि राजनीतिक नेताओं के बीच होने वाली हर मुलाकात को साजिश या राजनीतिक समीकरणों से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। शरद पवार पिछले बुधवार को मुंबई स्थित विधान भवन परिसर में महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। बैठक समाप्त होने के बाद उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इसी दौरान उनकी पार्टी के कुछ विधायक भी वहां मौजूद थे और उनसे मिलने पहुंचे। इस मुलाकात के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) ने भी इस पर सवाल उठाए। पार्टी की ओर से इसे गद्दारों को बढ़ावा देने वाला कदम बताया गया। यह टिप्पणी शिंदे और उनके समर्थक विधायकों को लेकर की गई थी। सुप्रिया सुले ने कहा कि जब शरद पवार विधान भवन पहुंचे थे, तब उन्होंने उनसे ज्यादा मेहनत नहीं करने की सलाह दी थी। इसी दौरान एनसीपी (एसपी) के कुछ विधायकों ने उनसे कुछ मिनट साथ बिताने का आग्रह किया। इसके बाद वे सभी उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यालय पहुंचे।

एक देश-एक चुनाव से लोकतंत्र होगा मजबूत, देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ : पीपी चौधरी

लखनऊ, एजेंसी

एक देश-एक चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में विभिन्न राजनीतिक दलों, संगठनों के प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श कर रही संयुक्त संसदीय समिति को कई महत्वपूर्ण सुझाव मिले हैं। अपने दौरे में मिले सुझावों को लेकर लखनऊ में बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लोकतंत्र को मजबूत करेगी और देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ पहुंचाएगी। उन्होंने बताया कि इस विषय पर कई समितियां पहले भी सिफारिश कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यदि संसद से विधेयक पारित होता है तो वर्ष 2029 से चरणबद्ध तरीके से कई राज्यों के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ कराए जा सकते हैं।

वन नेशन, वन इलेक्शन से संबंधित संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 एवं संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024 पर गठित संसदीय संयुक्त समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने प्रेस वार्ता में कहा कि एक देश-एक चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच है और इसका उद्देश्य लोकतंत्र को अधिक मजबूत, प्रभावी तथा देशहित के अनुरूप बनाना है। उन्होंने कहा कि 1952 से 1967 तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते थे इसलिए यह व्यवस्था भारतीय संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं है और इससे व्यवस्था अधिक मजबूत होगी।

उच्चस्तरीय समिति कर चुकी है सिफारिशसमिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने बताया कि 1968 में कांग्रेस शासन के दौरान राष्ट्रपति शासन और कुछ राज्यों के पुनर्गठन के कारण चुनावों का कैलेंडर प्रभावित हुआ।

एक देश, एक चुनाव की राह में बहुत रोड़े : खरवार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद छोटे लाल खरवार ने एक देश, एक चुनाव के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव और पार्टी की संभावनाओं पर निशाना साधने वाले उत्तर प्रदेश के मंत्री ओपी राजभर के बयानों का जवाब दिया। उन्होंने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एक देश, एक चुनाव के संबंध में बैठक हो रही है। हमने दस राज्यों का दौरा किया और सभी लोगों से संवाद करके उनकी राय जानने की कोशिश की। भाजपा एक देश, एक चुनाव के पक्ष में तर्क दे रही है कि इससे खर्च कम होगा। हमारा मानना है कि इससे खर्च में किसी भी प्रकार का असर नहीं पड़ेगा। चुनाव आयोग उत्तर प्रदेश आया था, जिसमें पाया गया कि प्रदेश में एक साथ चुनाव कराने के संबंध में सिर्फ ढाई करोड़ का अंतर आ रहा है। मुझे लगता है कि 2029 तक समीक्षा बैठक का सिलसिला जारी रहेगा। बैठक में ग्राम और नगर पंचायत चुनाव का भी जिक्र किया गया।

राम मंदिर मामले में प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी बहुत हैरान करती है, चोरी आस्था के साथ विश्वासघात : झा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अंतरराष्ट्रीय तनाव, राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले, पासपोर्ट की परिभाषा पर केंद्र सरकार के रुख और बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा के दावों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कई मुद्दों पर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लेते हुए सवाल उठाए। होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका द्वारा फिर से नाकेबंदी किए जाने की खबरों पर राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि दुनिया ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और वैश्विक संकटों को मानवीय दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि आर्थिक संकेतकों और बाजार के उतार-चढ़ाव के नजरिए से देखा जा रहा है। पहले शायद ही किसी राष्ट्राध्यक्ष को इस तरह की भाषा बोलते हुए सुना गया हो। युद्ध और सैन्य कार्रवाई को लेकर जिस प्रकार के बयान दिए जा रहे हैं, वे चिंताजनक हैं। पहले दो दिनों में युद्ध समाप्त कराने की बात कही जाती है और उसके कुछ समय बाद नई सैन्य कार्रवाई की घोषणा कर दी जाती है।

जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन की इजाजत नहीं मिली तब भी दिल्ली जाऊंगा : उमर

जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को करेंगे विरोध प्रदर्शन

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि अगर जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन की इजाजत नहीं भी मिली, तब भी वह और उनके विधायक 19 जुलाई को दिल्ली जाएंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर संसद के मानसून सत्र की शुरुआत के साथ ही, 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।

श्रीनगर में मीडिया से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के छीने गए अधिकारों को बहाल करने के मुद्दे पर पार्टी का रुख अडिग है। हमारे कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होगा। डॉ. मुस्तफा कमाल भी यही चाहते थे कि हमारे अधिकार बहाल हों। 11 जुलाई को डॉ. कमाल की तबीयत बिगड़ने के बावजूद पार्टी ने तय राजनीतिक कार्यक्रमों को जारी रखने का फैसला किया। उन्होंने कहा, तब डॉक्टरों ने हमसे कहा था कि शायद वे बच न पाएं। उस समय भी नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने हमें निर्देश दिया था कि चाहे कुछ भी हो, हमें 12 जुलाई को जम्मू में अपना कार्यक्रम जारी रखना है। अगर हमने वह कार्यक्रम रद्द नहीं किया, तो 20 जुलाई के विरोध प्रदर्शन को रद्द करने का सवाल ही नहीं उठता।

उप-चुनाव की उलटी गिनती शुरू... साहेबगंज में राजू सिंह की सीट खाली होने का इंतजार

पटना। बिहार विधानसभा की बांकीपुर सीट के लिए उप-चुनाव की प्रक्रिया के बीच मुजफ्फरपुर जिले की साहेबगंज सीट पर भी उप-चुनाव की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

ये सीट भारतीय जनता पार्टी के विधायक और पूर्व मंत्री राजू कुमार सिंह को हत्या के केस में 4 साल की सजा होने से खाली होने की कगार पर है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में 4 जुलाई को राजू को सजा का ऐलान हुआ था, लेकिन औपचारिक प्रक्रिया में समय लगने के कारण विधानसभा सचिवालय ने अभी तक साहेबगंज सीट को रिक्त घोषित नहीं किया है।

अदालती फैसलों के तहत साहेबगंज सीट को 4 जुलाई की प्रभावी तारीख से ही खाली घोषित किया जाएगा। बिहार विधानसभा सचिवालय में अफसरों ने साहेबगंज सीट को रिक्त घोषित करने की प्रक्रिया को लेकर अनभिज्ञता जाहिर की है। अनुमान लगाया जा रहा है कि अभी सरकार द्वारा राजू सिंह को हुई सजा की औपचारिक सूचना विधानसभा को नहीं दी गई है।

राजस्थान विधानसभा के अमृत महोत्सव समारोह में ओम बिरला ने कहा

जितना अध्ययन करेंगे, उतने प्रभावी ढंग से जनता की आवाज उठाएंगे

जयपुर, एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि विधानसभा पूरे प्रदेश की कठिनाइयां जानने का प्रत्यक्ष और सबसे सशक्त माध्यम है। यहां से आम जनजीवन की समस्याओं के बारे में जानकर हम समाधान की राह प्रशस्त कर सकते हैं।

बिरला बुधवार को राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष पूरे होने पर आयोजित अमृत महोत्सव के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवा विधायकों से आह्वान करते हुए कहा कि सदन के वेल में आकर हंगामा करने से कोई बड़ा नेता नहीं बनता, सदन में दिए गए सार्थक भाषण और तर्कपूर्ण बहस ही जनप्रतिनिधि की

वास्तविक पहचान बनते हैं। राजस्थान विधानसभा लोकतांत्रिक संस्कारों, संवाद और सहमति की सबसे बड़ी पाठशाला रही है। विधायक जितना अधिक अध्ययन करेंगे, सुनेंगे और विषयों की गहराई समझेंगे, उतना ही प्रभावी ढंग से जनता की आवाज सदन में उठा सकेंगे। सदन में दिए गए भाषण वर्षों तक पढ़े और याद किए जाते हैं इसलिए जनप्रतिनिधियों को मर्यादित और तथ्यपरक बहस की परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए।

सरकार की सकारात्मक आलोचना लोकतंत्र को मजबूत करती है और विधानसभा जनता की समस्याओं को उठाने का सबसे प्रभावी मंच है। सवाल जितने सार्थक होंगे, शासन उतना ही जवाबदेह बनेगा। उन्होंने विधानसभा को अपनी पहली पाठशाला बताते हुए कहा कि यहीं से उन्हें लोकतांत्रिक संस्कार और संसदीय मर्यादाओं का ज्ञान मिला। उन्होंने अध्यक्ष पद की गरिमा बनाए रखने पर भी जोर देते हुए कहा कि हर परिस्थिति में संयम, सहजता और निष्पक्षता बनाए रखना पीठासीन अधिकारी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

सदन का समय जनहित में लगे: शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सदन का समय जनता के हित में उपयोग होना चाहिए और विधायकों को अधिक समय देकर जनता की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए। लोकतंत्र में सरकारें बदलती हैं लेकिन जनसेवा का संकल्प कभी नहीं बदलता। संविधान, सुशासन, जनकल्याण और विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा का गौरवशाली इतिहास हम सभी के लिए गर्व का विषय है। 1952 से अब तक पूर्व और वर्तमान सभी जनप्रतिनिधियों ने राज्य के विकास की मजबूत नींव रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लोकतंत्र हमारी अटूट आस्था और जनतंत्र की आकांक्षाओं का उत्सव है। राजस्थान की 8 करोड़ जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हर जनप्रतिनिधि का दायित्व है। उन्होंने सत्ता और विपक्ष से जनहित के मुद्दों पर मिलकर काम करने की अपील करते हुए कहा कि मतभेद हो सकते हैं लेकिन जनहित हमेशा सर्वोपरि होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व जनप्रतिनिधियों का अनुभव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक है, साथ ही जनता का विश्वास बनाए रखना हर जनप्रतिनिधि की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

संक्षिप्त समाचार

'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान का शुभारंभ, रैली निकालकर दिलाई नशामुक्ति की शपथ

राजपुर (राहुल गुप्ता)। संत श्री सिंगाजी शासकीय महाविद्यालय, राजपुर में शासन के निर्देशानुसार 15 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक आयोजित किए जा रहे 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान का बुधवार को शुभारंभ किया गया। अभियान के प्रथम दिन महाविद्यालय परिसर से जागरूकता रैली एवं ड्रग अवेयरनेस रन का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने नगर में रैली निकालकर आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया तथा नशामुक्ति संदेश वाले पम्पलेट वितरित किए। कार्यक्रम में एसडीओपी श्री बी.एल. अटोदे एवं थाना प्रभारी श्री माधव सिंह ठाकुर ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों, इससे बचाव के उपाय तथा साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेश सस्ते ने की। स्वागत उद्बोधन अभियान के नोडल अधिकारी प्रो. भारत रंधावे ने दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती पाल ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. शिवा पटेल ने व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता कर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

सीईओ जिला पंचायत की उपस्थिति में NITI TARA प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

खरगोन, निप्र। आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम के अंतर्गत नीति आयोग द्वारा विकसित NITI TARA (Toolkit for Analysis, Review & Action) के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मंगलवार को जिला पंचायत सभागृह, खरगोन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मिलिंद कुमार नागदेवे की उपस्थिति में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के जिला प्रभारी नीरज अमझेरा ने किया। इस अवसर पर अमित जैन द्वारा NITI TARA प्लेटफॉर्म के संचालन, डेटा आधारित योजना निर्माण, मॉनिटरिंग, समीक्षा एवं कार्ययोजना तैयार करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में आकांक्षी विकासखंड भगवानपुरा एवं झिरन्या से संबंधित जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों ने सहभागिता की। अधिकारियों को साक्ष्य-आधारित योजना निर्माण, गुणवत्तापूर्ण डेटा प्रबंधन तथा प्रभावी समीक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मिलिंद नागदेवे ने अधिकारियों से NITI TARA प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग करते हुए समयबद्ध रूप से डेटा अद्यतन करने तथा नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बेहतर डेटा प्रबंधन एवं सतत मॉनिटरिंग से आकांक्षी विकासखंडों के विकास संकेतकों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित की जा सकेगी।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान : विद्यार्थियों ने लिया नशे को ना कहने का संकल्प

बड़वानी, निप्र। नगर के स्व.कांता बहन त्यागी शासकीय महाविद्यालय में विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों द्वारा नशा मुक्ति की शपथ ली गई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुल्तान मोरे ने सभी को नशा मुक्त मध्यप्रदेश बनाने का संकल्प दिलाकर की। सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और हस्त स्वयंसेवकों ने एक साथ हाथ उठाकर शपथ ली कि 'हम नशे का सेवन नहीं करेंगे, न ही दूसरों को करने देंगे। हम समाज को नशा मुक्त बनाने में अपना योगदान देंगे।' प्राचार्य डॉ. सुल्तान मोरे ने कहा, 'नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों को खोखला बनाता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। प्रत्येक छात्र नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश घर-घर तक पहुंचाए।' कार्यक्रम संयोजक डॉ. चॉदनी गोले ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 15 से 30 जुलाई तक प्रदेशभर में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 नशा उन्मूलन अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसके तहत महाविद्यालय स्तर पर विशेष व्याख्यान, जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, शॉर्ट फिल्म प्रदर्शन, चित्रकला, निबंध, स्लोगन,पोस्टर, रंगोली जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर जन जागरूकता फैलाई जाएगी, जिससे नशा मुक्त समाज एवं राष्ट्र का निर्माण हो सके। इसी के साथ माय भारत पोर्टल पर नव प्रवेशित विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें ब्लॉक समन्वयक श्री प्रवीण खोटे ने विद्यार्थियों को माय भारत पोर्टल के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. पी.सी. किराड़े, प्रो. अनारसिंह किराड़े, प्रो. शारदा खरते, प्रो. नवलसिंह बरडे, प्रो. मनीष किराड़े, प्रो. नीलम डावर,प्रो. रोशनी डावर, प्रो. मुकेश तरोले, डॉ. विजय चौधरी, डॉ. कलीराम पाटिल, सहित समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पुलिस प्रशासन ने 'नशे से दूरी, है जरूरी - 2.0' अभियान का किया शुभारंभ

खरगोन, निप्र। समाज में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति आज एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन चुकी है। इसके दुष्प्रभाव की चपेट सबसे अधिक युवा ही आ रहे हैं। पुलिस मुख्यालय, भोपाल निर्देशों पर 15.07.2026 से 31.07.2026 मध्यप्रदेश में 'नशे से दूरी, है जरूरी - 2.0' जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। खरगोन जिला मुख्यालय पर भी पुलिस-प्रशासन प्रमुख उप महानिरीक्षक निमाड़ रेंज, खरगोन सिमाला प्रसाद की मौजूदगी में 700 से अधिक पुलिसकर्मियों और छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई जाकर उप पुलिस महानिरीक्षक पुलिस द्वारा हरी झण्डी दिखाकर विशाल नशा मुक्ति जागरूकता रैली को रवाना किया गया, जो पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए थाना कोतवाली खरगोन पर रूकी। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने 'नशे से दूरी है जरूरी' तथा 'नशा मुक्त समाज - सुरक्षित समाज' जैसे नारों के माध्यम से नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक खरगोन डॉक्टर रविन्द्र कुमार वर्मा ने उपस्थित नागरिकों, छात्र-छात्राओं एवं मौजूद मीडिया कर्मीयों को संबोधित करते हुए बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। इसके कारण कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियाँ, उच्च रक्तचाप, मानसिक रोग, स्मरण शक्ति में कमी एवं शारीरिक कमजोरी जैसी अनेक गंभीर समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री बिट्टू सहगल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमती शकुन्तला रुहल, एसडीओपी खरगोन सौरभ तोमर, डीएसपी अनिल बामनिया, थाना प्रभारी कोतवाली बी.एल. मंडलोई, निरीक्षक गिरवार सिंह, थाना प्रभारी जैतापुर उप निरीक्षक सुदर्शन कलोसिया, पुलिस लाइन आरआई दीपेन्द्र स्वर्णकार, आरआई मुकेश हायरी, अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, पुलिस लाइन एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय का बल, पत्रकारगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों के चिन्हांकन एवं परीक्षण हेतु 20 से 27 जुलाई तक लगेंगे विशेष शिविर

बड़वानी, निप्र। जिले के दिव्यांगजनों के चिन्हांकन एवं परीक्षण हेतु जिले विभिन्न स्थानों पर 20 से 27 जुलाई तक विशेष शिविरों का आयोजन किया जायेगा। सामाजिक न्याय विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार एडिप योजना अंतर्गत शिविरों में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण आन द स्पाट कृत्रिम हाथ एवं पैर, राष्ट्रीय वयोश्री योजनान्तर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराये जायेंगे। 20 जुलाई को मंगल भवन सेंधवा में, 21 जुलाई को पंचायत भवन बलवाड़ी में, 22 जुलाई को जनपद परिसर निवाली में, 23 जुलाई को जनपद परिसर पानसेमल में, 24 जुलाई को आजीविका भवन राजपुर में, 25 जुलाई को मांगलिक भवन ठीकरी में, 26 जुलाई को जनपद परिसर पाटी में तथा 27 जुलाई को जिला दिव्यांग एवं पुर्नवास केन्द्र बड़वानी में शिविर का आयोजन किया गया है। इसी प्रकार वयो श्री योजनान्तर्गत 60 वर्ष या उससे अधिक की आयु के वृद्धजन को बीपीएल राशन कार्ड, समग्र आईडी, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, चिन्हृत बड़वानी प्रतिमाह से कम का आय प्रमाण पत्र, पासपोर्ट फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा।

मुख्यमंत्री की प्रेरणा से बड़वानी में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान का शंखनाद

कलेक्टर एवं एसपी ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की दूरदर्शी प्रेरणा से मध्य प्रदेश शासन एवं मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा पूरे प्रदेश में नशे के खिलाफ महाअभियान शुरू किया गया है इसी कड़ी में आज, 15 जुलाई को बड़वानी जिले में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' विशेष जन-जागरूकता अभियान का भव्य शुभारंभ हुआ।

थाना कोतवाली बड़वानी से बड़वानी कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ल एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती काजल जावला ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर जन-जागरूकता रैली और विशेष जागरूकता रथ को रवाना किया।

रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं, शिक्षक, एनसीसी (NCC), एनएसएस (NSS) कैडेट्स, स्काउट्स एवं गाइड्स, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी और पुलिस बल के जवान शामिल हुए।

हाथों में नशामुक्त समाज के संदेश की तख्तियां लिए युवाओं ने नारों के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया।

'जनसहभागिता से ही बनेगा नशामुक्त समाज' : कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह'

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा : 'नशा सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को खोखला कर देता है। नशामुक्त समाज का निर्माण केवल शासन-प्रशासन के बलबूते संभव नहीं है, इसके लिए जन-भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। हमारे युवाओं को इस सामाजिक बुराई से दूर रहकर अपने भविष्य को सुरक्षित करना होगा। इस अभियान को हमें एक जनआंदोलन बनाना है।'

'नशे के सौदागरों पर होगी सख्त चोट, युवाओं को बचाना हमारी प्राथमिकता' — पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ल

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ल ने पुलिस की सख्त कार्यप्रणाली और संकल्प को दोहराते हुए कहा: 'बड़वानी पुलिस नशे के अवैध कारोबार में लिप्त अपराधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' (शून्य सहनशीलता) की नीति पर काम कर रही है। 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत हम दोतरफा रणनीति अपना रहे हैं—एक तरफ जहां युवाओं और आमजन को जागरूक कर नशे की मांग (Demand) को समाप्त करना है, वहीं दूसरी तरफ नशे की सप्लाई चेन को पूरी तरह से ध्वस्त करना है। पुलिस बल न केवल सख्त कार्रवाई करेगा, बल्कि भटके हुए युवाओं की काउंसलिंग कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाने का प्रयास भी करेगा।'

समय अवधि: यह विशेष सघन अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई, 2026 तक पूरे जिले में चलाया जाएगा।

सतत प्रक्रिया: 31 जुलाई को अभियान की औपचारिक अवधि समाप्त होने के बाद भी नशामुक्ति का यह संकल्प थमेगा नहीं, बल्कि पुलिस और प्रशासन के माध्यम से यह एक निरंतर (सतत) प्रक्रिया के रूप में जारी रहेगा।

दस्तक अभियान के तहत बीएमओ डॉ. गौर ने ग्राम पांडाखेड़ी का निरीक्षण किया

विनय उजाला

स्वास्थ्य दल के कार्य की सराहना की

महेश्वर, निप्र। प्रदेश शासन द्वारा संचालित दस्तक अभियान के अंतर्गत विकासखंड महेश्वर के खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ. अतुल गौर ने बुधवार को उप स्वास्थ्य केंद्र शेजगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम पांडाखेड़ी का मैदानी निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य अभियान के तहत घर-घर पहुंचकर किए जा रहे स्वास्थ्य सर्वेक्षण, बच्चों की स्वास्थ्य जांच तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन करना था। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य दल द्वारा किए जा रहे कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया और अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान बीएमओ ने दस्तक अभियान दल के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर परिवारों से चर्चा की तथा 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, कुपोषण, एनीमिया, जन्मजात विकार, टीकाकरण की स्थिति एवं अन्य संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान संबंधी गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने हितग्राहियों से स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और अभियान के प्रति जागरूकता के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर उप स्वास्थ्य केंद्र शेजगांव की एएनएम श्रीमती आरती चंदेल एवं संबंधित आशा कार्यकर्ता द्वारा अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई। निरीक्षण में पाया गया कि स्वास्थ्य दल पूरी निष्ठा, जिम्मेदारी और समर्पण के साथ घर-घर पहुंचकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रहा है तथा हितग्राहियों को स्वच्छता, पोषण, टीकाकरण, डायरिया से बचाव, ओआरएस एवं जिंक के उपयोग सहित विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया जा रहा है।

बीएमओ डॉ. अतुल गौर ने कहा कि दस्तक अभियान का मुख्य उद्देश्य पांच वर्ष तक के बच्चों में गंभीर बीमारियों एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान कर उनका शीघ्र उपचार सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रियता और जनसहभागिता से ही अभियान के लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने पर भी जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान संबंधित एएनएम के क्षेत्रीय पर्यवेक्षण एवं कार्यों को संतोषजनक और जनहित में प्रभावी पाया गया।

सरकार युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही है सरकार : रवि नाईक जिला कांग्रेस अध्यक्ष

खरगोन, निप्र। जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नाईक ने कहा कि सरकार युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही है । देश में पेपर लीक की घटनाएं तेजी से बढ़ी । खरगोन जिले में भी सूर्य क्रांति टंट्या मामा भील यूनिवर्सिटी में परीक्षाएं नहीं हो रही है । विद्यार्थियों का भविष्य बर्बाद हो रहा है और सरकार मौन है। टंट्या मामा यूनिवर्सिटी में बीए, बीएससी, बीकॉम की परीक्षाओं में हो रही देरी को लेकर मध्य प्रदेश के राज्यपाल को लिखे अपने पत्र में उन्होंने लिखा कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 2024 में खरगोन जिला मुख्यालय पर क्रांति सूर्य टंट्या मामा भील विश्वविद्यालय की स्थापना से ही की यह विश्वविद्यालय विवादों और अव्यवस्थाओं से घिर गया । स्टाफ और संसाधनों की कमी से लेकर , भवन का नही होना और बेहतर प्रबंधन भी यहां नहीं है । आज टंट्या मामा विश्वविद्यालय में खरगोन जिले के अलावा बड़वानी, बुरहानपुर अलीराजपुर, खंडवा के करीब बाईस हजार विद्यार्थी को परेशान हो रहे हैं। उनकी बीए, बीएससी बीकॉम की परीक्षाएं जो अप्रैल माह में होना थी, अगस्त माह तक उन परीक्षाओं का कोई अता पता नही है। यहां तक कि उनका टाइम टेबल भी जारी नहीं हुआ ऐसे में सभी विद्यार्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। क्रांति सूर्य टंट्या मामा भील विश्वविद्यालय खरगोन में करीब 86 कॉलेज है जिनमें से 55 कॉलेज में बीकॉम बीएससी और बीए पढ़ाई हो रही है। यूनिवर्सिटी की लापरवाही एवं दोषपूर्ण कार्यप्रणाली के कारण हजारों विद्यार्थी परीक्षाओं से वंचित हो रहे हैं। नए सत्र में उन्हें एडमिशन में समस्या आ रही है।

महेश्वर में निकली भव्य नशा मुक्ति जागरूकता रैली, विधायक राजकुमार मेव ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

विनय उजाला

महेश्वर, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर में संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत बुधवार को महेश्वर में भव्य नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एडिशनल एसपी शकुंतला रूहल द्वारा उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाकर की गई। उन्होंने सभी को संकल्प दिलाया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार का नशा नहीं करेंगे, दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे तथा नशा मुक्त महेश्वर और नशा मुक्त मध्यप्रदेश के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

इसके पश्चात महेश्वर विधायक राजकुमार मेव ने हरी झंडी दिखाकर नशा मुक्ति जागरूकता रैली को रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नशा समाज और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। शासन द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान तभी सफल होगा, जब प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी जिम्मेदारी निभाएगा।

रैली में महेश्वर विधायक राजकुमार मेव, एडिशनल एसपी शकुंतला रूहल, एसडीओपी श्वेता शुक्ला, तहसीलदार कैलाश सस्तिया, थाना प्रभारी (टीआई) जगदीश गोयल, नगर परिषद सीएमओ प्रियंक पांड्या, भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम पटेल, महादेव पाटीदार सहित पुलिस विभाग, तहसील कार्यालय, जनपद पंचायत, नगर परिषद एवं अन्य शासकीय विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, जनभागीदारी समिति के सदस्य, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए।

रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली। प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर एवं तख्तियां लेकर 'नशे से दूरी है जरूरी', 'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो', 'नशा मुक्त युवा, विकसित मध्यप्रदेश' तथा 'स्वस्थ समाज, सुरक्षित भविष्य' जैसे नारों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। जगह-जगह लोगों ने रैली का स्वागत किया और अभियान का समर्थन किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार की खुशहाली और समाज की शांति पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। युवाओं को नशे से दूर रखकर ही स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। प्रशासन ने आमजन से इस अभियान को जनआंदोलन बनाने और नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।

'नशे से दूरी ही उज्जवल भविष्य की गारंटी' : डॉ. पंडित

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत महाविद्यालय में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला बड़वानी एवं शासकीय आदर्श महाविद्यालय बड़वानी की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयुक्त तत्वावधान में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत सोमवार को जागरूकता व्याख्यानमाला, जनजागरूकता रैली एवं नशा मुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.प्रमोद पंडित ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि युवा नशे से दूर रहकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ें, तो विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य और अधिक सशक्त होगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ.सी.एस.जमरे, सहायक प्राध्यापक (राजनीति शास्त्र) ने कहा कि 'नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को कमजोर करता है। युवा यदि अपने सपनों और करियर को साकार करना चाहते हैं, तो उन्हें हर प्रकार के नशे से दूर रहना होगा।' उन्होंने नशे से उत्पन्न सामाजिक बुराइयों, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों तथा अपराधों में वृद्धि जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ बी.एस. मुजाल्दा ने अपने अनुभव साझा करते हुए समाज में युवाओ को नशे से दूरी बनाए रखना चाहिए आधुनिक दुनिया में नशे की लत से छुटकारा पाने के उपाय पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की ।

कार्यक्रम के दौरान शीतल बैंडोड ने साथी की संगति से दूर रहने एवं बचने संबंधी विचार साझा किए इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों ने हाथों में जागरूकता संदेशों से युक्त तख्तियां लेकर रैली निकाली तथा 'नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो', 'नशे से दूरी है जरूरी' जैसे नारों के माध्यम से समाज को नशा मुक्त बनाने का संदेश दिया। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने नशा मुक्ति की शपथ लेकर स्वयं नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो.आर.आर. मुवेल कार्यक्रम अधिकारी रासेयो ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ.गीतांजलि दसौंधी ने किया इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के प्रतिनिधि,प्रशांत भरवे एवं रवि शुक्ला एनएसएस स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन हवालात के तहत पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हत्या के प्रयास के 03 आरोपियों को किया गिरफ्तार, ईनाम था घोषित

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन में जिलेभर में 'ऑपरेशन हवालात' के तहत फरार एवं गंभीर अपराधों में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री धीरज बब्बर एवं एसडीओपी बड़वानी श्री महेश सुनैया के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली बड़वानी पुलिस ने हत्या के प्रयास के प्रकरण में फरार चल रहे 03 अज्ञात आरोपियों की पतासाजी कर उन्हें गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ल द्वारा अज्ञात आरोपियों की पतासाजी एवं गिरफ्तारी हेतु रु. 5,000/- के इनाम की घोषणा की गई थी। दिनांक 12.07.2026 को फरियादी द्वारा थाना कोतवाली बड़वानी उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 07.07.2026 को वह अपने दो भाइयों एवं दोस्त के साथ घर जा रहा था। इसी दौरान सेगांव फाटे के पास पेट्रोल पंप के सामने तीन युवक गाली-गलौज कर रहे थे। फरियादी के भाई प्रदीप द्वारा उन्हें गाली देने से मना करने पर तीनों युवकों ने उसके साथ मारपीट की तथा जान से मारने की नीयत से

सिर में रॉड से वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया एवं उपचाररत है।

फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली बड़वानी में अपराध क्रमांक 296/2026, धारा 296(बी), 109(1), 3(5) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत 03 अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सीसीटीवी एवं तकनीकी साक्ष्यों से मिली सफलता

घटना रात्रि के समय एवं आरोपियों के अज्ञात होने से पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई।ऑपरेशन त्रिनेत्रम् के तहत आमजन द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरे इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण साबित हुए। सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने संदिग्धों की पहचान कर उन्हें अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में आरोपियों ने घटना करना स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि सड़क पर की जा रही गाली-गलौज एवं मामूली विवाद देखते ही देखते गंभीर घटना में बदल गया। पुलिस द्वारा आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 'लोहे की रॉड एवं मोटरसाइकिल 'जप्त कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपी

1. सोनू उर्फ बा पिता संतोष परिहार, निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बड़वानी।

2. विरू उर्फ भूरा उर्फ भूरू पिता सूरज कुंडे, निवासी न्यू सोरठ मोहल्ला, बड़वानी।

3. कुंदन पिता रमेश वर्मा, उम्र 26 वर्ष, निवासी रानीपुरा, बड़वानी।

यूके व्यापार समझौते से प्रत्येक भारतीय के लिए बड़े अवसर खुलेंगे

दैनिक विनय उजाला
श्री पीयूष गोयल
(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)

आज से, यूके को होने वाले भारत के लगभग सभी निर्यात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगेगा। इससे हमारे छोटे व्यवसायों, किसानों, मछुआरों, नवोन्मेषकों, महिलाओं और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए बड़े अवसर खुलेंगे, क्योंकि परिवर्तनकारी 'व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता' (सीईटीए) आज से लागू हो रहा है। यह भारत का सबसे व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हैऔर यह बड़ी संख्या में नौकरियों और व्यापार- अवसरों का सृजन करके समृद्धि लाएगा। इससे भारतीय निर्माताओं को धीरे-धीरे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा और हर नागरिक को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले सामान प्राप्त करने का लाभ मिलेगा। इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को भी तेज गति मिलेगी। व्यवसायियों में उत्साह है। उनके पास यूके को माल भेजने के लिए विस्तृत योजनाएं हैं। रत्न और आभूषण निर्यातकों को उम्मीद है कि यूके को होने वाला निर्यात अगले तीन साल या उससे भी कम समय में 230% बढ़कर 2.5 अरब डॉलर हो जाएगा, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यातकों को उम्मीद है कि अगले 4-5 सालों में यूके को होने वाली बिक्री लगभग दोगुनी होकर 7.5 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगी। पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की मौजूदगी में हस्ताक्षर हुए इस समझौते से, जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है, लगभग 99% टैरिफ लाइनों पर शुल्क तुरंत समाप्त हो जाएगा इसमें लगभग 100% व्यापार मूल्य शामिल है, जिससे भारतीय निर्यात, जो वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद पहले से ही तेज़ी से बढ़ रहा है, के लिए अपार अवसर पैदा होंगे।

युवा सोच, वैश्विक अवसर – यह जन-केंद्रित एफटीए 15 जुलाई से लागू हो रहा है, जो विश्व युवा कौशल दिवस भी है। 2015 में इसी दिन पीएम मोदी ने कौशल भारत मिशन की शुरुआत की थी, जो हमारे युवाओं को न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, योगदान देने और नेतृत्व करने में सक्षम बना रहा है। भारतीय युवाओं के लाभ के लिए, यूके ने अब तक की अपनी सबसे व्यापक सेवा-संबंधी प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जिसमें सभी प्रमुख सेवा क्षेत्र और भारत के लिए निर्यात की दृष्टि से महत्वपूर्ण 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं। बेहतर बाजार पहुँच और नियामक स्पष्टता से भारतीय सेवा प्रदाताओं को आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और परामर्श सेवाओं में समर्थन

मिलेगा। रोज़गार के अवसर – युवाओं को रोज़गार के ज़्यादा मौके मिलेंगे, क्योंकि बेहतर पहुँच के साथ रत्न और आभूषण, वस्त्र, चमड़ा और जूते, जैविक रसायन, प्लास्टिक, वाहन कल-पुर्जे, हस्तशिल्प और खाद्य प्रसंस्करण जैसे श्रम-गहन क्षेत्र अपने कामकाज का विस्तार करेंगे। कुल मिलाकर, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं तक पहुंच को बढ़ावा देकर और प्रतिस्पर्धा क्षमता में सुधार करके, सीईटीएभारतीय युवाओं को जरूरी कौशल और अवसर प्रदान करेगा, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सार्थक भूमिका निभा सकें और विकास में योगदान दे सकें।

सीईटीए का एक महत्वपूर्ण पहलू है, दोहरी योगदान व्यवस्था। यह ऐतिहासिक व्यवस्था, जो सीईटीएके साथ लागू हो रही है, भारतीय श्रमिकों और नियोक्ताओं को अस्थायी कार्य-भार के दौरान यूके में दोहरी सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट देती है। कर्मचारियों के लिए अस्थायी विदेशी कार्य-भार पर निरंतर सामाजिक सुरक्षा कवरेज से 75,000 से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900 से अधिक कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। स्थानीय स्तर पर उगाएं, वैश्विक स्तर पर बेचें – भारतीय किसानों को 37.5 बिलियन डॉलर के ब्रिटेन के बाजार तक आसान पहुंच से फायदा होगा। इससे भारतीय डेयरी उत्पादों, चाय, कॉफी, मसालों, फलों, सब्जियों, फलों के रस, मांस और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। यूके के लगभग 95% कृषि आयात भारत के लिए शुल्क- मुक्त होंगे। इस विशाल बाजार में निर्यात तीन वर्षों में 50% तक बढ़ सकता है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और कृषि मूल्य श्रृंखला में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस समझौते में डेयरी, सब्जियां, सेब, खाद्य तेल, जई (ओट्स), मोटे अनाज, कुकिंग ऑयल और अन्य जैसे संवेदनशील कृषि उत्पादों को पूरी सुरक्षा दी गई है और इन्हें संवेदनशील सूची में रखा गया है। इन वस्तुओं पर ब्रिटेन को कोई सीमा-शुल्क छूट नहीं दी गई है। ये अपवाद मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमजोर कृषि समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को दर्शाते हैं। एसएमई – स्थानीय प्रयास, वैश्विक ताकत – पीएम मोदी ने हमेशा से भारत के लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को उच्च प्राथमिकता दी है। सीईटीएमें महत्वपूर्ण एसएमई क्षेत्र की मदद के लिए एक विशेष अध्याय है, 2024-25 में भारत के कुल निर्यात में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.8% थी। सीईटीएकई प्रमुख प्रावधानों के साथ एसएमईकी मदद करेगा, जैसे तेज सीमा-शुल्क प्रक्रिया, डिजिटल प्रणालियों और दस्तावेज रहित व्यापार को मान्यता देने और सुविधाजनक बनाने के समझौते। बाजार तक प्राथमिक पहुंच के अलावा, एसएमई को व्यापार, शिक्षा और वित्त, डिजिटल कौशल, व्यवसायिक अवसंरचना और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़ी सर्वोत्तम प्रथाओं पर बढ़ते सहयोग का भी लाभ मिलेगा। मछुआरों के लिए बड़ी खुशी – सीईटीए से भारत के मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को काफी फायदा मिलने की उम्मीद है, जो लगभग 28 मिलियन लोगों की आजीविका का ज़रिया है।

बाज़ार तक बेहतर पहुँच और ज़्यादा निर्यात से आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, ओडिशा और महाराष्ट्र के मछुआरों को लाभ होगा। इससे न सिर्फ़ भारत के मत्स्य निर्यात को मज़बूती मिलेगी, बल्कि मछुआरों की भलाई और आजीविका में भी मदद मिलेगी और तटीय इलाकों में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। महिलाओं के लिए बड़ी जीत – यह ऐतिहासिक समझौता, जो पारंपरिक एफटीए से कहीं अधिक है, सतत और समावेशी आर्थिक विकास में महिलाओं के योगदान को मान्यता देता है। इसका उद्देश्य महिलाओं के लिए अवसर और लाभ को बढ़ावा देना है। दोनों देशों ने महिलाओं की बाज़ार और उभरते क्षेत्रों तक पहुंच बढ़ाने, वित्तीय समावेश और साक्षरता को बढ़ावा देने, कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए समान अवसर प्रदान करने, और उनकी क्षमता और कौशल विकसित करने जैसी विभिन्न गतिविधियाँ का वादा किया है। सीईटीए सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है। यह भारत की क्षमताओं और आकांक्षाओं में विश्वास का एक वक्तव्य है। यह एक नए भारत को प्रतिबिंबित करता है, जो सिर्फ वैश्विक व्यापार में भाग ही नहीं ले रहा है, बल्कि इसे आकार देने में भी मदद कर रहा है। हमारे किसानों, मछुआरों, कामगारों, महिला उद्यमियों, एमएसएमई, पेशेवरों और युवाओं को सशक्त बनाकर, यह समझौता देश के प्रत्येक हिस्से में रह रहे हर भारतवासी को अवसर उपलब्ध कराएगा।

संक्षिप्त समाचार

सावन को आने दो थीम पर हरसंभव फाउंडेशन का वृक्षारोपण संकल्प

रायपुर (विनय उजाला)। हरसंभव फाउंडेशन द्वारा मंगलवार को सावन को आने दो थीम पर एक विशेष बैठक एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से एक पौधा मां के नाम लगाने का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने हरी साड़ी, हरी चूड़ियां, हरी नेल पॉलिश और हरित परिधान धारण कर प्रकृति एवं हरियाली के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को अभिव्यक्त किया। सभी ने हरित पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया तथा सावन और हरियाली से जुड़े गीतों के माध्यम से वातावरण को उल्लासपूर्ण बनाया। इस अवसर पर हरसंभव फाउंडेशन की संस्थापक एवं अध्यक्ष पुष्पलता त्रिपाठी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि वर्ष में कम से कम एक पौधा अपनी मां के नाम लगाए और उसका संरक्षण करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और प्रकृति को सुरक्षित रखने की अपील की। बैठक में आगामी सावन उत्सव के आयोजन को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। सदस्यों ने कार्यक्रम को भव्य एवं व्यापक स्वरूप देने के लिए विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम की तिथि एवं स्थान फिलहाल विचाराधीन है, जिसकी सूचना शीघ्र ही सभी को दी जाएगी। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष नेहा संतोषवार, संयुक्त सचिव रेवती सिंह, मार्गदर्शक डॉ. प्रीति उपाध्याय, वरिष्ठ सलाहकार कस्तूरी साहू एवं गीता कटारिया, कोषाध्यक्ष ममता गुप्ता सहित महक अंदानी, पूजा जुमरानी, नीतू गुप्ता, जे. अरुणा राव, रागिनी साहू, पूनम मिश्रा, अनीता अग्रवाल, मधु जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

पाल समाज श्री कृष्ण गोवर्धन मंदिर में जीर्णोद्धार उपरांत ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ निकली भव्य कलश यात्रा

भोपाल (विनय उजाला)। राजधानी के पीएचई ऑफिस के पास, टी.टी. नगर स्थित पाल समाज श्री कृष्ण गोवर्धन मंदिर में जीर्णोद्धार उपरांत आज से 17 जुलाई तक तीन दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन शुरू हो गया है, जिसके पहले दिन आज ढोल-नगाड़ों की थाप और गगनभेदी जयकारों के बीच एक विशाल एवं भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह पावन कलश यात्रा मंदिर परिसर से विधि-विधान से पूजन के बाद प्रारंभ हुई, जो चक्की चौराहा, जैन मंदिर सेकंड स्टॉप, माता मंदिर, टीन शेड और व्यस्ततम न्यू मार्केट क्षेत्र से होते हुए श्रद्धालुओं के भारी उत्साह और थिरकते कदमों के साथ पुन: श्री गोवर्धन मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे यात्रा मार्ग में जमकर आतिशबाजी की गई और पाल समाज के लोग एक-दूसरे को गले लगाकर मिठाइयाँ बांटते व खुशियां मनाते दिखे, जिससे पूरा क्षेत्र पूरी तरह भक्ति भाव में डूबा नजर आया। मंदिर समिति के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह बघेल एवं मीडिया प्रभारी भानु प्रताप सिंह पाल (पत्रकार) ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि इस ऐतिहासिक महोत्सव के प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा के साथ दशाविधि स्नान, गणेश पूजन एवं जलाधिवास अनुष्ठान संपन्न हुआ, जिसमें पाल, बघेल, धनगर, यादव, ग्वाला, गुर्जर, घोषी, चौधरी, गायरी, भारूड़ एवं गवली समाज सहित विभिन्न समाजों के हजारों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन यानी कल 16 जुलाई को प्रात: 9 बजे से देवताओं का विशेष पूजन और अन्नाधिवास, फलाधिवास, पुष्पाधिवास व शय्याधिवास आरती जैसे वैदिक अनुष्ठान होंगे, जबकि अंतिम दिन 17 जुलाई को सुबह 8:30 बजे से देवताओं के पूजन व सहस्त्रधारा महाअभिषेक के बाद दिव्य नगर भ्रमण, दोपहर 2 बजे प्राण-प्रतिष्ठा हवन की पूर्ण आहुति, महाआरती और उसके तुरंत बाद भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शामिल होने के लिए समिति ने समस्त धर्मप्रेमी जनता से सपरिवार उपस्थित रहने की अपील की है।

दतिया में स्वीप गतिविधियों अंतर्गत विद्यालयों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भोपाल (विनय उजाला)। दतिया विधानसभा उप निर्वाचन-2026 के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में जिले के विभिन्न विद्यालयों में मतदाता जागरूकता हेतु स्वीप (SVEEP) गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालयीन स्टॉफ ने लोकतंत्र को सशक्त बनाने तथा शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करने की मतदाता जागरूकता शपथ दिलाई जा रही है। साथ ही एक पौधा लोकतंत्र के नाम के तहत पौध-रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी जाहिर की जा रही है। विद्यालयों में रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है। मतदाताओं को अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने तथा निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

प्रदेश भर से आए कार्यकर्ताओं की जनसमस्याएं सुनकर त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याओं को सुना।

मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कार्यकर्ताओं द्वारा रखी गई जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं हो सका, उन्हें संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई एवं शीघ्र निराकरण के लिए प्रेषित किया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा।

अभिभाषक संघ चुनाव के लिए डॉ. रमेश शुक्ला बने सहायक चुनाव अधिकारी

मनोहर राजपूत

भोपाल (विनय उजाला)। अभिभाषक संघ भोपाल के वर्ष 2026-28 के द्वि-वार्षिक चुनाव के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. रमेश शुक्ला को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है।

मुख्य चुनाव अधिकारी वासु वासवानी ने इस संबंध में नियुक्ति पत्र जारी कर दिया है। नियुक्ति के बाद चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

भोपाल टैक्स प्रैक्टिशनर एसोसिएशन के चुनाव कराएंगे महेश मौर्य

भोपाल टैक्स प्रैक्टिशनर एसोसिएशन के आगामी चुनाव के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता महेश मौर्य को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता संतोष शाक्य की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में चुनाव प्रक्रिया को निर्धारित नियमों के अनुसार शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने का निर्णय लिया गया।

आयुष्मान कार्ड विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य रक्षा योजना है : उप मुख्यमंत्री

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो भोपाल द्वारा होटल राजविलास में आयोजित पत्रकारों से संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं।

गरीबों के कल्याण की योजनाओं तथा विकास कार्यों को आमजनता तक पहुंचाने में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2047 तक विकसित और स्वस्थ भारत का सपना साकार करने के लिए आयुष्मान भारत योजना लागू की है। इस योजना से देश के 60 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को एक साल में पाँच लाख रुपए तक की निन्शुल्क उपचार सहायता मिल रही है। आयुष्मान भारत योजना विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य रक्षा योजना है। इस योजना ने गरीब रोगियों के लिए बड़े और महंगे अस्पतालों के दरवाजे खोल दिए हैं। इस योजना से निजी क्षेत्र में अस्पतालों का तेजी से विकास हुआ है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना से करोड़ों रोगियों को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से प्राप्त हो रही हैं। प्रदेश में प्रत्येक व्यक्ति की आभा आईडी बनाई जा रही है। इससे प्राप्त पंजीयन नम्बर अस्पताल में दर्ज कराते ही रोगी की मेडिकल हिस्ट्री ज्ञात हो जाएगी। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना से हर महीने की 9 और 25 तारीख को विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा गर्भवती महिलाओं की निन्शुल्क जाँच करके दवाएं दी जा रही हैं।

सहकारिता विभाग में 613 पदोन्नति

भोपाल, निप्र। सहकारिता विभाग में पदोन्नति नियम 2025 के तहत 15 संवर्ग में कुल 613 पदोन्नति आदेश जारी किये गये हैं। इसमें प्रथम श्रेणी के पदों पर 41, द्वितीय श्रेणी के पदों पर 84, तृतीय श्रेणी के पदों पर 486 और चतुर्थ श्रेणी के 2 पदों पर अधिकारियों/कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया है। 15 संवर्ग में संयुक्त सहकारिता एवं संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थाएँ के 22, उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएँ के 19, सहायक आयुक्त एवं सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएँ के 13, अंकेक्षण अधिकारी के 71, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक के 196, सहकारी निरीक्षक के 106, सहायक ग्रेड-2 के 111, शीघ्र लेखक ग्रेड-2 के 6, अधीक्षक के 2, शीघ्र लेखक ग्रेड-3 के 2, संभागीय अधीक्षक के 8, सुपरवाइजर के 1, सहायक ग्रेड-1 के 29, जमादार का 1 और सहायक ग्रेड-3 के 26 पदोन्नति आदेश जारी किये गये हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव भारत टैक्स-2026 में निवेशकों से करेंगे संवाद

मध्यप्रदेश के टेक्सटाइल क्षेत्र को मिलेगा वैश्विक निवेश का नया अवसर

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 16 जुलाई को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टैक्स-2026 में देश-विदेश के प्रमुख टेक्सटाइल निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों और वैश्विक ब्रांडों से संवाद कर मध्यप्रदेश में निवेश के नए अवसरों को गति देंगे।

मुख्यमंत्री विभिन्न निवेश एवं उद्योग जगत से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होकर राज्य की उद्योग हितैषी नीतियों, आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना तथा टेक्सटाइल एवं गारमेंट क्षेत्र में उपलब्ध व्यापक निवेश संभावनाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योग जगत के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। वन-टू-वन बैठकों, राउंड टेबल चर्चा, एमओयू तथा निवेशक संवाद के माध्यम से टेक्सटाइल, गारमेंट एवं फुटवियर क्षेत्र में नए निवेश आकर्षित करने की दिशा मे विस्तृत चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भारत मंडपम में भारत टेक्स-2026 का अवलोकन करेंगे तथा मध्यप्रदेश पवेलियन का निरीक्षण भी करेंगे। पवेलियन में राज्य की उद्योग हितैषी नीतियों, आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना, कौशल विकास, धार जिले में विकसित हो रहे पीएम मित्र पार्क तथा टेक्सटाइल क्षेत्र की संपूर्ण औद्योगिक वैल्यू चेन को वैश्विक उद्योग जगत के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री मीडिया से भी संवाद करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव भारत टैक्स-2026 में टेक्सटाइल एवं गारमेंट क्षेत्र के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ आयोजित राउंड टेबल चर्चा में भाग लेंगे। इस चर्चा में मध्यप्रदेश के टेक्सटाइल एवं गारमेंट इकोसिस्टम, निवेश की संभावनाओं, निर्यात संवर्धन, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता, सतत विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स तथा कौशल विकास जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा। केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह भी राउंड टेबल को संबोधित करेंगे। बैठक में 100 से अधिक उद्योगपतियों, निवेशकों एवं उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम में डिक्सन टेक्नोलॉजीस के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री अतुल लाल, टोपन के सीईओ श्री मनोहरा कुमार, हेलियॉन के सीईओ श्री केदार लेले और भारत में ब्राजील के राजदूत श्री केनेथ फेलिक्स हैजिन्स्की दा नोब्रेगा भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव देश-विदेश की प्रमुख टेक्सटाइल एवं गारमेंट कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन बैठकें भी करेंगे। इन बैठकों में नए निवेश, उत्पादन क्षमता विस्तार, निर्यात वृद्धि, रोजगार सृजन तथा तकनीकी सहयोग जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी।

प्रदेश के शासकीय स्कूलों में मां सरस्वती एवं गुरु वंदना के साथ शुरू हुई गतिविधियां

29 तक स्कूलों में संस्कार, शिक्षा, प्रेरणा पर केंद्रित होंगे कार्यक्रम

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। प्रदेश के सभी शासकीय विद्यालयों में 15 से 29 जुलाई 2026 तक मनाए जाने वाले गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का बुधवार को शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मां सरस्वती एवं गुरु वंदना की।

भारतीय संस्कृति में गुरु के सर्वोच्च स्थान को केंद्र में रखते हुए आयोजित किए जा रहे इस पखवाड़े का उद्देश्य विद्यार्थियों में गुरु के प्रति सम्मान, अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति आस्था विकसित करना और विद्यालयों में सकारात्मक एवं संस्कारमय शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है। पखवाड़े के दौरान विद्यार्थियों की प्रतिभा और व्यक्तित्व विकास को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें गुरु के महत्व पर भाषण प्रतियोगिता, 'मेरे जीवन में गुरु' विषय पर निबंध लेखन, संस्कृत श्लोक, गुरु वंदना, भजन प्रस्तुति, योग एवं ध्यान, स्वास्थ्य जागरूकता, कॅरियर मार्गदर्शन, प्रेरक व्याख्यान, 'एक गुरु–एक वृक्ष' अभियान, अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम), स्वच्छता एवं जनजागरूकता रैली और 'गुरु-शिष्य प्रेरणा संवाद' प्रमुख रहेंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल, सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

सांदीपनि विद्यालयों में होंगे विशेष कार्यक्रम

गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के दौरान सांदीपनि विद्यालयों में विशेष गतिविधियां होंगी। नजदीकी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के द्वारा सांदीपनि विद्यालयों का भ्रमण किया जायेगा। प्रदेश के सांदीपनि स?कूलों में अपने उत?कृष?ट कार्यों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही सांदीपनि विद्यालयों में मुख्यत- विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान के प्रयोग एवं प्रोजेक्ट बेस्ड गतिविधियों का प्रदर्शन, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा किए गए नवाचारों की जानकारी, विद्यार्थियों द्वारा डिजिटल/ एआई का प्रदर्शन एवं मेधावी विद्यार्थियों का समान जैसे आयोजन किए जाएंगे। गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के दौरान प्रत्येक गतिविधि अधिकतम एक घंटे में आयोजित की जाएगी, जिससे विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई प्रभावित न हो। पखवाड़े के सभी कार्यक्रम विद्यालय प्रबंधन समितियों, जनप्रतिनिधियों, पूर्व विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी में सुनिश्चित किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

नशे से दूरी है जरूरी .. के नारों से गूंज उठा नगर, नशा मुक्ति के लिए निकाली जन जागरूकता रैली

सतवास/देवास, निप्र। पुलिस थाना सतवास के द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोद के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सतवास दिलीप कुमार पुरी के नेतृत्व में जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। नशे से दूरी बहुत जरूरी के नारों से सतवास नगर गूंज उठा। इस रैली में नगर के नागरिक, पत्रकार और सांदीपनि शाउमा.वि. सतवास के छात्र- छात्रा, महविद्यालय के छात्र – छात्रा और शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओ, नगर परिषद के लोग भी उपस्थित थे। रैली एवं कार्यक्रम का संचालन स्काउट शिक्षक मनोज दुबे ने किया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी दिलीप कुमार पुरी द्वारा सभी को नशे से दूरी है जरूरी 2.0 की शपथ दिलाई गई। थाना प्रभारी ने सभी से यह अपील की, कि आप अपने आस पास होने वाले किसी भी प्रकार के नशे की सुचना तत्काल पुलिस थाने पर दें, और लोगो को भी नशे की बुराइयाँ बताएं। जीवन भर नशे से दूर रहे, क्योंकि नशा सम्पूर्ण जीवन की खुशियों का नाश कर देता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय से प्राचार्य दिलीप मौर्य, प्रोफेसर प्रवीण यादव, विद्यालय से जितेंद्र कटारा, पंकज बैरागी, पुलिस थाना स्टॉफ से सरदार मंडलोई, शंकर सिंह कनासिया, विष्णुप्रसाद मंडलोई, गणेश रावत, रविराव जाधव, गंगाराम नरगवे, अंजलि कटारे, निशा, संदीप, राहुल, शुभम, घनश्याम, राजकुमार, आरक्षक़ अनिल भाबर आदि का सहयोग रहा।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 की शुरुआत, टीआई बोलें – नारकोटिक्स ड्रग्स पर लगातार प्रभावी कार्रवाई की जाएगी

सोनकच्छ, निप्र। मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा नशे से दूरी है जरूरी 2.0 की शुरुआत की गई है। इस अभियान के अंतर्गत ही स्थानीय पुलिस द्वारा भी 15 से 30 जुलाई तक अभियान का शुभारंभ थाना परिसर में किया गया। टीआई विक्रांत झांझोट ने अभियान शुभारंभ अवसर पर कहा कि, नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के अंतर्गत 15 दिनों तक विभिन्न जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य नारकोटिक्स ड्रग्स पर लगातार प्रभावी कार्रवाई होगी। ऐसे नशे के संग्रहण, विक्रय और परिवहन में लिप्त लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के साथ-साथ ऐसे लोगों को भी चिन्हित करना जो कि इस नशे के आदी हो चुके उन्हें नशामुक्ति केंद्र पर ले जाना व उचित उपचार कराना भी इस अभियान का उद्देश्य है। इसके लिए एक टोल फ्री नंबर भी शासन द्वारा जारी किया गया है। अभियान के शुभारंभ उपरांत पुलिस ने नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों व पांचू बाई बिरमा जी जाट शासकीय कन्या स्कूल की छात्राओं के साथ एक जागरूकता रैली निकाली गई।

शासकीय महाविद्यालय में नशें से दूरी अभियान अंतर्गत रैली निकाली

सोनकच्छ, निप्र। अमर शहीद राजा भाऊ महाकाल शासकीय महाविद्यालय सोनकच्छ में आज दिनांक 15 जुलाई 2026 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नशे से है दूरी जरूरी 2.0 नशा उन्मूलन अभियान के अंतर्गत गोद ग्राम सांवेर में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं और छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। शासन द्वारा यह अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत आगामी दिवसों में भी विद्यार्थियों में जागरूकता हेतु गतिविधियां आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अर्चना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रो रितु दुबे के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में डॉ अंजली अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डॉ सुधीर महाजन, डॉ मनोज महाजन, डॉ मीना कनासे, प्रो बाबूलाल वर्मा, डॉ विजय कुमार सोनिया, प्रो शिवपाल चावड़ा एवं निशा पाटीदार आदि उपस्थित रहे।

27 जुलाई को राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

झिरन्या, निप्र। गौ संरक्षण एवं गौ सम्मान को लेकर चलाए जा रहे गौ सम्मान आव्हान अभियान के अंतर्गत जनजागरण के उद्देश्य से व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में बड़ी संख्या में नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा एवं गौभक्त उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने हस्ताक्षर कर समर्थन दे रहे हैं। गौ सेवको ने बताया कि 27 जुलाई 2026 को राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला कार्यालय के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा। ज्ञापन के साथ हस्ताक्षर अभियान के दौरान एकत्रित हजारों नागरिकों का समर्थन भी सौंपा जाएगा, ताकि गौ संरक्षण एवं गौ सम्मान से संबंधित मांगों को केंद्र सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। गौ सम्मान आव्हान अभियान के लिए सभी संतो ने क्षेत्र के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में हस्ताक्षर अभियान से जुड़कर इस जनआंदोलन को सफल बनाएं। उनका कहना है कि गौ माता के संरक्षण, संवर्धन और सम्मान के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है और समाज के सहयोग से ही इस अभियान को मजबूती मिलेगी।

प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के सचिव ने किसानों के बीच पहुंचकर कृषि के जमीनी हालात देखे

खरगोन निप्र। प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह खरगोन पहुंचे। उन्होंने जिले के प्रमुख कृषि क्षेत्रों का भ्रमण कर किसानों से सीधे संवाद किया तथा कृषि उत्पादन, विपणन एवं ग्रामीण कृषि अधोसंरचना की जमीनी स्थिति देखी। अक्षय कुमार सिंह ने बैड़िया में कृषि उपज मण्डी पहुंचकर किसानों से चर्चा कर उनसे वहां की मिर्च की विशिष्ट गुणवत्ता एवं उसकी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध संभावनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बैड़िया मिर्च की विशेष पहचान को देखते हुए इसे वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में व्यापक संभावनाएं हैं। इस दौरान उन्होंने किसानों से उत्पादन, गुणवत्ता, विपणन, भंडारण एवं निर्यात से जुड़ी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा कर क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों को भी समझा। किसानों ने मिर्च उत्पादन में आने वाली समस्याओं एवं कृषि विपणन से संबंधित विभिन्न मुद्दों से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुनते हुए समस्याओं की तह तक पहुंचने का प्रयास किया और आश्वस्त किया कि किसानों की वाजिब मांगों एवं सुझावों को शासन स्तर पर अनुशंसा सहित प्रस्तुत किया जाएगा। किसानों से संवाद के दौरान उन्होंने क्षेत्र की कृषि समृद्धि, किसानों की मेहनत एवं उनकी जीवनशैली की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण की प्रक्रिया में किसानों के अनुभव और सुझाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं तथा जमीनी स्तर पर संवाद से ही प्रभावी निर्णय लिए जा सकते हैं। विकासखण्ड भीकनगांव के ग्राम केदवा में कृषक सोनू के खेत में पहुंचे, जहां उन्होंने मिर्च एवं सफेद मूसली की फसलों का निरीक्षण कर किसानों के साथ खेत में फसलों के बीच बैठकर आत्मीय वातावरण में चर्चा की और खेती से जुड़े उनके अनुभव, समस्याएं एवं सुझाव सुने।

टोल वसूली पूरी, सुरक्षा अधूरी ! इंदौर भोपाल हाइवे पर

सोनकच्छ-देवास मार्ग पर धंसे शोल्डर, उबड़-खाबड़ सड़क और जलभराव बन रहे हादसों की वजह

सौरभ पुरोहित

सोनकच्छ। इंदौर-भोपाल स्टेट हाईवे के सोनकच्छ-देवास मार्ग पर सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। मार्ग के कई स्थानों पर साइड शोल्डर बुरी तरह धंस चुके हैं। लगातार बारिश के कारण मिट्टी बह जाने से सड़क किनारे गहरे गड्ढे बन गए हैं। ऐसे में यदि किसी वाहन का पहिया सड़क से नीचे उतर जाए तो उसे दोबारा मुख्य सड़क पर लाना बेहद कठिन हो जाता है, जिससे गंभीर दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर प्रतिदिन लाखों रुपये का टोल वसूला जाता है, लेकिन सड़क की सुरक्षा और रखरखाव पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा। कई स्थानों पर साइड शोल्डर सड़क की सतह से काफी नीचे धंस चुके हैं, जबकि समय पर मुरम भराई, रोलिंग और समतलीकरण नहीं कराया गया। इसका खामियाजा दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहन चालकों को अपनी जान जोखिम में डालकर भुगतना पड़ रहा है।

गंधर्वपुरी फाटा से मंडी गेट, पुष्पगिरी तीर्थ सहित अन्य जगहों पर जलभराव बना बड़ा खतरा-बारिश के दौरान गंधर्वपुरी फाटा, घट्टिया भाना फाटा, पुष्पगिरी तीर्थ और कृषि उपज मंडी गेट के सामने सड़क पर पानी भर जाता है। जलभराव के कारण सड़क पर बने गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे वाहन चालक अचानक संतुलन खो बैठते हैं और हादसों का खतरा बढ़ जाता है। कई बार बारिश का पानी सड़क के बीच तक जमा हो जाता है, जिससे यातायात प्रभावित होता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि टोल प्रबंधन द्वारा जल निकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं की गई है। हर वर्ष केवल औपचारिक पेंचवर्क कर समस्या को टाल दिया जाता है।

नागरिकों की मांग

स्थानीय नागरिकों ने संबंधित एजेंसी, टोल प्रबंधन और प्रशासन से पूरे मार्ग का तत्काल सुरक्षा ऑडिट कराने, धंसे हुए साइड शोल्डर की तकनीकी मानकों के अनुरूप मरम्मत कराने, जलभराव वाले स्थानों पर स्थायी जल निकासी व्यवस्था विकसित करने, गड्ढों की भराई कराने तथा दुर्घटना संभावित वाहनों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। क्षेत्रों में चेतावनी संकेत और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि केवल टोल वसूली करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराना भी संबंधित एजेंसी और टोल प्रबंधन की जिम्मेदारी है। यदि समय रहते सुधार कार्य नहीं किया गया तो भविष्य में किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

तकनीकी मानकों की अनदेखी

नियमानुसार अनुसार राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर साइड शोल्डर सड़क की सतह के लगभग बराबर होना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में वाहन सुरक्षित रूप से सड़क से उतरकर दोबारा मुख्य मार्ग पर आ सके। लेकिन सोनकच्छ देवास मार्ग पर कई स्थानों पर सड़क और शोल्डर के बीच खतरनाक ऊंचाई का अंतर बन गया है, जो तेज गति से चलने वाले वाहनों को दुर्घटना का जोखिम रहता है, इस वजह से सड़क दुर्घटना होती है।

सड़क निर्माण विशेषज्ञों के

इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन, यात्री बसें, स्कूल वाहन, एम्बुलेंस और भारी मालवाहक वाहन गुजरते हैं। इसके बावजूद न तो क्षतिग्रस्त शोल्डर की तत्काल मरम्मत कराई जा रही है और न ही दुर्घटना संभावित स्थानों पर पर्याप्त चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर अथवा अन्य सुरक्षा संकेत लगाए गए हैं।

इनका कहना है-

'करीब 150 किलोमीटर क्षेत्र में गड्ढों की मरम्मत और सड़क रिपेयरिंग का कार्य चल रहा है। हालांकि सोनकच्छ और उसके आसपास का काम कब तक पूरा हो पाएगा, यह अभी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता।'

- शिव कुमार शर्मा, टोल मैनेजर, नेवरी फाटा

जर्जर भवनों को तोडने के आयुक्त ने दिए निर्देश

समयावधि पत्रों का समय सीमा में करें निराकरण : आयुक्त

विनय उजाला

देवास, निप्र। समयावधि पत्र एवं सीएम हेल्प लाईन को लेकर प्राप्त शिकायतों के निराकरण के लिए आयुक्त दलीप कुमार ने सभी विभागीय अधिकारियो के साथ किए गए निराकरणों की जानकारी ली।

पीएम स्वनिधि योजनाअन्तर्गत हितग्राहियों को योजना का लाभ मिले इस हेतु अधिक से अधिक आवेदन करवाने के निर्देश दिए तथा ऋण हेतु प्राप्त आवेदनों के लिए बैंको से समन्वय कर ऋण आवेदनों को स्वीकृत कराने हेतु संबंधितों को कहा। संबल योजना के लंबित आवेदनों का समय सीमा मे निराकरण करें तथा ईकेवाईसी मे प्रगति लायें।

अमृत हरित अभियान के अन्तर्गत किए गए पौधारोपण के साथ निरंतर पौधारोपण का कार्य करें। सिटी फारेस्ट में किये जाने वाले बाउंड्री के कार्यो की जानकारी ली तथा सुधार के लिए इस्टीमेंट तैयार किये जाने हेतु उद्यान विभाग प्रभारी जगदीश वर्मा को कहा।

आयुक्त नें जर्जर भवनों को लेकर सभी उपयंत्रियों से वार्डवार जानकारी ली जिसमें ऐसे जर्जर भवन जिनको सूचना पत्र देने के बाद भी भवन स्वामी ना तो अपना जर्जर भवन तोड रहे ना ही सुधार कर रहे हैं ऐसे भवनों को तोडने की कार्रवाई करने के निर्देश उपयंत्रियों को दिए।

अलंकार मार्केट की बिल्डींग का जो जर्जर हिस्सा है उसका तत्काल निरीक्षण कर समय सीमा निर्धारित करें, व्यवसायकों को सुधार के लिए सूचना पत्र दें तत्पश्चात सुधार कार्य नही होने पर दुकाने सील करने के निर्देश दिए।

स्कुल एवं कॉलेजों के आसपास सिगरेट, पान गुटखा की दुकानों को हटाये तथा स्कुल एवं कॉलेजों के आसपास स्थाई दुकानों पर इस प्रकार की सामग्री पाये जाने पर सामग्री जप्त कर चालानी कार्रवाई करने हेतु कहा।

अवैध से वैध नल कनेक्शनों की जानकारी ली तथा वैध करने की कार्रवाई मे प्रगति नही होने पर आयुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए सहायक यंत्री जगदीश वर्मा, दिनेश चौहान एवं जाकिर अली को सूचना पत्र देने के साथ ही सभी उपयंत्रियों को चेतावनी देते हुए सिवरेज कनेक्शन, अवैध से वैध नल कनेक्शन, जिन वार्डो में अमृत 2.0 योजना अन्तर्गत डाली गई नवीन पानी की पाईप लाईन से नल कनेक्शनों मे प्रगति लाने हेतु कहा। विद्युत विभाग से संबंधित अधिकारियों को बडे पम्प तथा सीवरेज प्लांट के पम्पों की दक्षता को चेक करने हेतु कहा।

सांसद एवं विधायक निधि से किये जाने वाले कार्यो की प्रगति रिपोर्ट ली तथा किये जाने वाले कार्यो की कार्रवाई प्रचलन मे लाने के निर्देश सहायक यंत्री सोरभ त्रिपाठी को दिए।

आयुक्त ने समयावधि पत्रों एवं सीएम हेल्प लाईन की प्राप्त शिकायतों का समय सीमा मे निराकरण करने के निर्देश दिए।

युवाओं का हिमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, नेत्र परीक्षण के साथ हुई अन्य जांचें, आभा आईडी भी बनी

विनय उजाला

देवास, निप्र। कम उम्र में ही युवा गंभीर बीमारियों से घिरा रहे हैं। युवाओं की सेहत को ध्यान में रखते हुए मप्र के स्वास्थ्य विभाग ने पहल की है। योजना के अनुसार अब युवाओं की सेहत को समय रहते ही जांचा जा रहा है ताकि समय रहते युवाओं को इलाज के लिए उचित परामर्श मिल सके। इसी तारत्मय में देवास के स्वास्थ्य विभाग ने भी पहल की है तथा समय- समय पर युवाओं की सेहत जांची जा रही है। मंगलवार को भी युवा संगम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने खास तैयारी की और देश के भविष्य की सेहत जांची। अपनी सेहत के लिए जागरूक हो रहे युवाओं ने भी उत्साह दिखाया तथा विभिन्न परीक्षण कराए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि मंगलवार को जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय जिला देवास द्वारा मल्हार स्मृति हाल देवास में आयोजित युवा संगम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 138 युवाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। युवाओं का हीमोग्लोबिन, रक्त चाप, नेत्र एवं दंत परीक्षण किया गया। साथ ही बीएमआई स्क्रीनिंग, मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग एवं परामर्श सेवाएं भी प्रदान की गई। युवाओं की आभा आईडी अर्थात आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट भी बनाए गए।

स्वास्थ्य विभाग से डॉ. शाहिद शेख, जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी/जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, डॉ. बुलबुल काज़ी जिला समन्वयक-राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम- चिकित्सा अधिकारी डॉ नीलेश कायथ, दंत चिकित्सक डॉ शिवम पालीवाल, फॉमासिस्ट गुलरेज़ शेख, नेत्र सहायक दीपक श्रीवास, नर्सिंग ऑफिसर नर्सिंग ऑफिसर रितु केतवास, नर्सिंग ऑफिसर मनकक्ष देवास अनीता पॉल, एएनएम सायर कुम्भकार, उमंग स्वास्थ्य केंद्र परामर्शदाता अपर्णा वर्मा, शहरी स्वास्थ्य ऑपरेटर पूजा रजक एवं लक्ष्मी सोलंकी सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा युवाओं को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने हेतु परामर्श दिया गया। मार्गदर्शन सेवाओं में किशोरों एवं युवाओं हेतु निर्मित एआई बेस्ड एप्लीकेशन जस्ट आस्क चैट बॉट की जानकारी प्रदाय की गई। मानसिक स्वास्थ्य संबंधित मनहित ऐप एवं टेलीमानस हेल्पलाइन 14416 के बारे में बताया गया। टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच तथा आवश्यकतानुसार उपचार, परामर्श एवं संदर्भ सेवाएं प्रदान की गईं।

विश्व युवा कौशल दिवस पर जिला जेल में कौशल संवाद आयोजित, कौशल विकास से आत्मनिर्भर बनने का दिया संदेश

विनय उजाला

देवास, निप्र। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान देवास एवं जिला जेल देवास के संयुक्त तत्वावधान में जिला जेल परिसर में कौशल संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाकर सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेल अधीक्षक विद्या प्रसाद भूषण ने कहा कि सभी बंदियों को जेल में उपलब्ध कौशल प्रशिक्षण पूरी ईमानदारी और लगन से प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जेल की अवधि पूर्ण होने के बाद यही प्रशिक्षण उन्हें सम्मानपूर्वक जीवनयापन और रोजगार प्राप्त करने में सहायक बनेगा। कौशल विकास जीवन को नई दिशा देने के साथ परिवार का भविष्य भी उज्ज्वल बनाता है। जन शिक्षण संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश मेहरड़े ने कहा कि वर्तमान समय में कौशल विकास की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। प्रत्येक व्यक्ति यदि कोई न कोई कौशल सीख ले तो वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकता है तथा समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन सकता है। उन्होंने बताया कि जिला जेल में बंदियों को कंप्यूटर प्रशिक्षण एवं हेल्पर वायरमैन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिसमें बंदी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के विशेष अतिथि अनिल कुमार दुबे ने जिला जेल में पूर्व में संचालित ब्यूटी कल्चर प्रशिक्षण के सकारात्मक परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली कई महिला बंदियों ने जेल से बाहर आने के बाद स्वरोजगार शुरू कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के साथ सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करना प्रारंभ किया है।

जिले की सभी शासकीय आईटीआई में प्रवेश का द्वितीय चरण शुरू

खरगोन, निप्र। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के अंतर्गत जिले की समस्त शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (आईटीआई) में प्रवेश प्रक्रिया का द्वितीय चरण 16 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है। इस चरण में चयनित अभ्यर्थी 16 से 18 जुलाई 2026 तक संबंधित आईटीआई में उपस्थित होकर अपने दस्तावेजों का सत्यापन कराते हुए प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर सकेंगे। साथ ही तृतीय एवं चतुर्थ चरण में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए 16 जुलाई 2026 से रजिस्ट्रेशन एवं चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है। इन चरणों की चयन सूची 31 जुलाई 2026 को जारी की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी संचालनालय की वेबसाइट www.dsd.mp.gov.in अथवा संबंधित शासकीय आईटीआई के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

सभी सीएमओ और सीईओ को सुबह-सुबह फील्ड भ्रमण पर रहने के दिए निर्देश

दुकानों, ढाबों और मकानों के सामने कचरा मिलने पर लगाये स्पॉट फाइन : कलेक्टर सिंह

विनय उजाला

देवास, निप्र। कलेक्टर ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार, अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर विशाखा देशमुख, संयुक्त कलेक्टर अंशु जावला, एसीईओ जिला पंचायत एसएस सिंह सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। समय-सीमा बैठक में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए।

बैठक में कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत जिले में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्ययोजना की समीक्षा की। कलेक्टर सिंह ने निकायवार कचरा कलेक्शन की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में विकासखंडवार तैयार की गई कार्ययोजना की समीक्षा की।

कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन हो और कचरा प्रबंधन कार्ययोजना को समय-सीमा में धरातल पर उतारा जाए। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के अधिकारियों द्वारा फ्लो-चार्ट के माध्यम से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की पूरी कार्ययोजना जानकारी दी गई। नगरीय निकायों द्वारा गीला-सूखा कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट और 'रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल' (आरआरआर) सेंटर्स की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई।

कलेक्टर सिंह ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर कचरा कलेक्शन प्रणाली निर्मित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों की तर्ज पर ग्रामीण क्षेत्रों में भी एक सुदृढ़ कचरा कलेक्शन और प्रबंधन प्रणाली निर्मित की जाए, जिन पंचायतों में कचरा वाहन उपलब्ध हैं, वहां कल से ही अनिवार्य रूप से कलेक्शन का कार्य शुरू कर दिया जाए। ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग करने के लिए दो से तीन ग्राम पंचायतों के बीच एक कचरा गाड़ी चलाई जाये। किस दिन गाड़ी किस पंचायत में जाएगी, इसके लिए वाहनों की पंचायतों के साथ मैपिंग कर एक निश्चित रूट और दिन तय किया जाए।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि जिन पंचायतों में वर्तमान में कचरा डंप करने के लिए निर्धारित जगह नहीं है, वहां तत्काल भूमि का चिन्हांकन किया जाए। इन स्थानों का उपयोग कचरे के सेग्रीगेशन के लिए होगा। उन्होंने कहा कि गीला, सूखा प्लास्टिक और नॉन-प्लास्टिक कचरे को भी पूरी तरह पृथक करने की व्यवस्था की जाए। मॉनिटरिंग के लिए जिला पंचायत और विकासखंड स्तर पर नोडल अधिकारी बनाये जाये। ये अधिकारी सीधे तौर पर पंचायत स्तर के डेटा को मेंटेन रखने और प्रगति की निगरानी का कार्य करेंगे। उन्होंने हर पंचायत में बड़े रीयूजेबल गली बैग की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में कचरा कलेक्शन और सेग्रीगेशन के कार्य के लिए 2-2 व्यक्तियों को जिम्मेदारी सौंपी जाए।

इन कर्मियों को कचरा प्रबंधन के तकनीकी तौर-तरीकों की बकायदा ट्रेनिंग भी दी जाए ताकि कार्य वैज्ञानिक और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके।

पीएम आवास योजना में बड़ा घोटाला

238 में से 150 से अधिक अपात्रों को लाभ देने का आरोप, सरपंच ने कलेक्टर से की जांच की मांग

विनय उजाला

धामनोद, निप्र। प्रधानमंत्री आवास योजना में कथित अनियमितताओं को लेकर धामनोद क्षेत्र के ग्राम सेमल्दा में आरोप प्रत्यारोप का मामला सामने आया है ग्राम पंचायत की सरपंच लता गिरवाल ने ग्राम की महिलाओं के साथ धार कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और पीएम आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत हितग्राहियों का पुनः सत्यापन कराने की मांग की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि योजना में बड़े पैमाने पर अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाया गया, जिससे वास्तविक गरीब और जरूरतमंद परिवार आज भी पक्के मकान से वंचित हैं। सरपंच लता गिरवाल ने शिकायत में आरोप लगाया कि ग्राम में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत 238 नामों में से 150 से अधिक नाम ऐसे लोगों के हैं जो योजना की पात्रता के दायरे में नहीं आते। उनका कहना है कि अपात्र व्यक्तियों को लाभ मिलने से कई वास्तविक पात्र परिवारों के नाम सूची से बाहर रह गए और वे आज भी सरकारी योजना का लाभ पाने के लिए भटक रहे हैं।

पुनः सत्यापन की मांग : सरपंच के साथ पहुंचीं सुनीता, मंजुला, सरिता सहित अन्य महिलाओं ने कलेक्टर से मांग की कि ग्राम सेमल्दा में प्रधानमंत्री आवास योजना के सभी स्वीकृत हितग्राहियों का निष्पक्ष एवं पुनः भौतिक सत्यापन कराया जाए। उनका कहना है

सहायक सचिव पर मनमानी के आरोप

शिकायत में ग्राम पंचायत के सहायक सचिव संजय कुशवाहा पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सरपंच लता गिरवाल का कहना है कि योजना की पूरी प्रक्रिया सहायक सचिव द्वारा संचालित की जाती है और उसी स्तर पर मनमानी करते हुए अपात्र लोगों के नाम शामिल किए गए। उनका आरोप है कि पात्र हितग्राहियों की लगातार अनदेखी की गई, जिससे गरीब परिवार सरकारी योजना से वंचित रह गए।

पहले भी की थी शिकायत, नहीं हुई कार्रवाई

सरपंच ने बताया कि इस मामले की शिकायत पहले जनपद पंचायत स्तर पर भी की गई थी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। कार्रवाई नहीं होने पर अब महिलाओं और जनप्रतिनिधियों के साथ धार कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है।

कि यदि निष्पक्ष जांच हुई तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आएंगे और वास्तविक पात्र परिवारों को न्याय मिल सकेगा।

ग्राम पंचायत में पीएम आवास योजना को लेकर लगाए गए इन आरोपों ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो न केवल अपात्र हितग्राहियों के नाम सूची से हट सकते हैं, बल्कि योजना में कथित गड़बड़ी के जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर भी कार्रवाई की संभावना बन सकती है।

- इनका कहना है

जो आरोप लगाए निराधार है पर्यास जांच पड़ताल करके ही योजना के नाम के लिए स्वीकृति प्रदान हुई है।

संजय कुशवाह, सहायक सचिव

संक्षिप्त समाचार

विधिक साक्षरता शिविर में गुड टच-बैड टच से लेकर करियर तक हुई चर्चा'

हरसूद (विनय उजाला)। तहसील विधिक सेवा समिति हरसूद द्वारा बुधवार को शासकीय कस्तूरबा गाँधी बालिका छात्रावास छनेरा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड श्रीमती द्रुतिका उपाध्याय ने छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण विधिक विषयों पर सरल एवं प्रभावी ढंग से जानकारी प्रदान की। उन्होंने बालिकाओं को गुड टच एवं बैड टच की पहचान, किसी भी प्रकार के शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में अपनाए जाने वाले कानूनी उपाय तथा तत्काल सहायता प्राप्त करने के तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बालिका को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए तथा किसी भी अनुचित व्यवहार की जानकारी बिना किसी भय के अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिकारियों को देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों, उनकी सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनों तथा नालसा की एसिड अटैक पीड़ितों के लिए विधिक सहायता योजना की विस्तृत जानकारी भी दी गई। उन्होंने बताया कि एसिड हमले के पीड़ितों को निःशुल्क विधिक सहायता, आवश्यक कानूनी परामर्श तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाता है। शिविर में छात्राओं की करियर काउंसलिंग भी की गई। उन्हें शिक्षा के महत्व, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, आत्मविश्वास, अनुशासन तथा अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें सुरक्षित एवं जागरूक नागरिक बनने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर हॉस्टल अधीक्षक जयंती वास्कले एवं सहायक अधीक्षक कविता मुजाल्दे उपस्थित रहीं।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत पुलिस विभाग ने निकाली जागरूकता रैली

हरसूद (विनय उजाला)। नशे से दूरी है जरूरी अभियान पुलिस विभाग द्वारा चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत बुधवार को पुलिस विभाग द्वारा बाजार क्षेत्र छनेरा में जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें बडी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल थे। बुधवार दोपहर जागरूकता रैली में हाईस्कूल छनेरा से प्रारंभ हुई जो महाराणा प्रताप चौक, श्रीराम चौराहे से होते हुए वापस स्कूल पहुंची। रैली में छात्र-छात्राओं द्वारा आमजनों को नशे से दूरी बनाने के लिए जागरूक किया गया।

एक पेड़ गौमाता के नाम अभियान बना जनआंदोलन

हलहारिणी अमावस्या पर गौशाला में 64 पौधों का रोपण, गौसंरक्षण के साथ पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

विनय उजाला

मनावर, जिला धार। हलहारिणी अमावस्या के पावन अवसर पर ग्राम वायल स्थित श्री सिंगाजी गौमाता मंदिर परिसर में मंगलवार को आयोजित 'एक पेड़ गौमाता के नाम' अभियान जनसहभागिता का प्रेरक उदाहरण बन गया। गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ आयोजित इस अभियान में 21 त्रिवेणी एवं 43 फलदार पौधों सहित कुल 64 पौधों का रोपण किया गया। अभियान में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, ग्रामीणों, पत्रकारों और गौभक्तों ने भाग लेकर पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूज्य पंडित प्रवीण शर्मा 'राधे भैया' वराहेश्वर तीर्थ क्षेत्र बड़ा बड़दा ने विधिवत पूजन-अर्चन एवं पौधारोपण कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि 'एक

पेड़ गौमाता के नाम' केवल पौधारोपण का अभियान नहीं, बल्कि गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने कहा कि गौशाला परिसर में लगाए गए छायादार एवं फलदार पौधे भविष्य में गौमाता को प्राकृतिक छाया देंगे, वहीं पक्षियों और अन्य जीवों के लिए भोजन एवं आश्रय का भी माध्यम बनेंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाने और उसके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पाटीदार समाज जिलाध्यक्ष रामनारायण मोदी, उपाध्यक्ष महेंद्र पाटीदार, तहसील अध्यक्ष देवाराम पाटीदार, चौकी प्रभारी प्रशांत पाल, जिला पंचायत सदस्य गणेश जर्मन, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रकाश पांडे, विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रतिनिधि जगदीश मुकाती, कैलाश पटेल, विधायक प्रतिनिधि लोकेश पाटीदार, जन अभियान परिषद के भुवानसिंह गेहलोत, नवांकुर संस्था के प्रवीण बैरागी, प्रस्फुटन समिति, स्वयं सहायता समूह, शिक्षा विभाग अध्यक्ष राजेंद्र पाटीदार, सिताराम पाटीदार सिरसाला, डॉ संतोष इस्के, पशुपालन विभाग शांतिलाल पाटीदार अजंदा, वरिष्ठ पत्रकार कैलाश राठौड़, पन्नालाल गेहलोत, मेहबूब राही, दिलीप कुमरावत सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने पौधारोपण किया।

कार्यक्रम का संचालन सेवानिवृत्त शिक्षक तुकाराम पाटीदार ने किया। आभार उपसरपंच दिनेश पटेल ने व्यक्त किया।

अभियान में ग्राम पंचायत वायल के सरपंच, भागीरथ भाभर, रोजगार सहायक श्रीराम धनगर, पंच, सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि, पर्यावरण प्रेमी, गौभक्त तथा श्री सिंगाजी गौमाता मंदिर गोसेवा समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

आप अपने देश के लिए अद्भुत हो निरंतर चलते रहो : ईशा एली गेरिमो

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। किसी भी हितग्राही मूलक योजना का सफल परिणाम हम अन्तर्विभागीय समन्वय से ही प्राप्त कर सकते हैं। आशाग्राम ट्रस्ट में पुनर्वास कार्यों में हम इसे स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। ट्रस्ट के द्वारा सीमित संसाधनों में आदर्श परिणाम देकर देश के लिए अद्भुत कार्य किया है। उक्त बातें तंजानिया और इथोपिया से आए जर्मन लेप्रोसी एंड टीबी रिलीफ एसोसिएशन इंडिया जीएलआरए प्रतिनिधि मंडल ने कही। तंजानिया के श्री ईशा एली गेरीमो ने बताया कि हम बहुत सारे स्टेट में मूल्यांकन टीम के रूप में भ्रमण करते हैं, किंतु यहां एक ही स्थान पर हमें बहुत से पुनर्वास कार्यों को देखने का अवसर मिला। आशाग्राम ट्रस्ट एवं जीएलआरए बड़वानी में कुष्ठ रोगियों के जागरूकता अभियान के साथ-साथ शासन की विभिन्न योजनाओं में जोड़ने के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं। इस कार्य में स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय विभाग एवं अन्य प्राइवेट चिकित्सक भी समन्वय के साथ जुड़े हुए हैं।

ट्रस्ट के सचिव डॉ चक्रेश पहाड़िया द्वारा आशाग्राम ट्रस्ट के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान कर नये कुष्ठ रोगियों के लिए भी आवासीय व्यवस्था की जानकारी प्रदान की।

बाग पुलिस ने दुष्कर्म के प्रकरण में किया दो आरोपियों को गिरफ्तार

विनय उजाला

बाग, निप्र। दिनांक 13.07.2026 को पीडिता बाग का हाट बाजार होने से बाग बाजार करने आई थी बाजार करने के बाद अपने घर पर अकेली पैदल पैदल जंगल के रास्ते से जा ही थी उसी दौरान अकेली महिला होने से आरोपीयो ने सुनसान जगह का फायदा उठाकर उसके साथ जंगल में उसके साथ सामुहिक रुप से दुष्कर्म की घटना को थी। जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस थाना बाग द्वारा अपराध क्र.244/2026 धारा 64(2)(ड),70(1),351(3),3(5) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया। महिला सम्बंधि अपराध होने से पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए आरोपियो को शीघ्र गिरफ्तार करने एवं उचित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया जिसके पालन में एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विजय डावर, एसडीओपी श्री सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में दोनो आरोपियो को गिरफ्तार करने हेतु थाना प्रभारी बाग निरीक्षक हिरुसिह रावत के नेतृत्व में टीम गठीत कर आरोपी सुखराम पिता मानु मेहडा जाति भील उम्र 21 साल निवासी बाण्दा तथा भुचर पिता सुरसिह अनारे जाति भील उम्र 19 साल निवासी ढीलवानी को गिरफ्तार कर पुछताछ की गई जिन्होने सामुहिक रुप से दुष्कर्म की घटना घटित करना स्वीकार किया है। दोनो आरोपियो को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय कुक्षी पेश किया गया है।

उक्त कार्यवाही में निरीक्षक हिरुसिह रावत, उनि प्रमिला जमरे, सउनि दशरथसिह चौहान, म.प्र. सुमित्रा बघेल, म.आर. फुलवंति, प्र.आर. कैलाश गेहलोत, भावसिंह रावत, आर. राजु चौहान, आर. दुर्गेश, आर. कलमसिंह डुडवे, आर. लालसिह चौहान, आर. मुकेश का योगदान रहा है।

पश्चिम रेलवे – रतलाम

ई –निविदा सूचना

संख्या : W/623/5/3/NIT. **दिनांक :** 14/07/2026, **ई–टेंडरिंग :** RTM-2026-27-41R, **कार्य का नाम :** रतलाम डिवीजन– 13 स्टेशनों पर मार्ग को जोड़ने के लिए पीएफ छोर का प्रावधान (दिव्यांगजन सुविधाएं)। **अनुमानित मात्रा :** निविदा अनुसूची के अनुसार। **अनुमानित लागत :** ₹69,59,384.05/– **बयाना राशि :** ₹1,39,200.00/– **कार्य समापन की अवधि :** 12 महीने। **वेबसाईट पर अपलोड की तिथि :** 08/07/2026, **निविदा खुलने की तिथि :** 04/08/2026, • विस्तृत निविदा सूचना, अहाता शर्तें एवं अन्य शर्तें वेबसाईट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

SNP-157

हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

ई–टेंडरिंग सूचना

संख्या : डब्ल्यू/623/एनआईटी/1, **दिनांक :** 13/07/2026. **क्रम संख्या: 1. ई–टेंडर नं. :** आरटीएम–2026–27–60. **कार्य का नाम :** रतलाम डिवीजन – जीआरपी थाना/बैरक में सुधार/मरम्मत (7 स्टेशन –दाहोद एस, एमजीएन, सीओआर, यूजेएन, एसईएच, आईएनडी एवं डीएडीएन)। **अनुमानित मात्रा :** निविदा अनुसूची के अनुसार। **अनुमानित लागत :** ₹52,45,620.57/– **बयाना राशि :** ₹1,04,900.00/– **निविदा प्रपत्र की कीमत :** शून्य। **कार्य समापन अवधि :** 12 महीने। **वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि :** 13/07/2026. **निविदा खुलने की तिथि :** 05/08/2026. **क्रम संख्या: 2. ई–टेंडर नं. :** आरटीएम– 2026–27–61. **कार्य का नाम :** 1. चंदेरिया–रतलाम – चित्तौड़गढ़, निम्बाहेड़ा और शंभूपुरा स्टेशनों पर सम्बद्ध सुविधाओं के साथ मशीन साइडिंग उपलब्ध कराना, 2. रतलाम– खंडवा – नौगांवा, बड़नगर और पालिया स्टेशनों पर सम्बद्ध सुविधाओं के साथ मशीन साइडिंग उपलब्ध कराना और 3. चंदेरिया–रतलाम खंडवा सेक्शन – एसएसई (पीडब्ल्यू) एनएमएच, जेएओ, बीएनजी, डीएडीएन एवं केएनडब्ल्यू क्षेत्राधिकार के तहत कैजुअल रेल नवीनीकरण – कुल 11.0 टी किमी.. **अनुमानित मात्रा :** निविदा अनुसूची के अनुसार। **अनुमानित लागत :** ₹10,50,91,357.46/– **बयाना राशि :** ₹21,01,800.00/– **निविदा प्रपत्र की कीमत :** शून्य। **कार्य समापन अवधि :** 18 महीने। **वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि :** 13/07/2026. **निविदा खुलने की तिथि :** 05/08/2026. **क्रम संख्या: 3. ई–टेंडर नं. :** आरटीएम–2026–27–71. **कार्य का नाम :** 1. रतलाम डिवीजन – पॉइंट्समैन/ट्रैफिक असिस्टेंट के लिए हट जिसमें इलेक्ट्रिकल का काम भी शामिल है और 2. रतलाम डिवीजन – 68 स्टेशनों पर पीएफ के किनारे की पेंटिंग और स्ट्रक्चरल हिस्सों के लिए अलग रंग–रूप की व्यवस्था करना (दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ)। **अनुमानित मात्रा :** निविदा अनुसूची के अनुसार। **अनुमानित लागत :** ₹5,81,45,063.08/– **बयाना राशि :** ₹11,62,900.00/– **निविदा प्रपत्र की कीमत :** शून्य। **कार्य समापन अवधि :** 15 महीने। **वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि :** 13/07/2026. **निविदा खुलने की तिथि :** 12/08/2026. **क्रम संख्या: 4. ई–टेंडर नं. :** आरटीएम–2026–27–72, **कार्य का नाम :** चंदेरिया स्टेशन – पीएफ नं. 2 और 3 के प्लेटफॉर्म को ऊँचा (हाई लेवल) करना। **अनुमानित मात्रा :** निविदा अनुसूची के अनुसार। **अनुमानित लागत :** ₹5,16,24,710.24/– **बयाना राशि :** ₹10,32,500.00/– **निविदा प्रपत्र की कीमत :** शून्य। **कार्य समापन अवधि :** 15 महीने। **वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि :** 13/07/2026. **निविदा खुलने की तिथि :** 12/08/2026. • विस्तृत निविदा सूचना, अहाता शर्तें एवं अन्य शर्तें वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

SNP-156

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक - प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्यिक विभाग, एनएफआर अनुभाग मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008

कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM26-16	27-07-26 15:00:00

सं. क्रं.	लॉट क्रमांक	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की आखिरी तारीख एवं समय
1	MSS-BCT-ST-PrKiosk-48-26-1 (विविध-स्थिर-सेवाएँ - प्रचार कियोस्क)	सूरत (ST) स्टेशन पर प्रमोशनल कियोस्क / प्रोडक्ट डिस्प्ले के जरिए कमर्शियल विज्ञापन के कॉन्ट्रैक्ट के लिए 1 साल के लिए ई-ऑक्शन।	365	27-07-26 15:30:00
2	MSS-BCT-BSR-MedStn-103-26-1 (स्टेशन पर चिकित्सा सुविधाएँ)	वसई रोड रेलवे स्टेशन पर इमरजेंसी मेडिकल रूम के ज़रिए 5 साल के लिए चौबीसों घंटे मेडिकल सुविधाएं देना।	1826	27-07-26 15:40:00

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-26-31	27-07-26 15:00:00

सं. क्रं.	लॉट क्रमांक	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की आखिरी तारीख एवं समय
1	ADVT-BCT-KHAR-OH-497-26-1 (आउट ऑफ होम विज्ञापन)	खार रोड स्टेशन (पश्चिम) पर पश्चिम की ओर मुंह वाली दीवार पर LED लगाकर विज्ञापन दिखाने के लिए 5 साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1826	27-07-26 15:30:00
2	ADVT-BCT-CCG-OH-501-26-1 (आउट ऑफ होम विज्ञापन)	चर्चगेट स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 की पूर्वी तरफ सड़क की ओर मुंह वाली दीवारों पर 20 LCD/LED (कुल क्षेत्रफल 548 वर्ग फुट) के ज़रिए विज्ञापन दिखाने के लिए 5 साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1826	27-07-26 15:40:00
3	ADVT-BCT-MIRA-OSN-445-26-3 (स्टेशन परिसर में विज्ञापन (गैर-डिजिटल))	मीरा रोड (MIRA) स्टेशन पर 3 साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1096	27-07-26 15:50:00
4	ADVT-BCT-ADH-OSN-441-26-2 (स्टेशन परिसर में विज्ञापन (गैर-डिजिटल))	अंधेरी स्टेशन के ऊपरी डेक पर बैठने की व्यवस्था के साथ 'ग्लो लॉलीपॉप' (Glow Lollipop) के लिए 3 साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1096	27-07-26 16:00:00

संपर्क विवरण:- लैंडलाइन नंबर:- 02267644212, ईमेल आईडी:- acmadvtgbct@gmail.com

नोट: इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। वहां बताए गए कैटलॉग के तहत लॉट-वार विवरण उपलब्ध हैं।

0360

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

पागल कुत्ते का आतंकः 20 से अधिक लोग घायल, सरकारी अस्पताल में दो माह से रेबीज वैक्सीन गायब

कुत्ते ने मचाया आतंक, अस्पताल की लापरवाही ने बढ़ाई पीड़ितों की परेशानी

विनय उजाला

धामनोद, निप्र। नगर में एक बार फिर पागल कुत्ते का आतंक देखने को मिला। गुरुवार को पागल कुत्ते ने नगर के अलग-अलग इलाकों में हमला कर 20 से अधिक लोगों को काटकर घायल कर दिया।

सबसे गंभीर बात यह रही कि कुत्ते के काटने के बाद जब पीड़ित इलाज के लिए शासकीय अस्पताल पहुंचे तो वहां पिछले करीब दो माह से एंटी रेबीज वैक्सीन (एआरवी) उपलब्ध नहीं मिली। मजबूरन मरीजों को निजी मेडिकल और क्लीनिक से महंगे इंजेक्शन खरीदकर लगवाने पड़े।

जानकारी के अनुसार पागल कुत्ते ने पेट्रोल पंप के पास, मुख्य चौराहे, तहसील टप्पा कार्यालय, इच्छापूर्ति हनुमान मंदिर सहित कई स्थानों पर राहगीरों पर हमला कर

दिया। कुत्ते के अचानक हमले से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। अश्विन नामक युवक ने बताया कि वह दुकान जा रहा था, तभी कुत्ते ने उसे काट लिया। वहीं गोपाल महाजन को भी घर के बाहर कुत्ते ने अपना शिकार बनाया। सूचना मिलने पर नगर परिषद की टीम ने मौके पर पहुंचकर कुत्ते का रेस्क्यू किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की सीबीएमओ डॉ. कीर्ति बोरासी ने बताया कि जिला स्टोर से लगातार एंटी रेबीज वैक्सीन की मांग की जा रही है। इंडेंट भी जारी हो चुका है, लेकिन भोपाल स्तर पर तकनीकी कारणों से सप्लाई नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि जिला स्टोर से लगातार संपर्क किया जा रहा है और जल्द ही अस्पताल में वैक्सीन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

सरकारी अस्पताल में वैक्सीन नहीं, मरीजों की जेब पर पड़ा बोझ

घायलों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने बताया कि पिछले दो महीने से एंटी रेबीज वैक्सीन का स्टॉक खत्म है। अस्पताल से ही मरीजों को बाजार से इंजेक्शन खरीदने की सलाह दी गई। गोपाल महाजन ने बताया कि सरकारी अस्पताल में वैक्सीन नहीं मिलने के कारण उन्हें निजी क्लीनिक में महंगा इंजेक्शन लगवाना पड़ा। अन्य मरीजों को भी बाजार से दवाइयां और इंजेक्शन खरीदने पड़े, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ गया।

छात्रवृत्ति मामले की उच्च स्तरीय जांच की ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने की मांग

हरसूद (विनय उजाला)। बुधवार को सांदिपनी विद्यालय के छात्रवृत्ति मामले की उच्च स्तरीय जांच कराए जाने सहित अन्य बिंदुओं को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सदस्यों ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन नायब तहसीलदार सुरेशचंद्र बामनिया को सौंपा। जिसमें सांदिपनी विद्यालय के छात्रवृत्ति मामले की उच्च स्तरीय जांच की जाकर दोषी व्यक्ति को निलंबित कर उसके विरूद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। इसके अलावा समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी की सीमा बढाने की मांग की। कांग्रेसजनों ने बताया कि किसानों को यूरिया व खाद ई टोकन के माध्यम से वितरण किया जा रहा है। जिसमें भी अनेक अनियमितताएं आ रही है। जिन किसानों को टोकन दिए गए हैं उन्हें खाद वितरण न करते हुए खाद-बीज व्यापारियों द्वारा खुले बाजार में काला बाजारी कर खाद विक्रय किया जा रहा है। हाल ही में इस बाबत विभाग द्वारा कार्रवाई कर लाखों टन खाद जप्त किया गया। जांच में खाद के वितरण में स्टॉक में भारी अंतर पाया गया। इसलिए ई टोकन वितरण को सुगम बनाया जाए तथा ई टोकन की समय सीमा बढाई जाए। मुख्यमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में कांग्रेसजनों ने बताया कि शासकीय महाविद्यालय हरसूद में मनमाने तरीके से फीस बढाकर वसूली जा रही है।

कार्यकारी अभियंता

सार्वजनिक बांधकाम (पश्चिम)विभाग छत्रपती संभाजीनगर

यांचे कार्यालय दुरध्वनी क्रमांक-०२४०-२३३१२८८

ई-मेल westaurangabad.ee@mahapwd.gov.in वेब साईट-https://pwd.maharashtra.gov.in

ई-निविदा सुचना क्र. ११ सन २०२६-२७

१	कामाचे नाव	अंदाजपत्रकीय रक्कम (लाखात)
१	CONSTRUCTION OF BRIDGE WITH CONCRETE ROAD KANNAD KRUSHI OFFICER OFFICE TO KANNAD-BRHAMNI ROAD AND REPAIRS TO TALUKA KRUSHI ADHIKARI OFFICE AT KANNAD DIST. CHH. SAMBHAJINAGAR	१८४.७६
२	१) CONSTRUCTION OF RECORD ROOM IN TAHSIL OFFICE AT KANNAD २) RENOVATION OF MEETING HALL, HIRKANI KAKSHA AND PROVIDING FURNITURE TO MEETING HALL AND OTHER ANCILLARY WORK TO TEHSIL OFFICE ३) RENOVATION OF OLD TAHSIL OFFICE BUILDING AT KANNAD DIST. CHH.SAMBHAJINAGAR	६७.२८
३	REPAIRS TO GOVT. REST HOUSE, BUILDING & ALLIED WORKS AT PISHOR AND SUSHOBHIKARAN, FURNITURE WORK & REPAIRS TO GOVT. REST HOUSE BUILDING, PREMISES & ALLIED WORKS AT KANNAD DIST. CHH. SAMBHAJINAGAR	७८.९८
४	CONSTRUCTION OF ४ RESIDENTIAL QUARTER FOR CIVIL JUDGES (BALANCE WORK) AT KANNAD TO. KANNAD DIST. CHH. SAMBHAJINAGAR	२१.४५
५	CONSTRUCTION OF ENTRANCE GATES & COMPOUND WALL FOR SHREE KSHETRA GHRISHNESHWAR DEVELOPMENT AT VERUL, TQ. KHULTABAD, DIST.CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR	२१५.२२

आरओसी/2026-27/क्र-5/सी1732

कार्यकारी अभियंता
सार्वजनिक बांधकाम (पश्चिम) विभाग
छत्रपती संभाजीनगर

वनडे रैंकिंग जारी

अक्षर पटेल ऑलराउंडर्स की टॉप-10 लिस्ट में शामिल...

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में शानदार प्रदर्शन का इनाम भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल को आईसीसी वनडे रैंकिंग में मिला है। ताजा रैंकिंग में अक्षर तीन स्थान की छलांग लगाकर ऑलराउंडरों की सूची में नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बर्मिंघम में खेले गए पहले वनडे में अक्षर ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने चार विकेट लेने के साथ-साथ 52 गेंदों में 57 रन की महत्वपूर्ण पारी खेलकर भारत की छह विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस प्रदर्शन के दम पर अक्षर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 18 स्थान की छलांग लगाकर 73वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं गेंदबाजों की सूची में भी वह दो स्थान ऊपर चढ़कर 42वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

शुभमन गिल नंबर-1 बनने के करीब

वनडे टीम में वापसी करने वाले शुभमन गिल ने पहले मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 75 गेंदों में 80 रन बनाए। इस पारी के बाद उन्हें रैंकिंग में 12 रेटिंग अंक का फायदा हुआ है। अब गिल और वनडे के नंबर-1 बल्लेबाज डैरिल मिचेल के बीच सिर्फ 11 रेटिंग अंकों का अंतर रह गया है।

बुमराह और सुंदर को हुआ लाभ

लंबे समय बाद वनडे टीम में लौटे जसप्रीत बुमराह ने एक विकेट हासिल किया और गेंदबाजों की रैंकिंग में 24वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं वॉशिंगटन सुंदर ने नाबाद 52 रन की उपयोगी पारी खेली, जिसके बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में उन्होंने 24 स्थान की छलांग लगाकर 177वां स्थान हासिल किया। ऑलराउंडरों की सूची में भी वह 16 स्थान ऊपर चढ़कर 55वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

रूट और डॉसन को भी मिला फायदा

इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने 76 गेंदों में 76 रन की पारी खेली, जिसके बाद वह वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा लियाम डॉसन ने 68 रन की जुझारू पारी खेली, जिससे उन्हें बल्लेबाजों की रैंकिंग में 81 स्थान का फायदा हुआ और अब वह 262वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

स्पेन लगातार 37 मैचों तक रहा है अजेय

इटली के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी

डलास, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराने के साथ ही स्पेन ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में इतिहास रच दिया। इस जीत के बाद स्पेन ने 37 मैचों तक अजेय रहने के इटली के सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

स्पेन की ओर से मिकेल ओयारजाबाल और पेड्रो पोरो ने गोल किए। इस जीत के साथ मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने विश्व कप फाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना रविवार को न्यू जर्सी में अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। स्पेन ने लगातार 37 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में हार का सामना नहीं किया है। इसके साथ ही उसने इटली के 2018 से 2021 के बीच बनाए गए 37 मैचों के अपराजेय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। स्पेन अब फाइनल जीतकर 2010 की तरह यूरोपीय चैम्पियनशिप और विश्व कप दोनों खिताब अपने नाम करने की दहलीज पर है। अब स्पेन के पास फाइनल में जीत हासिल कर नया इतिहास रचने और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की सबसे लंबी अपराजेय श्रृंखला का नया विश्व रिकॉर्ड अपने नाम करने का सुनहरा अवसर होगा।

अजेय रहने वाली टीमें

इटली - 37 मैच (2018 से 2021)
स्पेन - 37 मैच (2024 से अब तक)
अर्जेंटीना - 36 मैच (2019 से 2022)
अल्जीरिया - 35 मैच (2018 से 2021)
स्पेन - 35 मैच (2007 से 2009)
ब्राजील - 35 मैच (1993 से 1996)
मोरक्को - 34 मैच (2025 से 2026)

मिठाइयों से बनाई मेसी की अनोखी मूरत

भारत में भी सिर चढ़कर बोल रहा है फीफा विश्व कप का जुनून

दुर्गापुर, एजेंसी

विश्व कप फुटबॉल का रोमांच बढ़ने के साथ ही अर्जेंटीना और उसके स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी को लेकर प्रशंसकों का उत्साह भी चरम पर है।

इसी उत्साह को खास अंदाज में पेश करते हुए पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर के वार्ड नंबर 24 स्थित मामड़ा बाजार की एक मिठाई की दुकान में पूरी तरह मिठाइयों से लियोनेल मेसी की आकर्षक प्रतिमा तैयार की गई है। इस अनोखी प्रतिमा को देखने के लिए बड़ी संख्या में फुटबॉल प्रेमी दुकान पर पहुंच रहे हैं। लोग प्रतिमा के साथ सेल्फी ले रहे हैं और मेसी-मेसी' तथा विवा अर्जेंटीना' के नारों से पूरा इलाका गूंज रहा है। विश्व कप के माहौल में मामड़ा बाजार मानो फुटबॉल प्रेमियों के लिए उत्सव स्थल बन गया है।

दुकान के मालिक देवाशीष घोष ने बताया कि वह बचपन से ही अर्जेंटीना के समर्थक और लियोनेल मेसी के बड़े प्रशंसक हैं। वर्ष 2022 की तरह इस बार भी उन्होंने मेसी की मिठाई से बनी प्रतिमा तैयार की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार भी विश्व कप की ट्रॉफी मेसी के हाथों में ही पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि लगभग डेढ़ किलोग्राम खोया, खीर, सफेद और डार्क चॉकलेट का उपयोग कर घर में ही इस प्रतिमा को तैयार किया गया है। उनके अनुसार यह केवल फुटबॉल प्रेम का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी है।

फुटबॉल से जोड़ने के उद्देश्य से किया नवाचार

देवाशीष घोष ने कहा कि आज के समय में अधिकांश बच्चे मैदान में खेलने के बजाय मोबाइल और गैजेट्स में अधिक समय बिताते हैं। बच्चों में फुटबॉल के प्रति रुचि बढ़ाने और उन्हें खेलों के महत्व से जोड़ने के उद्देश्य से उन्होंने मिठाई से मेसी की यह प्रतिमा बनाई है। विश्व कप के माहौल में दुर्गापुर की यह अनूठी पहल स्थानीय लोगों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बनी हुई है। फुटबॉल प्रेमियों के लिए यह स्वीट मेसी' आकर्षण का नया केंद्र बन गया है।

बुमराह बन सकते हैं मुंबई इंडियंस के कप्तान, पंड्या को दूसरी टीम से बदलने की संभावना

मुंबई, एजेंसी। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस के अगले कप्तान बन सकते हैं। हार्दिक पंड्या और टीम में शामिल एक पूर्व भारतीय कप्तान ट्रेड हो सकते हैं। हेड कोच महेला जयवर्धने समेत कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन सभी मुद्दों पर अंतिम फैसला अगले हफ्ते इंग्लैंड में होने वाली रीव्यू मीटिंग में लिया जा सकता है। बैठक में अंबानी परिवार और फ्रेंचाइजी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। पिछले 5 सीजन में मुंबई का प्रदर्शन खराब रहा है। टीम पिछले सीजन में 4 मैच जीतकर 8 अंकों के साथ 9वें स्थान पर रही थी। मुंबई इंडियंस ने अपना पिछला द्धक्रटाइटल 2020 में रोहित शर्मा की कप्तानी में जीता था। फाइनल में दिल्ली को 5 विकेट से हराया था। फ्रेंचाइजी ने 27 नवंबर 2023 को हार्दिक पंड्या को ट्रेड करके अपने साथ जोड़ा और फिर कप्तान बनाया था। लेकिन पंड्या की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन नहीं सुधरा। ड्रेसिंग रूम में अनबन की स्थिति बनी और कुछ रिपोर्ट्स में गुटबाजी की बातें भी सामने आईं।

स्पेन से हार के बाद टूटे एमबाप्पे ने कहा

हमने विश्वकप सेमीफाइनल जैसा खेल नहीं खेला

आर्लिंग्टन, एजेंसी

फीफा विश्वकप 2026 के सेमीफाइनल में स्पेन से 0-2 की हार के बाद फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे ने कहा कि उनकी टीम ने वैसा प्रदर्शन ही नहीं किया, जैसा विश्वकप के सेमीफाइनल में होना चाहिए था।

उन्होंने माना कि फ्रांस रणनीतिक, तकनीकी और समग्र प्रदर्शन के स्तर पर स्पेन से काफी पीछे रहा। पूरे टूर्नामेंट में आठ गोल कर शानदार फॉर्म में रहे एमबाप्पे अपनी टीम को लगातार तीसरे विश्वकप फाइनल में नहीं पहुंचा सके। स्पेन ने एटीएंडटी स्टेडियम में फ्रांस को हराकर उसका खिताब जीतने का सपना तोड़ दिया। मैच के बाद एमबाप्पे ने फ्रैंच ब्रॉडकास्टर एम6 से कहा, मुझे नहीं लगता कि हमने वैसा मैच खेला, जैसा हम खेलना चाहते थे। चाहे रणनीति की बात हो, तकनीकी स्तर की या हमारे पूरे प्रदर्शन की, हम हर मोर्चे पर पीछे रहे। उन्होंने कहा, जब आप विश्वकप के सेमीफाइनल में वह नहीं करते, जो करना चाहिए तो आप जीत नहीं सकते।

एमबाप्पे ने बताया कि फ्रांस की योजना स्पेन पर आगे से दबाव बनाकर उसे अपने खेल की लय में आने से रोकने की थी। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य था कि हम स्पेन पर आगे से दबाव बनाएं ताकि वह अपने धीमे और नियंत्रित खेल में न आ सके। क्योंकि खेल को नियंत्रित करने में वे हमसे बेहतर हैं लेकिन हम इसमें पूरी तरह असफल रहे।

एमबाप्पे ने स्वीकार किया कि पूरी टीम इस हार से बेहद निराश है। उन्होंने कहा, इस समय मैं शब्दों में नहीं बता सकता कि मैं और पूरी टीम कितनी निराश है। लेकिन हमें खुद को संभालना होगा, छुट्टियों पर जाना होगा और फिर नई शुरुआत करनी होगी। क्योंकि फुटबॉल किसी का इंतजार नहीं करता। हमें इस असफलता से सीख लेकर आगे बढ़ना होगा।

मिडफील्ड की कमजोरी हार का बड़ा कारण

एमबाप्पे ने हार का सबसे बड़ा कारण मिडफील्ड की कमजोरी को बताया। उन्होंने कहा, हम बार-बार मिडफील्ड में 3 बनाम 2 की स्थिति में फंसते रहे। स्पेन जैसी टीम के खिलाफ यह बहुत बड़ी समस्या है। जब ऐसी कई गलतियां एक साथ होती हैं तो नतीजा हार ही होता है। यह हमारे लिए बहुत बड़ी निराशा है। फ्रांस के कप्तान ने कहा कि टीम का सपना फाइनल में पहुंच कर देश को फिर से विश्व चैंपियन बनाने का था। उन्होंने कहा, हमारा सपना था कि हम फाइनल में पहुंचें, अपने देश को फिर से सपने देखने का मौका दें और इतिहास रचें लेकिन अब हमें इस हार का सामना सिर ऊंचा रखकर करना होगा। उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि जब आप जीतते हैं तो सिर ऊंचा रखकर जीतते हैं और जब हारते हैं तो सिर ऊंचा रखकर हार स्वीकार करनी चाहिए।

व्यापार

सीईटीए भारत-यूके की साझेदारी में महत्वपूर्ण क्षण, आर्थिक संबंध होंगे मजबूत : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), दोनों देशों की साझेदारी में एक महत्वपूर्ण क्षण है। इससे हमारे आर्थिक संबंध और गहरे होंगे। यह बयान बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के भारत-यूके सीईटीए के लागू होने की पोस्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कोट करते हुए लिखा, 'यह भारत-

यूनाइटेड किंगडम साझेदारी में एक महत्वपूर्ण क्षण है। सीईटीए और 'सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट' के लागू होने से हमारे आर्थिक संबंध और भी गहरे होंगे। ये समझौते मिलकर हमारी साझा महत्वाकांक्षाओं को हमारे लोगों के लिए ठोस अवसरों में बदलेंगे। सीईटीए से हमारे किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई को नई गति मिलेगी। कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को यूके के बाजार तक बेहतर पहुंच मिलेगी। इससे टेक्नोलॉजी, प्रोफेशनल सेवाओं और इनोवेशन के क्षेत्र में सहयोग भी बढ़ेगा, साथ ही कुशल भारतीय प्रतिभाओं की आवाजाही को भी बढ़ावा मिलेगा। पीएम ने आगे कहा कि सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट से यूके में कुछ समय के लिए काम कर रहे भारतीय पेशेवरों को बहुत मदद मिलेगी और भारतीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी।

75,000 से ज्यादा पेशेवरों को होगा फायदा : गोयल

भारत-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) बुधवार से लागू हो गया है। इसे आर्थिक नजरिए से बेहद अहम माना जा रहा है। इसके तहत दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार यह समझौता दोनों देशों के बीच बाजार तक पहुंच को बेहतर बनाने, औद्योगिक इनोवेशन को तेज करने और पेशेवर स्तर पर आवाजाही को बढ़ाने के लिए एक नियामक ढांचे के तौर पर काम करेगा, इससे 75,000 से ज्यादा पेशेवरों को लाभ होगा। इस एफटीए के साथ ही भारतीय निर्यातकों को यूके का बड़ा बाजार मिल गया है, जिसे दुनिया के सबसे प्रीमियम कंज्यूमर मार्केट्स में गिना जाता है। इस समझौते के चलते भारत के 99 प्रतिशत सामान को यूके में जीरो-ड्यूटी के साथ एंट्री मिलेगी, जिससे असल में देश के यूके के साथ कुल व्यापार मूल्य का लगभग 100 प्रतिशत हिस्सा ड्यूटी-फ्री हो जाता है।

भारत-यूके एफटीए व्यापार समझौतों का 'न्यू गोल्ड स्टैंडर्ड' : कैमरन

भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लागू होने को दोनों देशों के संबंधों में एक 'ऐतिहासिक क्षण' बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता व्यापार, निवेश, रोजगार और आर्थिक सहयोग के नए अवसर खोलेगा तथा दोनों देशों की साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। इससे लंबे समय में दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार में 25 अरब पाउंड से अधिक की वृद्धि होने की संभावना है, जबकि दोनों देशों की संयुक्त जीडीपी में लगभग 5 अरब पाउंड का इजाफा हो सकता है।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री जून में 3.88 लाख यूनिट्स के पार हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री (कंपनियों द्वारा डीलर्स को बिक्री) जून में सालाना आधार पर 24.1 प्रतिशत बढ़कर 3,88,144 यूनिट्स रही है। इससे पिछले वर्ष समान अवधि में यह आंकड़ा 3,12,851 यूनिट्स था।

यह जानकारी इंडस्ट्री बॉडी सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से बुधवार को जारी डेटा में दी गई। सियाम के डेटा के मुताबिक, यात्री वाहनों में यूटिलिटी व्हीकल (यूवी) सेगमेंट लगातार बढ़ रहा है और जून में इसकी सालाना वृद्धि दर 19.9 प्रतिशत रही और वॉल्यूम 2,17,228 यूनिट्स रही। यात्री गाड़ियों की बिक्री सालाना आधार पर 15.7 प्रतिशत बढ़कर 98,610 यूनिट्स हो गई है। वैन की बिक्री सालाना आधार पर 9.5 प्रतिशत बढ़कर 10,230 यूनिट्स पर पहुंच गई है।

दोपहिया वाहन श्रेणी ने भी मजबूत रफ्तार बनाए रखी। जून में कंपनियों की ओर से डीलरों को भेजे गए दोपहिया वाहनों की संख्या 18.6 प्रतिशत बढ़कर 18,51,400 यूनिट्स हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह आंकड़ा 15,61,283 यूनिट्स पर था। दोपहिया वाहनों में स्कूटर सबसे तेजी से बढ़ने वाली श्रेणी रही। इसकी घरेलू बिक्री 39.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 7,44,823 यूनिट्स पर पहुंच गई। वहीं, मोटरसाइकिल की बिक्री 6.4 प्रतिशत बढ़कर 10,56,422 यूनिट्स हो गई, जबकि मोपेड की बिक्री कम आधार के चलते 50.4 प्रतिशत बढ़कर 50,155 यूनिट्स हो गई है।

तिपहिया वाहनों की बिक्री 26 प्रश बढ़ी

तिपहिया वाहनों की डीलरों को बिक्री सालाना आधार पर 26.1 प्रतिशत बढ़कर 77,951 यूनिट्स हो गई है, जबकि पिछले वर्ष जून में यह आंकड़ा 61,828 यूनिट्स पर था। जून में पैसेंजर कैरियर वाहनों की बिक्री 25 प्रतिशत बढ़कर 64,181 यूनिट्स रही, जबकि गुड्स कैरियर वाहनों की बिक्री 29.4 प्रतिशत बढ़कर 11,828 यूनिट्स पर पहुंच गई। इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों ने भी मजबूत वृद्धि दर्ज की। ई-रिक्शा की बिक्री 52.4 प्रतिशत बढ़कर 1,590 यूनिट्स हो गई। सियाम के आंकड़ों के अनुसार, जून में वाहन निर्यात भी मजबूत बना रहा। कुल वाहन निर्यात सालाना आधार पर 34 प्रतिशत बढ़कर 6,73,105 यूनिट्स पर पहुंच गया है। इसमें दोपहिया वाहनों के निर्यात में 40.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो बढ़कर 5,43,684 यूनिट्स पर पहुंच गया। वहीं, तिपहिया वाहनों का निर्यात 39.7 प्रतिशत बढ़कर 51,950 यूनिट्स हो गया, जबकि यात्री वाहनों का निर्यात लगभग स्थिर रहा और 76,601 यूनिट्स दर्ज किया गया।

सोने में गिरावट जारी, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चेन्नई में आज सोने के भाव में 500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

अबू धाबी के लिए एयर इंडिया ने भरी पहली उड़ान

नवी मुंबई एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय सेवा हुई शुरू

नई दिल्ली/अबू धाबी, एजेंसी

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से बुधवार को अंतरराष्ट्रीय सेवा की शुरुआत हुई, जिसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एयरपोर्ट से अबूधाबी के लिए पहली उड़ान भरी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने हवाई अड्डे से अबू धाबी के लिए पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित की। करीब 100 यात्रियों को लेकर एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान भारतीय समयानुसार देर रात 2:55 बजे (आईएसटी) रवाना हुई। इसने करीब 2.30 (ढाई घंटे) का सफर तय कर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबूधाबी हवाई अड्डे पर लैंडिंग की।

एयरलाइन के मुताबिक यह उड़ान एयर इंडिया एक्सप्रेस बोइंग 737 मैक्स 8 विमान से संचालित की गई। उड़ान भरने से पहले विमान के पायलट ने इसे एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण यात्रा बताया। इस उड़ान के साथ जल्दी खराब होने वाले (पेरिशेबल) उत्पादों की पहली अंतरराष्ट्रीय खेप भी भेजी गई। एयर इंडिया एक्सप्रेस हफ्ते में 3 बार अबूधाबी के लिए उड़ानें संचालित करेगी। उल्लेखनीय है कि 25 दिसंबर, 2025 को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से घरेलू सेवाएं शुरू हुई थीं। इस एयरपोर्ट का विकास कई चरणों में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एनएमआईएएल) कर रही है।

मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

निवेशकों ने कमाए 3.37 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली, एजेंसी

एक दिन की कमजोरी के बाद घरेलू शेयर बाजार आज वापस हरे निशान में पहुंच कर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। दिन के पहले सत्र में बाजार मामूली उतार-चढ़ाव का सामना करते हुए लगातार बढ़त के साथ कारोबार करता रहा। हालांकि दोपहर एक बजे के करीब बिकवाली का जोरदार दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरकर कुछ देर के लिए लाल निशान में भी पहुंचे। इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों ने वापस हरे निशान में जगह बना ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज बाजार की मजबूती की वजह से निवेशकों को लगभग 3.37 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया।

बीएसई का सेंसेक्स आज 137.82 अंक की मजबूती के साथ 77,192.76 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 591.33 अंक की मजबूती के साथ 77,646.27 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद काफी देर तक यह सूचकांक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ दिन के ऊपरी स्तर के करीब ही कारोबार करता रहा।

दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले अचानक बिकवाली का दबाव बनने की वजह से यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 663.45 अंक टूट कर 72.12 अंक की कमजोरी के साथ 76,982.82 अंक के स्तर तक गिर गया। थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर इस सूचकांक को दोबारा हरे निशान में पहुंचा दिया। सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 202.61 अंक की रिकवरी कर 130.49 अंक की बढ़त के साथ 77,185.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की भूमिका और नशामुक्ति की अनिवार्यता : एसपी शर्मा

जागरूकता रैली के साथ दिया नशामुक्त समाज का संदेश

विनय उजाला

धार, निप्र। नशामुक्त समाज के निर्माण और युवाओं को नशे की जकड़ से बाहर निकालने के उद्देश्य से जिला पुलिस धार द्वारा 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' जन-जागरूकता अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। 15 से 30 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस विशेष अभियान का आगाज आज स्थानीय पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा ने कहा कि नशा किसी एक व्यक्ति की समस्या नहीं, बल्कि यह पूरे परिवार और समाज को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे न केवल खुद नशे से दूर रहें, बल्कि एक जागरूक नागरिक के रूप में समाज को भी जागरूक करें। अपनी ऊर्जा को खेल, शिक्षा, कला और सामाजिक कार्यों में लगाएं। जब आप किसी रचनात्मक काम में व्यस्त होंगे, तो नशा आपके करीब भी नहीं फटकेगा। हम सभी आज के अभियान के 'दूत' बनें। अपने आसपास के वातावरण को नशामुक्त रखने की पहल करें। नशे के विकल्प के रूप में योग, खेल, संगीत, कला और कौशल विकास को अपनाएं। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। शुभारंभ के अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा ने एनसीसी कैडेट्स के साथ मिलकर जागरूकता प्रचार वाहन और बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई। पीजी कॉलेज परिसर से शुरू हुई यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहाँ युवाओं और नागरिकों ने नशामुक्त समाज का संदेश दिया।

कार्यक्रम में कलेक्टर राजीव रंजन मीणा, एसपी सचिन शर्मा, अपर कलेक्टर संजीव केशव पाण्डे, एसडीएम अंकिता प्रजापत, एएसपी विजय डावर, एएसपी पारूल बेलापुरकर, रक्षित निरीक्षक पुरुषोत्तम बिश्नोई सहित प्रशासनिक अधिकारी, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। जिला पुलिस ने धार के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान का हिस्सा बनें और समाज को स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त बनाने में अपना सक्रिय योगदान दें।

ग्रामीण स्तर पर होंगे जागरुक कार्यक्रम

15 दिनों तक चलने वाले इस अभियान के दौरान व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शहर के शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर सेल्फी प्वाइंट, हस्ताक्षर अभियान और पोस्टर-बैनर लगाए जाएंगे। साथ ही नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, भाषण प्रतियोगिताएं और विद्यालयों में बौद्धिक सत्रों का आयोजन होगा। सिनेमा घरों, एलईडी स्क्रीन और आकाशवाणी के माध्यम से पुलिस अधीक्षक की अपील प्रसारित की जाएगी। सोशल मीडिया का भी भरपूर उपयोग किया जाएगा। अभियान में जिला चिकित्सालय, ब्रह्माकुमारी संस्थान, गायत्री परिवार और सामाजिक न्याय विभाग जैसे विभिन्न सामाजिक संगठनों का सक्रिय सहयोग लिया जाएगा। नशा छोड़कर नया जीवन शुरू करने वाले व्यक्ति अपने अनुभव साझा करेंगे ताकि अन्य लोग प्रेरित हो सकें।

संक्षिप्त समाचार

अशोक लहरी बने निरीक्षक, अधिकारियों ने स्टार लगाकर किया प्रमोशन

धार, निप्र। पुलिस मुख्यालय द्वारा गत दिनों प्रमोशन सूची जारी की थी, जिसमें कई एसआई को निरीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया था। इस सूची में धार कोतवाली थाने पर पदस्थ उनि अशोक लहरी भी शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक में एसपी सचिन शर्मा के निर्देशन व एएसपी विजय डावर के मार्गदर्शन में डीएसपी आनंद तिवारी, थाना प्रभारी ईश्वर सिंह चौहान व समीर पाटीदार द्वारा वर्दी पर तीसरा स्टार लगाकर नई जिम्मेदारी निरीक्षक के रुप में सौंपी है। अधिकारियों ने कहा कि कि पुलिसकर्मी की पहचान उसकी कार्यशैली, ईमानदारी और जनता के प्रति जिम्मेदारी से होती है। नई भूमिका का निर्वहन पूरी निष्ठा, निष्पक्षता और नैतिक मूल्यों के साथ करने की बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी। प्रमोशन मिलने पर अशोक लहरी का कोतवाली थाने पर भी स्वागत किया गया।

बाल लैंगिक शोषण को रोकने के लिये 6 दिवसीय आयोजन मनावन में

मनावर (अनिल तोमर)। सांदीपनि विद्यालय में बाल लैंगिक शोषण को लेकर प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षण मुंबई स्थित अर्पण सस्था द्वारा बाल लैंगिक शोषण को रोकने के लिये 6 दिवसीय धार जिला अंतर्गत मनावर में आयोजित किया जा रहा है, यह आयोजन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धार अभिषेक चौधरी, जिला परियोजना समन्वयक अभिषेक यादव के निर्देशन में तथा विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी मुन्नालाल ठाकुर और BRC किशोर कुमार बाधेश्वर, सांदीपनी विद्यालय के प्राचार्य सोहन शिंदे के सहयोग से कक्षा 01 से 08 तक पढ़ाने वाले शिक्षको को यह व्यक्तिगत सुरक्षा शिक्षा कार्यक्रम अंतर्गत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शिक्षको की क्षमता निर्माण के साथ बाल लैंगिक शोषण के मुद्दो को सम्बोधित करने के लिये प्रासंगिक ज्ञान और (कौशल के साथ प्रशिक्षित करना है) करने के लिए आयोजित किया जा रहा है, इस प्रशिक्षण के साथ शिक्षक, माता-पिता तथा वयस्क भागीदारों के लिये जागरूकता सत्र आयोजित करेंगे और बच्चों को उनकी आयु के अनुसार जानकारी देने में सक्षम होगें व असुरक्षित परिस्थितियों का सामना करने के लिये प्रभावी ढंग से तैयार करेंगे। इस प्रशिक्षण के आयोजन में सहयोग हेतु विकास खण्ड शिक्षा कार्यालय मनावर से अकादमिक समन्वयक भागीरथ राठौर भरत बरफा, अशोक सोलकी तथा प्रशिक्षण प्रभारी जनशिक्षक सुरेश पाटीदार, प्रकाश वर्मा, महेन्द्र अलावा, राजा पाठक, आदि का विशेष सहयोग रहा व प्रशिक्षण में मुबई से अपर्ण सस्था के मास्टर ट्रेनर प्रशांत गीते व नुपूर मेम द्वारा दिया जा रहा। अर्पण संस्था एक पुरस्कार विजेता गैर सरकारी सस्था है यह मुबई सहित विश्व स्तर पर मान्यता अतर्राष्ट्रीय सस्था है जो बाल लैंगिक शोषण से मुक्त करने की दिशा में कार्य कर रही।

बीती रात्रि को शार्ट सर्किट से मकान में लगी आग सामान जलकर हुआ खाक

बाग, निप्र। बीती रात्रि को एक मकान में शार्ट सर्किट से लगी आग सामान जलकर हुआ खाक स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू किया गया। गवलीपुरा निवासी नारायण राठोर कै मकान में बीती रात्रि करीब 10 बजे के लगभग शार्ट सर्किट होने से आग लग गई आग की लपटे बहुत तेज थी मकान के अंदर उठ रहे धूएं ओर लपटों से मकान मालिक और मोहल्लेवासियों को पता चला जेसे ही आग बुझाने में लग गये बड़ी मशक्कत के बाद सभी की मदद से आग पर काबू किया गया इस दौरान मकान मालिक के पुत्र भुपेंद्र राठोर ने घटना की जानकारी देते हुए बताया की आग लगने का कारण शार्ट सर्किट ही हे ओर इसमें सब बांस से बने सुपड़े ओर बांस के टोपलें टोकरी एवं बिस्तर एसे अन्य सामग्री जलकर खाक हो गई मकान का छत भी लकड़ीयो बल्ली डांडे लकड़ी के थे आग की लपटों में आकर जल गये इस तरह करीब 50 हजार के उपर का नुक्सान इस आग में हुआ हे। फिलहाल मौका पंचनामा नही बना है जिसकी सुचना अब हमारे द्वारा संबंधित से की जाएगी। भूपेंद्र राठोर ने यह भी बताया की हम लोग पास वाले मकान में रहते थे आग पुराने मकान में लगी जहां हमारी दुकान का सामान पड़ा था जेसे ही धूंआ उठता देखा तो हम चौक गये ओर चिल्ला चोट करने पर सभी लोग आ गये जिन्होंने आग बुझाने में पुरी मदद की।

डॉ बीएमओ श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक ली , सभी को शत प्रतिशत कार्य पुर्ण करने के निर्देश दिए

बाग, निप्र। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाग में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ नितिन श्रीवास्तव बीएमओ बाग की अध्यक्षता समस्त सब हेल्थ सेंटर मे पदस्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई समीक्षा बैठक में निम्न बिन्दुओं पर समीक्षा की गई। जिसमें - मातृत्व स्वास्थ कार्यक्रम अंतर्गत समस्त गर्भवती महिलाओं की न्यू अनमोल 2.0 पोर्टल पर शतप्रतिशत पंजीयन,शीघ्र पंजीयन, हाईरिस्क स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन, Hbnc/Hbyc लाइफ जन्म के अनुसार आशा सॉफ्टवेयर में एंट्री.सिकल सेल पोर्टल पर आभा द्वस्त्र. एवं सभी गर्भवती महिलाओं की सिकल सेल जांच,धरती आभा ग्राम अंतर्गत पत्र हितग्राहियों के टारगेट अनुसार आयुष्मानकार्ड,स्वस्थ यकृत मिशन अंतर्गत स्क्रीनिंग एवं पॉजीटिव व्यक्तियो की लाइन लिस्ट समीक्षा दस्तक अभियान अंतर्गत (0 से 5) वर्ष तक के बच्चों का स्क्रीनिंग करना और ष्ठस्स्-टूल पर एंट्री कर एनीमिक बच्चों नजदीक स्वास्थ्य केंद्र पर रेफर करना CDR/MDR अधिसूचना समीक्षा TB प्रोग्राम की समीक्षा एवं समस्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा की गई एवं सप्ताह के अंदर शत प्रतिशत कार्य में प्रगति लाने हेतु बीएमओ डॉ नितिन श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित किए गए हैं।

विधायक निधि से स्थापित विद्युत डीपी का लोकार्पण, ग्राम मेहणी के बीस फलिया में पहुँची बेहतर बिजली व्यवस्था

कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान बोले - ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

विनय उजाला

आलीराजपुर, निप्र। जिले की ग्राम पंचायत मेहणी के बीस फलिया में आज विधायक निधि से स्वीकृत विद्युतीकरण कार्य के अंतर्गत स्थापित नवीन विद्युत डीपी का लोकार्पण मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं नारियल फोड़कर किया गया।

लोकार्पण के दौरान कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। विद्युत व्यवस्था को मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, ताकि किसानों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि इस नवीन विद्युत डीपी की स्थापना से क्षेत्र में लंबे समय से बनी वोल्टेज की समस्या का समाधान होगा। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त एवं नियमित विद्युत आपूर्ति मिलेगी, जिससे खेतों तक पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और सिंचित क्षेत्र का विस्तार होगा। परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी तथा किसानों की आय में भी सकारात्मक बढ़ोतरी होगी।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बेहतर विद्युत व्यवस्था का लाभ केवल किसानों तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विद्यार्थियों को भी पढ़ाई के लिए निर्बाध बिजली उपलब्ध होगी। साथ ही ग्रामीणों को घरेलू उपयोग के लिए गुणवत्तापूर्ण बिजली मिलने से उनका दैनिक जीवन अधिक सुगम बनेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने नवीन विद्युत डीपी की स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान का आभार माना। ग्रामीणों ने कहा कि इस कार्य से गांव की वर्षों पुरानी बिजली संबंधी समस्या का स्थायी समाधान हुआ है, जिससे पूरे क्षेत्र को सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री रितेश डावर, सरपंच मेश्राम, मुकेश सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री का पुष्पमालाओं से स्वागत कर उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

वर्ष 3 के पाठ्यमकम पर एक दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण का हुआ सफल आयोजन

विनय उजाला

गंधवानी, निप्र। विकासखण्ड गंधवानी में सक्षम कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष-3 के पाठ्यकम पर शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया उक्त प्रशिक्षण का आयोजन शासकीय मॉडल स्कूल गंधवानी समय 10:00 से 5:00 तक आयोजित किया गया प्रशिक्षण की शुरुआत ब्लॉक अकादमिक समन्वयक श्रीमती यशोदा परमार मैडम,मॉडल स्कूल के प्राचार्य श्री विश्वजीत मालवीय दिलीप सूर्यवंशी द्वारा मां सरस्वती पूजन कर की गई। इसके पश्चात प्रशिक्षण को आगे बढ़ाते हुए प्रशिक्षण की रूपरेखा, पिछले वर्ष की उपलब्धियों पर चर्चा की गई तथा 11 जीवन कौशल पर प्रतिभागियों की समझ विकसित की, इसके बाद वर्ष 3 के पाठ्यक्रम पर चर्चा कर 1 से 9 सत्रों पर प्रतिभागियों की समझ विकसित की गई साथ ही जेंडर परिवर्तनकारी व्यवहारों पर डोमेन आधारित चर्चा के समूह कार्य करवाया गया। सके पश्चात सत्र के मुख्य तत्वों के बारे में बताया गया ओर रूज्ञ द्वारा सत्र 05 का डेमो करवाया गया इसके बाद स्क्रज्ञ पर वीडियो आधारित चर्चा की गई ओर अंत में क्लोजिंग सर्कल कर प्रशिक्षण का समापन किया गया। प्रशिक्षण में मुख्य भूमिका मास्टर ट्रेनर्स श्री निलेश गुप्ता सर, श्री करण सर कनासे सर की रही ओर साथ ही मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन से ब्लॉक मैनेजर श्री सचिन पटवा जी का सहयोग ओर मार्गदर्शन पूरे प्रशिक्षण में रहा।

पदोन्नति की कार्यवाही में गति लाने जिलों में शिविर लगाए जाएंगे : आयुक्त राठी

विनय उजाला

धार, निप्र। जनजातीय कार्य विभाग के आयुक्त श्री तरुण राठी की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन, मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ शैक्षणिक संवर्ग के शिक्षकों की पदोन्नति संबंधी महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर संचालक श्री सुधीर जैन सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के उपरांत ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन द्वारा अपर संचालक पद पर पदोन्नत होने पर श्री सुधीर जैन का डायरी एवं पेन भेंट कर अभिनंदन किया गया। इसी अवसर पर पदोन्नत अधिकारियों श्री नीलेश रघुवंशी एवं श्रीमती उषा अजय सिंह का भी सम्मान एवं अभिनंदन किया गया।

एसोसिएशन की ओर से प्रदेश अध्यक्ष डी के सिंगौर, संयुक्त सचिव अरुण कुशवाह,प्रांतीय महासचिव शिरीन कुरैशी, सक्रिय सदस्य हीरा नन्द नरवरिया, दिलीप मरावी, देवेंद्र नामदेव, दिनेश पाटीदार आदि उपस्थित थे।

बैठक में ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन ने उच्च माध्यमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक की पदोन्नति से जुड़े सभी विषयों को विस्तारपूर्वक रखा। विस्तृत चर्चा के उपरांत निम्न महत्वपूर्ण निर्णय एवं आश्वासन सामने आए। जिसमें उच्च माध्यमिक शिक्षकों की वरिष्ठता सूची 01 अप्रैल 2026 की स्थिति में अति शीघ्र जारी की जाएगी तथा उसी के आधार पर पदोन्नति की कार्यवाही की जाएगी। वर्तमान स्थिति में 400 से अधिक उच्च माध्यमिक शिक्षकों की पदोन्नति होने की संभावना है।

शुक्रवार को व्याख्याता पद की विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक आयोजित होगी, जिसके पश्चात उच्च माध्यमिक शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

उच्च श्रेणी शिक्षकों की पदोन्नति संबंधी प्रक्रिया भी समानांतर रूप से संचालित की जाएगी। उच्च माध्यमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक की पदोन्नति हेतु गोपनीय चरित्रावली (सीआर) सहित आवश्यक औपचारिकताओं के लिए आयुक्त कार्यालय से सभी जिलों को निर्देश जारी किए जाएंगे।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न

विनय उजाला

झाबुआ, निप्र। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष महोदया श्रीमती आशिता श्रीवास्तव के संरक्षण व मार्गदर्शन में दिनांक 15 जुलाई-2026 को नालसा, सालसा की योजनाओं सहित सामुदायिक मध्यस्थता विषय पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री शिव कुमार डावर की अध्यक्षता एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जयदेव माणिक की उपस्थिति में ग्राम पंचायन बन जिला झाबुआ में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। अपने संबोधन में श्री डावर ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि कानून की अनभिज्ञता किसी भी नागरिक के लिए नुकसानदेह हो सकती है, इसलिए हर व्यक्ति को अपने मौलिक अधिकारों और कानूनी प्रावधानों के प्रति सजग रहना आवश्यक है। उन्होंने नालसा की विभिन्न जनकल्याणकारी और निःशुल्क कानूनी सहायता योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अदालतें केवल सजा देने के लिए नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय दिलाने के लिए भी काम करती हैं। भाषण के दौरान श्री डावर ने सामाजिक कुरीतियों पर बोलते हुये कहा कि बाल विवाह जैसी कुप्रथाएं बच्चों के भविष्य और उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हैं। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे बाल विवाह को पूरी तरह रोके और यदि कहीं ऐसा होता दिखे, तो तुरंत इसकी सूचना प्रशासन को दें। इसके साथ ही उन्होंने नशा उन्मूलन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ी को बर्बाद कर देता है। नशे की लत से अपराध बढ़ते हैं, इसलिए एक स्वस्थ और अपराध मुक्त समाज के निर्माण के लिए नशे के खिलाफ सामूहिक जंग छेड़नी होगी। न्यायाधीश महोदय ने विवादों के त्वरित और शांतिपूर्ण निपटारे के लिए सामुदायिक मध्यस्थता के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि हर छोटे-मोटे विवाद को लेकर अदालत आने के बजाय ग्रामीण स्तर पर ही आपसी समझ और मध्यस्थता से मामलों को सुलझाना सबसे उत्तम मार्ग है, इससे समय और पैसे दोनों की बचत होती है।

आधुनिक युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए शिविर में उपस्थित स्कूली छात्र/छात्राओं, ग्रामीणों को आईटी एक्ट (सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम) के बारे में सचेत किया।

झाबुआ संवाद 2026 : परंपरा से उद्यमिता की ओर एक सशक्त पहल

2-3 अगस्त को झाबुआ में जुटेंगे देशभर के युवा, शोधकर्ता, शिक्षाविद एवं जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधि

अशोक बलसोरा

झाबुआ। आगामी 'झाबुआ संवाद 2026' (2-3 अगस्त 2026) के सफल आयोजन को लेकर आज झाबुआ में संचालन समिति एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के उपरांत आयोजित प्रेस वार्ता में कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य, दीर्घकालीन दृष्टि तथा आयोजन की अवधारणा पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। प्रेस वार्ता में बताया गया कि 'झाबुआ संवाद' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि जनजातीय समाज की परंपराओं, ज्ञान, संस्कृति, प्रकृति और स्थानीय उद्यमिता को जोड़ने वाला राष्ट्रीय संवाद मंच है। इसका उद्देश्य जनजातीय समाज के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक अवसरों से जोड़ते हुए आत्मनिर्भरता और सतत विकास की नई दिशा देना है।

आयोजकों ने बताया कि इस वर्ष मध्यप्रदेश एवं गुजरात के 6 जिलों से लगभग 200 युवा इस संवाद में भाग लेंगे। ये सभी युवा अपने-अपने क्षेत्रों में शिक्षा, कृषि, पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय उद्यम, संस्कृति, सामाजिक नवाचार एवं जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। वे अपने अनुभव, नवाचार और सफल प्रयासों को

प्रतिभागियों के साथ साझा करेंगे, जिससे अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। देशभर से शोधकर्ता, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता, उद्यमी, विद्यार्थी तथा जनजातीय विषयों में रुचि रखने वाले लोग इस आयोजन में भाग लेकर झाबुआ अंचल की समृद्ध परंपराओं, लोकज्ञान, कला, संस्कृति और जीवन दर्शन को निकट से समझेंगे।

दो दिवसीय इस आयोजन में 100 से अधिक जनजातीय कलाओं, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक कृषि, खाद्य संस्कृति एवं उद्यमिता मॉडल का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही जनजातीय अस्मिता, जल-जंगल-जमीन, शिक्षा, शोध, पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय आजीविका, सांस्कृतिक विरासत तथा सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित होंगे। कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रतिभागी ग्राम भ्रमण, हलमा, वृक्षारोपण, बीज रोपण, देवस्थल दर्शन तथा स्थानीय समुदाय के साथ संवाद जैसी गतिविधियों में सहभागी बनेंगे, जिससे उन्हें जनजातीय जीवन को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर मिलेगा। प्रेस वार्ता में कहा गया कि 'झाबुआ संवाद' का मूल संदेश है— संवाद से समाधान, सहयोग से परिवर्तन। यह पहल जनजातीय युवाओं को नेतृत्व, नवाचार और स्थानीय उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहभागी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

आयोजकों ने समाज के सभी वर्गों, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों, उद्योग जगत, मीडिया तथा युवाओं से इस जनभागीदारी आधारित अभियान में सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता का आग्रह किया। कार्यक्रम विवरण: आयोजन: झाबुआ संवाद 2026, तिथि: 2-3 अगस्त 2026, स्थान: डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम यूआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज, झाबुआ (मध्यप्रदेश), आयोजक: भारत घुमक्कड़ समाज दर्शन फाउंडेशन।

संक्षिप्त समाचार

बाल सुरक्षा और पॉक्सो एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन पर भोपाल में 17 जुलाई को राज्य स्तरीय कार्यशाला

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह एक दिवसीय कार्यशाला आगामी 17 जुलाई 2026 को आयोजित होगी, जिसमें विषय-विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। कार्यशाला का मुख्य विषय लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो एक्ट) एवं किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख एवं संरक्षण अधिनियम, 2015) के प्रभावी क्रियान्वयन में बाल कल्याण समितियों की भूमिका रखा गया है। कार्यक्रम का आयोजन भोपाल के नेहरू नगर स्थित धन्वंतरी मार्ग पर एम.पी. काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एम.पी.सी.एस.टी.) विज्ञान भवन के सभागार में किया जाएगा। कार्यशाला का शुभारंभ सुबह 10:00 बजे से होगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन का उद्देश्य संकटग्रस्त, बेसहारा और पीड़ित बच्चों की कानूनी सहायता, देखरेख व उनके पुनर्वास में बाल कल्याण समितियों की भूमिका को और अधिक मजबूत व संवेदनशील बनाना है। कार्यशाला में दोनों कानूनों के प्रभावी और व्यावहारिक क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी ताकि धरातल पर बच्चों को त्वरित न्याय और बेहतर वातावरण मिल सके।

गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री परमार

भोपाल, निप्र। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष में तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं, संस्थागत सुधारों एवं विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप तकनीकी शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुखी, पारदर्शी एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के लिए सभी कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएँ। मंत्री श्री परमार ने तकनीकी शिक्षा संस्थानों में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने, स्थानीय औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप पॉलीटेक्निक एवं इंजीनियरिंग संस्थानों के पाठ्यक्रमों का युक्तियुक्तकरण करने तथा नवीन रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि युवाओं को कौशलयुक्त, आत्मनिर्भर और उद्योगों की अपेक्षाओं के अनुरूप सक्षम बनाना है। बैठक में विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं की पारदर्शिता, विश्वसनीयता एवं गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष चर्चा हुई। मंत्री श्री परमार ने उत्तर पुस्तिकाओं के डिजिटल मूल्यांकन की व्यवस्था प्रारंभ करने तथा प्रश्नपत्रों की गोपनीयता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक डिजिटल प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए, जिससे परीक्षा प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष, सुरक्षित एवं विश्वसनीय बन सके। मंत्री श्री परमार ने तकनीकी शिक्षा संस्थानों में हिंदी भाषा में पाठ्यक्रम, पुस्तकों एवं अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने तथा प्रश्नपत्र हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संभागवार औद्योगिक एवं क्षेत्रीय आवश्यकताओं का अध्ययन कर उसी अनुरूप पाठ्यक्रम विकसित करने पर बल देते हुए कहा कि मातृ-भाषा में गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराना नई शिक्षा नीति की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग की तर्ज पर अतिथि विद्वानों की समस्याओं के निराकरण, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबंधित विभिन्न प्रकरणों, स्वशासी संस्थानों के विषयों तथा न्यायालयीन प्रकरणों को लेकर भी सार्थक चर्चा की गई। मंत्री श्री परमार ने सभी विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए विभागीय कार्यों में गति एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा श्री मनीष सिंह एवं आयुक्त तकनीकी शिक्षा श्री अवधेश शर्मा उपस्थित थे।

संपर्क अभियान 2026 : ओवायटी योजना से किसान को मिला स्थायी कृषि बिजली कनेक्शन

भोपाल, निप्र। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित संपर्क अभियान 2026 के अंतर्गत रायसेन ग्रामीण वितरण केंद्र द्वारा ग्राम बम्होरी (पठारी) में आयोजित संपर्क अभियान में किसान श्री संजय कुशवाह की वर्षों पुरानी बिजली संबंधी समस्या का स्थायी समाधान किया गया। कंपनी के अधिकारियों ने उन्हें ओवायटी (ओन योर ट्रांसफार्मर) योजना की जानकारी देकर स्थायी कृषि बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया, जिससे उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 24 हजार रूपये की बचत होगी। संपर्क अभियान में अधिकारियों ने घर-घर पहुंचकर उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याएं सुनीं तथा विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इसी दौरान किसान श्री संजय कुशवाह ने बताया कि उनके कृषि पंप की दूरी विद्युत नेटवर्क से अधिक होने के कारण उन्हें प्रत्येक वर्ष दो बार अस्थायी कृषि बिजली कनेक्शन लेना पड़ता था, जिस पर लगभग 24 हजार रूपये का अतिरिक्त व्यय होता था। कंपनी के अधिकारियों ने उन्हें ओ वाय टी योजना के लाभों से अवगत कराया। योजना की जानकारी प्राप्त करने के बाद श्री कुशवाह ने लगभग 1.40 लाख रूपये की लागत से ट्रांसफार्मर स्थापित कर स्थायी कृषि बिजली कनेक्शन प्राप्त किया। इसके साथ ही उनकी वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान हो गया। अब उन्हें प्रत्येक कृषि सीजन में अस्थायी कनेक्शन लेने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 24 हजार रूपये की बचत होगी। साथ ही नियमित, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलने से कृषि कार्य भी अधिक सुगमता एवं दक्षता से संचालित हो सकेंगे। श्री संजय कुशवाह ने संपर्क अभियान 2026 एवं स्वयं का ट्रांसफार्मर योजना की सराहना करते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रति आभार व्यक्त किया। स्थायी कृषि बिजली कनेक्शन मिलने से प्रतिवर्ष लगभग 24 हजार रूपये की होने वाली बचत का उपयोग श्री संजय कुशवाह अब अपने बच्चों की शिक्षा, कृषि कार्यों तथा परिवार की अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में कर सकेंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित संपर्क अभियान 2026 के माध्यम से उपभोक्ताओं को उनके घर के समीप ही बिजली संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत शिकायतों के त्वरित निराकरण के साथ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ भी पात्र उपभोक्ताओं तक पहुंचाए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता संतुष्टि और विद्युत सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी इंदौर को सौगात... जिला अस्पताल को मिला 300 बिस्तर वाला नवनिर्मित भवन

मप्र में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 52 तक पहुंचाएंगे

विनय उजाला

आलीराजपुर, नप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास के प्रयास किए जा रहे हैं। आमजन के लिए अनेक प्रकार की सुविधाओं का विस्तार हो रहा हैं। भवनों का निर्माण भी निरंतर किया जा रहा है। भवनों के निर्माण में गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जिला अस्पताल का नवनिर्मित भवन भी इंदौर को प्राप्त ऐसी ही नई सौगात है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि यह अस्पताल नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को इंदौरवासियों को स्वास्थ्य क्षेत्र की एक बड़ी सौगात देते हुए मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा लगभग 83.13 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 300 बिस्तरीय अत्याधुनिक जिला अस्पताल भवन का लोकार्पण किया। धार रोड स्थित लगभग 3.40 एकड़ भूमि पर निर्मित यह जी+4 मंजिला अस्पताल भवन लगभग 2 लाख वर्गफीट क्षेत्रफल में विकसित किया गया है। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित यह अस्पताल इंदौर ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों के मरीजों को भी बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराएगा।

विधानसभा के वर्षाकालीन सत्र में यूसीसी की प्रक्रिया को बढ़ाया जाएगा आगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के पूर्व व्यापक जनसंवाद किया जायेगा। विशेष समिति के गठन के बाद 10 लाख से ज्यादा सुझाव सभी 55 जिलों से समिति को मिले। सभी राजनीतिक दलों, धर्मों और समुदायों से सुझाव प्राप्त किए गए। सर्वसम्मति से यह व्यवस्था लागू होगी। विधानसभा के वर्षाकालीन सत्र के माध्यम से आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर यू.सी.सी. लागू करने का महत्वपूर्ण कार्य भी शीघ्र होने जा रहा है। सभी नागरिकों के लिए समान नियमों और कानून का पालन करना आवश्यक है। कृषक कल्याण वर्ष में किसानों के हित में अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से हाल ही में टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 आयोजित की गई।

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में आगे है हमारा प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते दौर का भारत हर क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 12 वर्ष की अवधि में सभी क्षेत्रों में बेमिसाल कार्य कर दिखाया है। हमारी अर्थव्यवस्था नए आयाम प्राप्त कर रही है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य के क्षेत्र में नागरिकों को अनेक सुविधाएं दी जा रही हैं। नागरिकों को बड़ी संख्या में उपचार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मध्यप्रदेश में 2003 तक सिर्फ 5 मेडिकल कॉलेज थे, इसके पूर्व के 55 वर्ष में इतनी ही प्रगति हो पाई थी। सीटों की संख्या भी मात्र 500 थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज नई दिल्ली में फेथ कॉन्क्लेव 2026 में होंगे शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 16 जुलाई, गुरुवार को नई दिल्ली में दो दिवसीय 'फेथ कॉन्क्लेव 2026' में सम्मिलित होंगे। फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी (FAITH) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'अतुल्य भारत : अमूल्य अर्थशास्त्र' (Incredible India: Invaluable Economics) है। यह कॉन्क्लेव 16 और 17 जुलाई 2026 को देश के नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के शीर्ष नेतृत्व को एक साझा मंच प्रदान करेगा। कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य पर्यटन के माध्यम से आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय उन्नति को गति देना है। कार्यक्रम के दौरान देश में यात्रा और पर्यटन के अवसरों को बढ़ाने के लिए 'टूरिज्म ग्रोथ चार्टर' के तहत एक समयबद्ध कार्ययोजना का प्रस्ताव रखा जाएगा। इस चार्टर में पर्यटन को बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) का दर्जा देने, मिशन मोड पर 50 पर्यटन स्थलों का विकास करने और वैश्विक स्तर पर ब्रांड इंडिया के प्रचार जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल हैं।

रेडक्रॉस की आधुनिक कृत्रिम अंग निर्माण यूनिट का किया लोकार्पण, उप मुख्यमंत्री शुक्ल बोले-

रीवा बनेगा कृत्रिम अंग निर्माण का केन्द्र

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने भारतीय रेडक्रास समिति में आधुनिक कृत्रिम अंग निर्माण यूनिट का रीवा में लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री ने ब्लड सेपरेशन यूनिट का लोकार्पण करने के साथ तीन दिव्यांगों को कृत्रिम अंग प्रदान किए।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय रेडक्रास समिति ने सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करके रीवा का नाम रोशन किया है। समिति में कृत्रिम अंग निर्माण की आधुनिकतम उपकरणों से सज्जित कम्प्यूटराइज्ड यूनिट का शुभारंभ किया गया है। इससे अस्थि बाधित दिव्यांगजनों को सटीक नाप के कृत्रिम अंग प्राप्त होंगे। इस यूनिट से रीवा संभाग ही नहीं सागर संभाग, जबलपुर संभाग तथा पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश के समीपवर्ती जिलों के दिव्यांगों को भी कृत्रिम अंग की सुविधा मिलेगी। जिस कार्य के लिए दिव्यांगों दिल्ली, मुम्बई, जयपुर जैसे शहरों को जाना पड़ता था वह सुविधा अब रीवा शहर में उपलब्ध हो गई है। दिव्यांगों के कल्याण के इस उत्कृष्ट कार्य के लिए समिति के चेयरमैन डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी और उनकी पूरी टीम बधाई की पात्र है।

रेडक्रॉस ने गरीबों-पीड़ितों की सेवा में उत्कृष्ट कार्य किया : शुक्ल

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक अंग निर्माण यूनिट से रीवा कृत्रिम अंग निर्माण का केन्द्र बनेगा। रेडक्रॉस समिति ने गरीबों और पीड़ितों की सेवा में सदैव उत्कृष्ट कार्य किया है। कोरोना के संकटकाल में समिति के सदस्यों ने समाजसेवियों के साथ मिलकर जान हथेली में रखकर गरीबों को घर-घर जाकर नि:शुल्क अनाज का वितरण किया था। समिति में ब्लड सेपरेशन यूनिट का भी लोकार्पण किया गया है। इस सुविधा से एक यूनिट रक्त का उपयोग तीन रोगियों की जान बचाने में किया जा सकता है। समारोह में रेडक्रास समिति के चेयरमैन डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी ने कहा कि समिति पीड़ितों की सेवा के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उप मुख्यमंत्री जी के विशेष सहयोग से समिति को आधुनिक भवन, कृत्रिम अंग बनाने की यूनिट तथा अन्य सुविधाएं मिली हैं। समिति को पिछले तीन वर्षों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए महामहिम राज्यपाल से प्रशस्ति पत्र हुए हैं। रेडक्रास समिति की रक्तदान इकाई ने प्रथम दिन डॉ. शिवेन्द्र चतुर्वेदी, डॉ. महादेवी चतुर्वेदी एवं सुवर्णा चतुर्वेदी ने रक्तदान करके मानवता की सेवा में योगदान दिया। समारोह में भारतीय रेडक्रास समिति के उपाध्यक्ष जयंत खन्ना तथा एके खान, सचिव राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय, डॉ. विनोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ. सुधीर श्रीवास्तव, पूर्व डीआईजी डीपी सिंह, श्रीमती ममता सिंह, श्री प्रदीप गौतम सुमन, श्री रामायण गौतम, सिविल सर्जन डॉ. प्रतिभा मिश्रा तथा समिति के पदाधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में 19 को जगदीशपुर में होगी कैबिनेट की बैठक

अपर मुख्य सचिव शुक्ला और संभाग आयुक्त शर्मा ने किया स्थल निरीक्षण

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 19 जुलाई, जगदीशपुर में होने वाली कैबिनेट बैठक की व्यवस्थाओं के संबंध में बुधवार को अपर मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला एवं भोपाल संभाग आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने स्थल निरीक्षण किया. उन्होंने बैठक के सफल एवं सुचारू संपादन के लिए आयोजन स्थल पर चल रही विभिन्न व्यवस्थाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान प्रबंध निदेशक मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री इलैया राजा टी, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, आईजी (देहात रेंज) भोपाल श्रीमती रुचि वर्धन सहित विभिन्न संबंधित विभागों के जिला एवं संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने निर्देश दिए कि इस बैठक के महत्व को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां पूरी तरह चाक-चौबंद और त्रुटिहीन होनी चाहिए। अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने जगदीशपुर पैलेस परिसर स्थित ऐतिहासिक रानी महल एवं चमन महल का अवलोकन किया। उन्होंने वहां बैठक व्यवस्था, सुरक्षा मानकों, सौंदर्यीकरण तथा ई-कैबिनेट के लिए आवश्यक आधुनिक तकनीकी प्रबंधों को देखा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप दायित्वों का निर्वहन करें और दिए गए कार्यों को संबंधित विभागों के साथ पूरे समन्वय एवं पूरी तत्परता से संपादित करें।

दतिया विधानसभा में उप निर्वाचन का कार्य निष्पक्षता व गंभीरता के साथ करें : झा

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री संजीव कुमार झा ने बुधवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस अधीक्षक दतिया के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की।

दतिया विधानसभा में होने वाले उप निर्वाचन के संबंध में की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उप निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारी निष्पक्षता और गंभीरता के साथ निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप कार्य करें। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा कहा कि स्वीप गतिविधियों के माध्यम से प्रचार प्रसार में तेजी लाएं। मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करें। इसके साथ ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने क्रिटिकल मतदान केंद्र, बॉन्ड ओवर, वल्नरेबल मतदान, इंटर स्टेट नाकों पर की जा रही कार्रवाई, अवैध हथियारों की जब्ती, पेड न्यूज और आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर मिल रही शिकायतों पर की जाने वाली कार्रवाई और कानून-व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की।

मध्यप्रदेश के 227 अस्पतालों ने सीखे गुणवत्ता के मानक एनएबीएच की यात्रा में 500 स्वास्थ्य विशेषज्ञ हुए शामिल

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मरीजों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) द्वारा आयोजित एनएबीएच गुणवत्ता यात्रा का मंगलवार को भोपाल में समापन हो गया।

6 से 14 जुलाई तक आयोजित पाँच सत्रों में प्रदेश के 227 अस्पतालों के प्रतिनिधियों और लगभग 500 स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लेकर गुणवत्ता मानकों और रोगी सुरक्षा से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन सत्र में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा, जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ. कामिनी मेहरा, चिरायु मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अजय गोयनका, हजेला अस्पताल के संस्थापक डॉ. अनूप हजेला तथा जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल की एनएबीएच प्रधान निर्धारक डॉ. दीप्ति चंद्रा शर्मा मौजूद रहे।

डॉ. अजय गोयनका ने कहा कि एनएबीएच के मानक अस्पतालों के लिए एक मार्गदर्शक ग्रंथ की तरह हैं, जिनके पालन से रोगी सुरक्षा और उपचार की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होता है। उन्होंने कहा कि मानकीकृत प्रक्रियाओं से अस्पतालों की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनती है।

सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में एनएबीएच केवल प्रमाणन नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहचान बन चुका है। उन्होंने अस्पतालों से एंट्री लेवल प्रमाणन और पूर्ण प्रत्यायन के लिए आगे आने का आह्वान किया तथा बताया कि भोपाल पेपरलेस स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा में भी तेजी से कार्य कर रहा है।

श्री खेड़ापति हनुमान लोक कॉरिडोर का मंत्री सारंग ने किया निरीक्षण

100 करोड़ की लागत से आकार ले रहा आस्था का भव्य धाम, दर्शनार्थियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। राजधानी भोपाल के छोला स्थित प्राचीन एवं प्रसिद्ध श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर परिसर में लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए जा रहे श्री खेड़ापति हनुमान लोक कॉरिडोर के निर्माण कार्यों का सहकारिता, मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने नगर निगम एवं संबंधित अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए परियोजना को तय समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों से कहा कि कॉरिडोर निर्माण का मूल उद्देश्य श्रद्धालुओं को अधिक सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित दर्शन व्यवस्था उपलब्ध कराना है। उन्होंने निर्देश दिए कि पुराने गर्भगृह की मूल संरचना और धार्मिक स्वरूप को पूरी तरह यथावत रखते हुए मंदिर परिसर के आसपास के क्षेत्र का विस्तार किया जाए, जिससे मंदिर की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक पहचान सुरक्षित रहे।

भोपाल की नई सांस्कृतिक पहचान बनेगा हनुमान लोक

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि श्री खेड़ापति हनुमान लोक कॉरिडोर केवल एक निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और आधुनिक विकास का संगम है। यह परियोजना 'विरासत भी और विकास भी' की सोच को साकार करते हुए भोपाल की सांस्कृतिक एवं धार्मिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी तथा भविष्य में धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद श्री खेड़ापति हनुमान लोक कॉरिडोर राजधानी भोपाल की नई पहचान के रूप में स्थापित होगा।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा परिसर

परियोजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन व्यवस्था, भव्य कॉरिडोर, दर्शक दीर्घा, सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए अधोसंरचना, आधुनिक पार्किंग, चौड़ी सड़कें तथा अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। साथ ही दशहरा मैदान के खुले स्वरूप को संरक्षित रखते हुए वहां सार्वजनिक आयोजनों के लिए आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं।

नागर शैली में विकसित होगा भव्य हनुमान लोक

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि लगभग 21 एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रहे इस कॉरिडोर का निर्माण राजस्थान के व्हाइट मार्बल एवं प्राचीन नागर शैली की वास्तुकला के अनुरूप किया जा रहा है। मंदिर परिसर में सुंदरकांड की झलक प्रस्तुत करने वाला भव्य कॉरिडोर विकसित किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त होगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, विनय मिश्रा द्वारा उषा प्रिंटर्स, तिलक मार्ग, अमला लाइन, आलीराजपुर से मुद्रित एवं 13/2, ब्लॉक सी, केशव नगर, आलीराजपुर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा, स्थानीय संपादक - श्रीमती दिव्या गुप्ता, फोन- फैक्स नं. 0731-2700552, मो. 9425910888, 8889766697, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा) पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। RNI. Reg. MPHIN/2019/78560